राजस्ट्री सं॰ डी-(डी)--73

The Gazette of India

NO-14 MISSING VIEW HORITY PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15]

नई बिल्ली, शनिवार, अप्रेल 14, 1979 (चैत्र 24, 1901)

No. 15] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 14, 1979 (CHAITRA 24, 1901)

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

मंघ लोक मेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 मार्च 1979

स० ए० 12025(ii) 1/77-प्रणा॰ III — कार्मिक तथा प्रणामितक मुधार विभाग के का॰ जा॰ सं॰ 5/79/77-सी॰ एस॰ (1) दिनांक 26-12-78 तथा पत्र सं॰ 5/79/77-सी॰ एस॰ (1), दिनांक 5-2-79 के अनुसरण में राष्ट्रपित द्वारा संघ लोक मेवा आयोग में केन्द्रीय मिचवालय मेवा सवर्ग के स्थायी महायक श्री एस॰ के॰ अरोडा को 26-12-78 में आगामी आदेशो तक, अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्त क्प में अस्थायी आधार पर नियुक्त किया जाता है बगर्ते कार्मिक तथा प्रणासिक मुधार विभाग का आरक्षित रिक्ति को अनारक्षित करने का अनुमोदन प्राप्त हो।

2. श्री एस० के० श्ररोडा को 29-2-80 तक ईंस्क श्रिष्ठकारी पुनर्पदित किया गया है तथा बह का० तथा प्र० सु० विभाग के का० झा० स० 12/1/74-एस० सी० (I) दिनाक 11-12-75 के श्रनुसरण में २० 75/- प्रति माह विशेष वेतन लेगे।

बा० ना० सोम, उप सचिव प्रशासन प्रभारी संघ लोक से**द्वा** प्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनाक 14 फरवरी 1979

मं० ए० 32014/1/78-प्रशा०JII—इस कार्यालय की सममंख्यक श्रिधसूचना दिनांक 20-1-79 में श्रांशिक ग्रांशिधन करते हुए संघलोक सेवा ग्रायोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी महायक तथा तदर्थ श्राधार में श्रन्भाग ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री श्रार० के० गोयल को, जिन्हें सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1977 के श्राधार पर वाणिज्य मन्नालय में नामित किया गया है। राष्ट्रपति श्वारा 23-12-78 (श्रपराह्म) में श्रागमी श्रादेश तक मध लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में ग्रस्थायी उधार के श्राधार पर श्रनुभाग ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनाक 15 मार्घ 1979

स० पी० 1968/प्रणा०- — सघ लोक सेवा श्रायोग के के० म० मेवा मंवर्ग के स्थायी अनुभाग श्रिधिकारी श्री पन्तालाल को श्रिखल भारतीय मृदा एव भूमि प्रयोग सर्वेक्षण, कृषि एव मिचाई, मंत्रालय, कृषि विभाग मे प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर प्रशासनिक श्रिक्षित्रारी के पद पर नियुक्ति हेतु चयन हो जाने के परिणामस्वरुप 15 मार्च, 1979 के श्रपराह्म से सघ लोक सेवा श्रायोग के उक्त संवर्ग मे कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

सं • पी • | 271 - प्रका-I — संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय
में के • स • से • के स्थायी ग्रेड I श्रधिकारी तथा विजेष कार्य
श्रधिकारी (गोपनीय) के पद पर स्थानापन्त रूप से कार्यरत
थी एस • पी • चक्रवर्नी को, राष्ट्रपति, द्वारा निवर्तन श्राय
प्राप्त करने के पश्चात् 28-2-1979 (श्रपराह्न) से सरकारी
सेवा से निकुल होने की श्रनुमति दी जानी है।

श्री एस० पी० चक्रवर्ती को गृह महालय, कार्मिक श्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग के पत्न म० 39017/18/78-स्था० (ख) दिनाक 19-1-79 द्वारा सम्प्रेषित उनकी सहमित से निर्वेतन की श्रविध के श्रागे 1-3-79 से छह माम की श्रविध के लिये मंघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में विशेष कार्य श्रिधकारी (गोपनीय) के पद पर पुनर्तियुक्त किया गया है।

दिनांक 16 मार्च 1979

सं० ए० 32013/1/79-प्रणा०-I—संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में केन्द्रीय सिववालय सेवा संवर्ग के श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी श्रिधकारियों को, राष्ट्रपति द्वारा, उनमें से प्रत्येक के सामने निर्विष्ट श्रवधि के लिये श्रयवा श्रागामी श्रादेण तक, जो भी पहले हो, उक्न सेवा के ग्रेड-I में तदर्थ श्राधार पर श्रवर सिवव के पद पर, स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

क्रम नाम सं०	भ्रवधि
 श्रीपी० सी० माथुर श्री जे० पी० गोयस 	19-2-79 से 18-5-79 तक 1-2-79 से 18-4-79 तक

एस० बालचन्द्रन, ग्रवर सचिव (प्रशासन) संघ लोक सेवा श्रायोग

गृह मद्रालय कार्मिक एवं प्रणामनिक मुधार विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1979

सं० एम० 39/65-प्रणा०-5—भारतीय तेल तिगम में बिरिष्ठ मनर्कता ग्रधिकारी के रूप में प्रतितियुक्ति पर नियुक्ति के लिये चयन हो जाने पर श्री एम० मेशादि, पुलिस उप ग्रधीक्षक, केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरों ने दिनाक 15-3-79 के अपराह्म में पुलिस उप-प्रधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

रिपुदमन सिह, गासनिक म्रधिकारी (लेखा) केन्द्रीय मन्वेषण ब्यूरो महानिदेणालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

ाई दिल्ली-110001, दिनाक 23 मार्च 1979

म० ग्रो० दो० 1207/75 स्थापना—श्री मोहन सिंह ने उनके सरकारी सेवा म निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस ग्रधीक्षक, 10वी वाहिनी, के० रि० पु० वल के पद का कार्यभार, दिनाक 28-2-79 (अपराह्म) का त्याग दिया।

म० ग्रो० दो-1062/77-स्थापना—-राष्ट्रपति ने वरिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी (जनरल ड्यूटी ग्राफिसर ग्रेड-I) डाक्टर नरेन्द्र गंकर पाटिल, ग्रुप सेन्टर हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नीमच का त्यागपत्र दिनाक 30 सितम्बर, 1978 (ग्रपराह्न) से स्वीकृत कर लिया।

म ० श्रो० दो-1432/79-म्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) नेजोबती लेले को 12-2-1979 के पूर्वाह्म में केवल तीन माह के लिये श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस नारीख नक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर नदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनाक 27 मार्च 1979

मं० ग्रो०दो-672/71-स्थापना—मंत्री मंडल मिलवालय, भारत मरकार, द्वारा उनकी मेवाये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को समर्पित करने के फलस्वरूप श्री एम० एम० राठौर को उप-पुलिस ग्रधीक्षक (कम्पनी कमान्डर), 9वी वाहिनी, के० रि० पु० बल के पद पर 6-1-79 (पूर्वाह्न) से नियुक्त किया जाता है।

स० भ्रो० दो-1090/78-स्थापना—राष्ट्रपति ने मुख्य चिकित्सा श्रिधिकारी ले० कर्नल, टी० डी० सिन्हा, बेस हास्पीटल-2, के० रि० पु० बल, हैदराबाद का त्यागपत्र दिनांक 28 फरवरी, 1979 (भ्रपराह्म) से स्वीकृत कर लिया।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय महायक निदेशक (प्रणामन)

भारत के महापजीकार का कार्यालय नई दिल्ली, र110011, दिनाक 27 मार्च 1979

स० पी० /पी० (35)-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख, 20 तवस्बर, 1978 की समसंख्यक श्रिधिसूचना के श्रनुक्रम से भारत निर्वाचन श्रायोग के हिन्दी श्रनुवादक श्री के० एन० पन्त की भारत के महापजीकार के कार्यालय मे प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा हिन्दी श्रिधकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि को 30 जुन, 1979 तक या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, महर्ष बढ़ाते हैं।

श्री पन्त का मुख्यालय, नई विल्ली में होगा।

हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री पन्त को उस पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी । तदर्थ आधार पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और किसी अन्य पद पर पदोन्नित के लिये नहीं गिनी जाएगी। इस तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताये रह किया जा सकता है।

पी० प**रा**नाभ, भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 मार्च 1979

सं० 10/38/78-प्रशा०-I—इस कार्यालय की तारीख 20 जनवरी, 1979 की समसंख्यांक ग्राधसूचना के अनुक्रम में भारत के महापंजीकार, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में वरिष्ठ भूगोलवेत्ता, श्री महेश राम की उसी कार्यालय में मानचित्र विश्लेषक के पद पर नियुक्ति को 1 मार्च 1979 से 31 अगस्त, 1979 तक छः माह की ग्रीर अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः श्रस्थायी भीर तदर्थ ग्राधार पर संदर्भाधीन श्रिधसूचना में दी गई गतौं पर, सहर्ष बढ़ाते हैं। श्री महेग राम का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

विजय्क्षपाल पाण्डे, भारत के उप महापंजीकार

महालेखाकार कार्यालय केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली, दिनांक 23 मार्च 1979

सं ० प्रणासन-I/का० ग्रा० मं० 617/5-5/पदोन्नित/77-79/2618—वार्धक्य निवर्त्तन की आयु पूरी कर लेने के परिणाम-स्वरूप इस कार्यालय के स्थायी लेखा ग्रधिकारी ग्रीर स्थाना-पन्न जनकल्याण ग्रधिकारी श्री एच० एन० माथुर, भारत सरकार की सेवा से दिनांक 31 मार्च, 1979 को ग्रपराह्म में सेवा निवृत्त हो जायेगे।

सं० प्रशासन-I/का०मा० सं० 618/5-5/पदोन्नित/77-79/2620—नार्धक्य निवर्त्तन की आयु पूरी कर लेने के परिणाम-स्वरूप इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारी भीर स्थानापन्न लेखा अधिकारी, भारत सरकार की सेवा से दिनांक 31 मार्च 1979 के अपराह्म में सेवा ब्रिकृत हो जायेंगे ।

नाम	जन्म तिथि
 श्री एम० एम० मेहता श्री एम० एल० रंगर 	12-3-1921 1-4-1921

(ह०) अप**ठ**नीय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय बम्बई-400020, दिनांक 13 मार्च 1979

सं० प्रणासन-I/भा०ले०वि०/31-खंड-3/सी-1(1)/2—महा-लेखाकार, महाराष्ट्र-1, बम्बई प्रधीनस्थ लेखा सेवा के निम्न-लिखित सदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ट किये गये दिनांक से आगामी प्रादेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते ह।

<u> </u>	नाम	दिनांक
 1: श्रीसं	: ी०एल० जोशी ी०डी० भोपले	12-3-1979 पूर्वीह्न 12-3-1979 पूर्वीह्न

जे० **चौधरी**, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रणासन)

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, मध्य रेलवे बम्बई, दिनांक 24 मार्च 1979

सं० एयू० /एडमिन/मिस/काम/1969—-श्री एन० एफ० पाटिल म्रनु० म्रधिकारी (ले० परीक्षा) दिनांक 1-3-79 से इस कार्यालय में लेखा परीक्षा म्रधिकारी के कार्यभारी पद पर नियुक्त कियेगये।

श्रीमती ग्रार० क्षष्ण कुट्टी, मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षालेखा महानियन्त्रक

्नई दिल्ली-110022, दिनांक 20 मार्च 1979

सं० 23011(1)/76/प्रशा०-I—भारतीय रक्षा लेखा सेवा के कनिष्ठ समयमान के ग्रुप ए० में निम्नलिखित ग्रिधिकारियों की, उन के नाम के सामने लिखी तारीख से, पुष्टि की जाती है:—

कम नाम सं०	पुष्टि की तारीख
————— – – ————— मर्वेश्री	
1. एस० शंकरन	14-6-1978
2 कें० जी० मेनन	14-6-1978
 एस० एस० राघवन 	14-6-1978
4. डी० पी० घोष	14-6-1978
 कं० नटराजन 	14-6-1978
 टी० एम० कल्याणरमन 	15-7-1978
7. ए० के० घोष	14-6-1978
8. पी० एल० श्राहुजा	14-6-1978
 के० राजगोपालन 	14-6-1978
10. के० एल० भाटिया	14-6-1978
11. जी० राधव राव	15-6-1978
12. डी० ग्रार० वोहरा	14-6-1978
13. ग्रार० विजयराघवन	10-8-1978
14. पी० के० जैन	14-12-1978
15. इकबाल चन्द	3-1-1979

रक्षा मंत्रालय

श्रार० एल० बक्क्सी

1-3-76

रक्षालेखा भ्रपर महा नियन्त्रक (प्रशा०)

महानिदेशालय, आर्डनैन्स फैक्टरियां डी० जी० स्रो० एफ० मुख्यालय मिविल सेवा कतकत्ता, दिनाक 16 मार्च 1979

म० 5/79/ए/ई-I (एन० जी०)—महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरिया, निम्नलिखित अधिकारियों को, प्रत्येक के सामने दर्जाए गए पदो में और तारीखों से, वरिष्ठता पर बिना प्रभावी दुए स्थान।पन्न आधार पर प्रोनन्त करने हैं ——

 श्री भ्रार० सुन्दरम् 	ग्रामुलिपिक	1-3-76
ग्राशुलिपिक ग्रेड-बी 1	ग्रेड-ए 1 व्यक्तिक सचिव	
वरिष्ठ व्यक्तिक सहायक	(ग्रुप-बी राजपन्नित)	
(ग्रुप-बी राजपन्नित)		

2 श्री श्रमलेन्द्र चक्रवर्ती ग्रागुलिपिक ग्रागुलिपिक ग्रेड-सी 1 ग्रेड-बी 1 वरिष्ठ व्यक्तिक महायक व्यक्तिक सहायक

> डी० पी० चक्रवर्ती सहायक महानिदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक, आईनैस फैक्टरिया

(ग्रुप-बी राजपन्नितः)

कलकत्ता दिनाक 16 मार्च 1979

मं० 18/जी/79—राष्ट्रपति जी, श्री एस० श्रीनिवासन, स्थायी उप-महाप्रवन्धक (योजना श्रायोग नई दिल्ली में प्रति नियुक्ति पर) को १। जून, 1977 में श्रिप्रम श्रादेण न होने नक, स्थानापन्न महाप्रवन्धक ग्रेष्ट-1 के पद पर निकटलम नीचे नियम के श्रन्तर्शन नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 मार्च 1979

स० 20/79/जी---दिनांक 18-12-78 के पत्न संख्या 2010/ए/जी के प्रन्तर्गत प्रकाशित इस महानिदेशालय की गजट प्रधिमू बना संख्या 91/78/जी, दिनांक 18-12-78 में निम्न-लिखित मंशोधन किया जाना है:----

शीर्धक "संख्या 91/78/जी" के श्रन्तर्गत दूसरी पक्ति में वास्ते : दिनांक 28-2-78 (श्रपराह्म) से पढ़ा जाए : दिनाक 28-2-77 (श्रपराह्म) से

> वी० के० मेहता, महायक महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरिया

श्रम मंत्रालय (श्रम म्युरो)

शिमला-171004, बिनांक 12 अप्रैल 1979

सं • 23/3/79-सी • पी • आई • -- फरवरी, 1979 में बौद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीम उपमोक्ता मृस्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जनवरी, 1978 के स्तर से तीन अंक घट कर 329 (तीन सौ उन्नतीस) रहा है। फरवरी, 1979 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1948=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 400 (चार सौ) आता है।

आनन्द स्वरूप भारक्षाज संयुक्त निवेशक

वाणिज्य, नागरिक भ्रापूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियन्त्रक ग्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1979 ग्रायात-निर्यात ब्यापार नियन्त्रण (स्थापना)

सं० 6/341/56-प्रशा० (राज०)/2480---श्री एस० वेन्कटमुक्रामनियम, भूतपूर्व उप मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात, भोषाल को सेवा-निवर्त्तन पूर्व अवकाम लेने के पश्चात 13 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्म से सरकारी सेवा से स्वेच्छा पूर्वक निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

> राजेन्द्र सिह, उप भुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय श्रीद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 मार्च 1979

मं० ए० 19018 (404)/79-प्रणासन (राजपतित)---राष्ट्र-पति, भारतीय डाक सेवा के ग्रधिकारी तथा स्वास्थ्य एव परिवार कल्याण संवालय में उप मान्वि श्री बी० डी० टेकरीवाल को दिनांक 17 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्म) से श्रमले श्रादणों तक विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली के कार्यालय में संयुक्त विकास श्रायुक्त के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 मार्च 1979

सं 0 12 (674) / 71-प्रशासन (राजपितत) — राष्ट्रपित, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के श्री के एस एपि राव, उप निदेशक (चमडा / पायुका) को दिनांक 28 दिसम्बर, 1978 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश नक, लघु उद्योग नेवा मंस्यान, श्रागरा में निदेशक ग्रेड-II (चमड़ा / पायुका) के पद पर स्थानापन रूप से तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 मार्च 1979

सं० 12(648)/70-प्रणासन (राजपितत) — केन्द्रीय भौजार कक्ष एवं प्रणिक्षण केन्द्र, कलकत्ता में प्रतिनियुक्तित से नापस होने पर श्री एस० के० बसुने दिनांक 14 फरनरी, 1979 (पूर्वाह्न) में मृत्तिकला (सिरेमिक्स) एवं कांच उद्योगों के प्रक्रिया-सह-उत्पाद विकास केन्द्र रांची में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (सामान्य प्रणासन प्रभाग) पद का कार्यभार संभाल लिया।

म०ए-19018 (198)/75-प्रणासन (राजपतित) — राष्ट्र-पति, विस्तार केन्द्र, एटिंगल के श्री पी० पी० कोवे, महायक निवेशक ग्रेड-I (यांतिक) को विनांक 14 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेश तक, लघु उद्योग शाखा संस्थान, रायपुर में स्थानापन्न उप निदेशक (यांतिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> महेन्द्र गुप्त उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निषटान महानिवेशालय

(प्रशासन अनुभाग-J)

नई दिल्ली, दिनांक 23 मार्च 1979

मं० ड्र०-1/1(1135)/78-राष्ट्रपति, 1977 की इंजी-नियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के ब्राधार पर सघ लोक सेवा ब्रायोग द्वारा नामित उम्मीदवार श्री सुरेन्द्रनाथ श्रीवास्तव को दिनांक 3-3-1979 के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (प्रशिक्षण आरक्षी) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड 3 म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० इ० 1/1 (1136)/78— राष्ट्रपति, 1977 की इन्जीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर संघ लोक सेवा श्रायोग ढारा नामित उम्मीदवार श्री प्रवीण के० कंचन को दिनांक 1-3-1979 के पूर्वाह्म से सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (प्रशिक्षण श्रारक्षी) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-3) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 मार्च 1979

सं० प्र०-1/1(684)—-राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महामिदेणालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) श्री एम० सी० उप्रेती को दिनांक 15-1-79 के पूर्वाह्न से इसी महानिवेशालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-1) के रूप में नियुक्त करने हैं।

श्री उप्रेती 15-1-79 (पूर्वाह्म) मे दो वर्ष की अवधि के लिए परवीआधीन होगे।

कें० किणोर, उप निदेशक (प्रशासन) **कृते** महानिदेशक पूर्ति तथा निपट।न

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण कलकत्ता-16, दिनांक 20 मार्च 1979

सं० 4-158/78-स्था०---भारतीय मानव-विज्ञान मर्बेक्षण के निष्ठेशक, श्री एम० एम० दास को इस सर्वेक्षण के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, शिलांग में सहायक मानव विज्ञानी (सास्कृतिक) के पद पर 19 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्म में ग्रस्थायी श्राधार पर ग्रगले ग्रादेशों तक नियुक्त करते हैं।

एन० श्रार० श्रार्थच, प्रणासनिक श्रधिकारी

श्राकाणवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1979

स० 6(138)/63-एस-I— महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद द्वारा श्री एस० बी० खारे, प्रसारण निष्पादक, आकाश-वाणी, लखनऊ, को आकाशवाणी बीकानेर, में 24 फरवरी, 1979 में श्रगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी स्प से नियुक्त करते हैं।

दिनाक 26 मार्च 1979

स० 5 (49) / 68-एस-1 — महानिदेशक, आकाशवाणी, णतद्-ढारा श्री श्ररूणराय चौधरी, प्रमारण निष्पादक, विज्ञापन प्रमारण सेवा, आकाशवाणी, कटक को आकाशवाणी कटक में 28 फरवरी, 1979 से अगले आदेशों नक वार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

> श्रो० बी० णमी, प्रणामन उप निदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1979

सं० ए० 31014/2/78-के० म० स्वा० यो०-1---स्वास्थ्य मेवा महानिदेणक, ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय के प्रधीन चल रही केन्द्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना मे कार्य कर रहे निम्निलिखित, होम्योपेथिक कार्य चिकित्मको को प्रत्येक के आगे लिखी तिथि मे स्थाई आधार पर नियुक्त किया है —

क्रुं के नाम	स्थायी नियुक्तिकी तिथि
1. डा० बी० सी० राय	1-8-1974
2. डा० बी० पी० मिश्रा	9-2-1977
3. डा० (श्रीमती) सरोजिनी निगम	9-2-1977
4 डा० (कुमारी) राज मेहरा	9-2-1977
 डा०एम० एल० मदरिया 	9-2-1977
 डा०वी०एम० वाडिखये 	22-3-1978
	एन० एन० घोष,
	उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1979

सं० ए० 1-1 1/75-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती प्रणति नन्दी को 5 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्नसे ग्राखिल भारतीय स्वारथ्य विज्ञान ग्रीर जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता मे ट्यूटर डायटीशियन के पद पर स्थायी रूप से नियुवत किया है।

दिनाक 22 मार्च 1979

सं० ए०-19019/156/76-ए (माई० एच० पी० एच०) प्रशासन-I—सेवा निवृत्ति की श्राय हो जाने पर डा० एम० श्रार० चौधरी ने 28 फरवरी, 1979 के श्रपराह्म में श्रिखल भारतीय स्वास्थ्य-विज्ञान एवं जनस्वास्थ्य मंस्थान, कलकत्ता से शरीर क्रियात्मक श्रोर श्रीद्योगिक स्वास्थ्य विज्ञान के सहायक श्रोफेमर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1979

मं० ए.० 32014/3/78-एम० प्राई—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने सरकारी चिकित्सा भण्डार डीपू, मद्राम में विरुठ वैज्ञानिक सहायक के पद पर कार्य कर रहे श्री श्रार० नागराजन को 23 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्म में श्रागामी श्रादेशों तक उसी डीपू में सहायक फैक्टरी प्रबन्धक (ग्रुप 'बी' राजपितत) के पद पर पूर्णतः श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनाक 22 मार्च 1979

स० ए० 32015/4/78-स्टोर-I(भाग)— इस निदेणालय की 20 नवस्बर, 1978 की भ्रधिसुचना संख्या ए० 32015/4/78-स्टोर-I का भ्रधिक्रमण करते हुए स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने परिवार कल्याण उप केन्द्र के वरिष्ट तकनीकी सहायक श्री जे० कें। ते जोत को 13 जनवरी, 1978 से एक वर्ष के लिए या भ्रागामी भ्रादेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में सहायक श्रीपू प्रवन्धक, परिवार कल्याण उप केन्द्र भ्रुप 'बी' राजपन्नित के पद पर तदर्थ भ्राधार पर नियुक्त किया है।

एस० के० कथकि, उप निदेशक प्रशासन (स्टोर्ज)

कृषि एवं सिचाई मत्नालय विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 20 मार्च 1979

सं० 2(1)/79-स्था०(1)— नहायक सम्पदा (हिन्दी) के पद पर श्री श्रीम प्रकाश मृत की तदर्थ नियुक्ति 6 मार्च, 1979 से श्रागे श्रीर 6 जून, 1979 तक बढ़ा दी गई है। दिनांक 23 मार्च 1979

सं० 2-11/77-स्था०-II—सहायक प्रणासन ग्रिक्षकारी के पद पर श्री कृष्ण कुमार गर्माकी नियुक्ति 28 फरवरी, 1979 से ग्रागे 30-6-79 तक बनी रहेगी।

बद्रीनाथ **चड्**ढा निदेशक प्रणासन

(ग्राम विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय फरीदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1979

सं० ए० 31014/4/78 प्र० I—कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार श्री रामजीत वर्म को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में दिनांक 25-11-78 से कनिष्ठ वैद्यानिक श्रिधकारी के स्थाई पद पर मुलतः नियुक्त करते हैं।

बी० एल० मनिहार निदेशक, प्रशासन

फरीदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1979

म० ए०-19023/3/79-प्र०-II—श्री बी० बी० भरकार, सहायक विषणन श्रिधिकारी को फरीदाबाद में दिनांक 17-3-79 (पूर्वाह्म) मे अल्पकालीन श्राधार पर तीन माह की भ्रवधि के लिए या जब तक कोई नियमित प्रबन्ध किये जाते हैं. जो भी पहले घटित हो, स्थान।पन्न रूप में विषणन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया जाता है।

2. विषणन श्रीधकारी के रूप में पदोन्नत होने पर श्री मरकार ने दिनाक 17-3-79 के पूर्वाह्म में फरीदाबाद में सहायक विषणन श्रीधकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> बी० एल० मनिहार, निदेशक प्रशासन कृते कृषि विषणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग वस्बई-5, दिनांक 1 मार्च 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/3(283)/76-प्रशा०/278-2939— विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक एतब द्वारा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक श्रौर इम प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री पी० वसु को, 26 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्म से 18 अप्रैल. 1979 के श्रपराह्म तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक लेखा श्रधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा श्रधिकारी श्री बी० डी० ताम्बे के स्थान पर की जा रही है, जिनकी पढोन्नति लेखा श्रधिकारी II के पद पर की गई है।

> बी० वी० थाट्टे, प्रशासनिक श्रधिकारी

कप एवं भड़ार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनाक 19 मार्च 1979

ग० डी०पी० एम०/21/1(3)/7१-संस्थ प्रन/8341—ित्देशक, ऋष एवं भड़ार तिदेशालय, तिस्तिलिखित भंडारियों को स्थानापन्त रूप से सहायक भंडार श्रिधकारी के पद पर रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतन ऋम में उनके मामने श्रिकत तिथि में इसी निदेशालय में श्रुस्थाई तौर पर श्रिशम श्रादेशों तक नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक	नाम	यूनिट	दिनाँक
मर्वश्र	ì		
1 जी०	श्रार्० जी० चौधरी	ि भंडार यूनिट (डी०पी०एम०) एन० एफ० मी०, हैदराबाद	26-2-79 पूर्वाह्न
2. श्रार.०	एम० मोडकर	भंडार यूनिट, (ष्टी०पी०एस०) एन० एफ० सी०, हैद ^र ाबाद	5-2-79 पूर्वाह्न
3 एच०	जी० दुग्रा	भडार यूनिट, (डी०पी० एम०) एन० एफ० मी०, हैदराबाद	31-1-79 पूर्वाह्म
4. के० सी	তি চ্মত বিল্পী	भंडार यूनिट (डी०पी०एस०) ए० एम० डी०, राजनत्दगाव	28-2-79 पूर्वाह्न
5. कें०टी	० कुम≀र	भंडार यूनिट, (डी०पी० एस०) वी० डै० मी०, कलकता	13-2-79 अपराह्न
त वी०ए∂	४० ष्टड न≀नी	भंडार यूनिट, (डी० पी० एम०) ऋार०ण०पी०पी०, कोटा	29- 1-79 पूर्वाञ्च
7. बी०ल।	झ्मणराव	भंडार यूनिट, (डी०पी०ण्य०) एच० डब्लू० पी०, तलक	6-2-79 अपराह्म गरु
8. मी०एः	ब० बालगोपालन	भंडार यू निट, (डी०पी०एम०) एन०ए० पी०पी० नरौरा ।	23-2-79 पूर्वाह्न

के० पी० जोसफ प्रणासन ग्राधिकारी

दिनास 16 मार्च 1979

मार्ग्डार्न्पार प्रारं (१) / 7-पम्थापन / 8360-- निदेणक का एव भण्डार प्रमाणु एकी विभाग, श्री टींर्जार गिडवानी, ति कि भण्डारी ति ति ति प्रमाण प्रारं को प्रमाणिक मिडिंगालय में सहायक भण्डार अधिकारी के पद प्रकर 650-30-740-35-810-दर्गार-35-880-40-1000-दर्गार-40-1200 नदर्श रूप में 1-11-1978 में 29-1-1979 (पूर्वाह्म) नक तदर्श रूप में नियुक्त करने हैं।

दिनार 17 मार्च 1979

स० डी० पी० ए.स० 23(2)/77-संस्थापन/8388---निदेशक क्रय एव भण्डार, परमाणु ऊर्जा विभाग निम्नलिखित भण्डारियों को सहायक भण्डार अधिकारी के पद पर २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० गे०-40-1200 इस निदेशालय में नियुक्त करते हैं ---

1 श्री आरु एन भौडकर 29-11-78 में 30-12-78 2 श्री एन जी नाडकर्णी 13-12-78 में 25-1-79 ।

दिनाक 20 मार्च 1979

मं० डी०पी०एम०/23/(2)/77-संस्थापन/8446—निदे-णक, ऋप एवं भंडार पर्माणु ऊर्जा विभाग. श्री बी० बी० प्रभु महायक भंडार, श्रधिकारी केन्द्रीय भंडार यूनिट, को श्रवकाण स्वीकृति होने के कारण इस निदेशालय के श्रस्थायी भंडारी श्री बी० जे० देशपाण्डे, को स्थानापन्न रूप में महायक भडार श्रिधकारी के पद पर हपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन ऋम में दिनाक 27 श्रप्रैल, 1978 पूर्वाह्म में 31 मई, 1978 श्रपराह्म तक नदर्थ रूप में इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

> बी० जी० कुलकर्णी महायक कार्मिक ग्रिधिकारी

राजम्थान परमाणु विद्युत परियोजना कोटा, दिनाक 22 मार्च, 1979

म० राप० विप०/भर्ती/(बी)/77/म्थल/628--राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के एक स्थायी वैयिक्तक सहायक और राजम्थान परमाणु विद्युत परियोजना में तदर्थ प्राधार पर म्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रिष्ठकारी श्री एम० अरिवन्दाक्षन को इसी परियोजना में ही फरवरी, 1, 1979 के पूर्वाह्म में लेकर ग्रागामी ग्रादेण जारी होने तक के नियं श्रम्थायी रूप से सहायक प्रणामन ग्रिष्ठकारी के ग्रेड (650-960) पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करने हैं। श्री ग्रारविन्दाक्षन ने दिनाक 21-12-78 से 31-1-79 तक नदर्थ ग्राधार पर सहायक कार्मिक ग्रिष्ठकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य किया है।

गोपाल मिह, प्रशासन प्रधिकारी (स्थापना) वास्ते मुख्य पित्योजना इंजीनियर

कोटा, दिनाक 20 मार्च, 1979

> गोपाल सिंह, प्रशासन अधिकारी (स्था०)

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1979

स०ए० 22012/1/78-ई० एस०—-राष्ट्रपति, ने सर्वश्री एस० रंजन श्रीर चमन लाल को दिनाक 14-2-1979 से तीन माह के लिए अथवा पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर उप निदेशक/नियन्त्रक वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में नियुक्त किया है।

मुरजीत लाल खंडपुर, सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमान

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1979

मं० ए० 3 2 0 1 3/9/7 8-ई०सी० — राष्ट्रपति ने निम्निलिखित महायक तकनीकी श्रिधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों में छः माह की श्रवधि के लिये अथवा जब नक रिक्तियां उपलब्ध है, जो भी पहले हो, तकनीकी श्रिधिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर नैनात किया है :—

%त्म० नामवपदनाम सं०	नैनाती स्टेशन	स्टेशन जहां तैनात किया गया	कार्यभार संभालने की तारीख
मर्व श्री : 1. टी० ग्रार० गास्त्री,	वै० संचार स्टेशन, बस्बई	वै ० संचार _ु स्टेशन, बस्बई	22-1-79 (पूर्वाह्न)
तकनीक श्रधिकारी 2. ए० शनमुगम,	वै० संचार स्टेशन, मद्रास	वै० संचार स्टेशन, मद्रास	31-1-79 (पूर्वाह्र)
तकनीकी ग्रधिकारी 3. के०एन०एस०मणि तकनीकी ग्रधिकारी	बै० संचार स्टेशन, मद्रास	वै० संचार स्टेशन, मद्रास	31-1-79 (पूर्वाह्म)
तकताका श्राधकारा 4. एम० श्रहलदास, तकतोकी श्रधिकारी	बै० संचार स्टेशन, मद्रास	वै० संचार स्टेशन, मद्रास	22-1-79 (पूर्वाह्न)
तकनाका आविष्यार 5. बी० एस० मित्रा, तकनीकी ग्रधिकारी	रेडियो निर्माण ऐवं विकास एकक, नई दिल्ली ।	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक नई दिल्ली	31-1-79 (पूर्वाह्म)

दिनांक 26 मार्च 1979

सं० 38015/32/77-ईमो०--म्ल नियम 56 (के) के उपबन्धों के अधीन सरकारी मेबा मे निवृत्त होने पर श्री पी० एल० युहरना, सहायक मंचार अधिकारी, महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय), ने दिनांक 28-2-79 को अपने पद का कार्यभार न्याग दिया है।

मत्यदेव शर्मा, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनाक 16 मार्च 1979

सं० ए० 32013/8/78ई I—राष्ट्रपति, ने श्री एच० एस० गुलाटी, उप निदेशक विमान परियहन को दिनाक 2-3-79 (पूर्वाह्म) में छ महिकी अविधिके लिये प्रथवा पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर निदेशक. विमान मार्ग एवं विमान केस (परिचान) के पद पर नियुक्त किया है।

> वी० वी० जौहरी महायक निदेशक, प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद एव सीमा णुल्क समाहर्तालय बडौदा, दिनांक 19 मार्च 1979

सं० 2/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सूरत के सहायक समाहर्ता के श्रन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'ख' के श्रधीक्षक श्री एम० एम० दवे युद्धावस्था पेंशन की श्राय प्राप्त होने पर दिनाक 28-2-79 के श्रपराह्य से निवृत्त हो गये है।

सं० 3/79—केन्द्रीय उत्पादन गुल्क श्रहमदाबाद-II के सहायक समाहर्ता के श्रन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क के वर्ग कि के महायक श्रधीक्षक श्री री० बी० गाएं वृद्धावस्था पेंशन की श्राय् होने होने पर दिनांक 28-2-79 के श्रपराह्म से निवृत हो गये हैं।

सं ० 4/79-केन्द्रीय उत्पावन श्लूक श्रहमदाबाद-I के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शल्क के वर्ग 'ख' श्रधीक्षक श्री के० वी० गुरज्जर, वृद्धावस्था पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 28-2-79 के अपराह्न से निवस हो गये हैं।

सं० 5/79---सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शृल्क भ्रहमदाबाद-I के कार्यालय के वर्ग 'ख' प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुलक श्री भार० एफ० पटेल, को दिनांक 28-2-79 से स्वैच्छिक भ्राधार पर सेवा निवृत्त होने की भ्रनुमति दी जाती है क्योंकि उन्होंने 20 वर्षों से अधिक की श्रहंक सेवा पूरी कर ली है।

दिनांक 21 मार्च 1979

1/79—केन्द्रीय उत्पादन गुल्क नियमावली, 1954 के नियम 232-ए के ग्रन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, नियम 232-ए, के उप नियम (2) में बताये धनुसार निम्नलिखित सालिका में उन व्यक्तियों के नाम पते तथा उनसे सम्बन्धित ग्रन्य विवरण प्रकाशित कर रहा हूं जिन्हें भ्रधिनियम की धारा-9 के श्रन्तर्गत न्यायालय द्वारा सजा दी गई है :---

तालिका

1. (क) नाम भौर पता

श्री प्रमोदभाई छगनभाई 29, किर्ती मंज सोसायटी, कारेली, बड़ौदा ।

(ख) श्रधिनियम भ्रथवा नियमों के वे उपबन्ध जिनका उल्लंघन किया गया है।

तम्बाक्के 43 बोरे को गैरकानुनी रूप से हटाने श्रौर वैध परिमट के बिना तम्बाक् का परिवहन करने तथा तम्बाक के 106 बोरे की गैरकानुनी रसीद के लिये केन्द्रीय उत्पादन गुरुक नियमावली, 1944 के नियम 32, 151, 226 1

(ग) किये गये जुर्माने की राणि

जे० एम० एफ० सी० बड़ौदा। (बीबी) के 9 तथा 9 ग्रभाव में तीन श्री बाब्भाई शनाभाई पटेल जिला खेडा के

द्वारा दि॰ 18-8-78 को धारा श्रन्तर्गत किया गया 1500 रु० का जुर्माना, जिसके ग्रभाव में तीन महीने की साधारण कैंद, (बीबीबी) के श्रन्तर्गत 1500 रू० का जुर्माना जिसके महीने की साधारणकैद। घनश्याम टोबेको बोरसद, मालिक एल० 2 सं०4/73 बोरसद ।

(ख) श्रिधिनियम अथवा नियमों शल्क दिये बिना की तम्बाक् के वे उपबंध जिनका उल्लं- के 151 बोरों को वैध पर-मिट के बिना परिवहन के घन किया गया है।

लिये के उ० शु० नियमावली के नियम 32 (2)।

(ग) किये गये जुमनि की राणि

जे० एम० एफ० सी० बोरसद द्वारा दि॰ 14-9-78 को, केन्द्रीय उत्पादन शल्क तथा नमक श्रधिनियम, 1944 की धारा 9 (बीबी) के भ्रन्तर्गत किया गया 200/- रु० का जर्माना जिसके प्रभाव में, 20 दिनों की कड़ी कैंद।

कु० श्री० दिलिप सिंह जी, समाहर्ता

नई विल्ली, दिनांक 23 विसम्बर 1978

सं० 30/1978-श्री राकेश कुमार, रसायन सहायक ग्रेड-1 केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली-को 12-12-78 (पूर्वाह्न) से श्रागामी ब्रादेशों के जारी होने तक नवीन सीमा शुल्क गह प्रयोगशाला, बम्बई में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है।

> विलबाग राय गुप्ता, मुख्य रसायनज्ञ, केम्द्रीय राजस्व नर्ष दिल्ली॰ नियुक्ति प्रधिकारी

उत्तर रेलवे प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1979

सं० 3-अंडियन रेल सेवा श्राफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग के निम्नलिखित प्रधिकारी उनके सामने दी गई तिथियों से रेल सेवा से श्रन्तिम रूप से निवृत्त हो गये हैं:---

1. श्री एम० एल० प्रभाकर 31-5-78 भ्रपराह्म 2. श्री जी० एल० चतुर्वेदी 30-6-78 अपराह्म 3. श्री जी० एस० सोखी 31-10-77 श्रपराह्म 4. श्री कैलाश नाथ 31-12-78 भपराह्न 5. श्रीवी० डी० शर्मा 31-12-74 श्रपराह्म राजिन्दर 19-12-67 श्रपराहा 7. श्रीजी० एल० गुलाटी 6-10-67 श्रपराह्म

> श्रार० श्रीनिवासन महाप्रबन्धक

दक्षिण मध्य रेलवे रेल नियम, कार्मिक शाखा सकन्वराबाद, दिनांक 17 मार्च 1979

सं० पी० 185/जीए जेड/एका उन्ट्स—इस रेलवे के लेखा विभाग में स्थानापन्न पर रहेश्रेणी-11 के ग्रधिकारियों को उसी

2 (क) नामग्रौरपता :

विभाग में उनके सामने बताई गई तारीख से श्रेणी- II सेवा में स्यार्ध किया जाता है:—

नाम	स्थाई करने की तारीख
1. श्री एम० बी० मेराणी	8-7-1976
2. श्री के० रमण्णा	15-6-1977
 श्री टी० एम० सेतुमाधवराव 	10-4-1978
 श्री पी० अजरय्या सैंम्श्रल 	1-7-1978

टी० एम० तोमस महाप्रबन्धक

सवारी डिब्बा कारखाना

मद्वास-600 038, दिनांक 20 मार्च 1979

सं०पी० बी०/जीजी/9/विविध/II—11-9-78 को स० डि० का० के प्र०प्र० मा० सं० से स्थानान्तरित होकर संयुक्त निर्देशक, निरीक्षण (बिजली) श्री के० एम० मांबम्ति ने इस प्रशासन में प्रपर मुख्य बिजली इंजीनियर (विरिष्ट प्रशासनिक लेवल II) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

- 2. 18-9-78 को रेलवे बोर्ड से स्थानान्तरित होकर श्री सी० ए० कृष्णमृति, संयुक्त निदेशक रेलवे भंडार (खरीद) ने इस प्रशासन में भर्ती रिपोर्ट प्रस्तुत की ग्रौर उन्हें स्थानापन्न उप भंडार नियन्द्रक (कनिण्ट प्रशासनिक) के रूप में तैनात किया गया।
- 3. 12-10-78 को श्री एन० राजगोपाल ने इस प्रशासन में भर्ती रिपोर्ट प्रस्तुत की श्रीर उन्हें उपविक्त मलाहकार श्रीर मुख्य लेखा श्रीधकारी/पद्धति विकास ग्रुप (क० प्र०) के रूप में तैनात किया गया।
- 4. श्री सी० सुरेन्द्रन, स्थानापन्न जिला भंडार नियंत्रक/शिल (व०वे०) को 18-10-78 से श्रेणी-II सेवा पर पदावनत किया गया।
- 5. श्री के० के० वर्गीस, शाप ग्रधीक्षक, (श्रेणी-III) को 4-11-78 के श्रपराह्म से स्थानापन्न सहायक उत्पादन इंजीनियर योजना/फर्निसिंग (श्रेणी-II) के रूप में पटोन्नत किया गया।
- 6. श्री एस० श्रीनिवासन, स्थानापन्न मंडल इंजीनियर (कैरिज व वर्कस) ने पूर्व रेलवे से स्थानान्तरित होकर इस प्रशासन में भर्ती रिपोर्ट प्रस्तुत की धौर उन्हें 30-1178 से स्थानापन्न उत्पादन इंजीनियर/योजना/शेल (व० वे०) के रूप में तैनात किया गया।
- 7. 22-11-78 के ग्रापराह्न को श्री मुहम्मद खाजा मोहिदीन, स्थानापन्न सहायक गांत्रिक इंजीनियर/डी० पी०डी० (श्रेणी- Π) को जांबिया को 'सेकण्डमेंट' के लिए भारावमुक्त किया गया ।

- 8. मध्य रेलवे से स्थानान्तरित होकर श्री ग्रार० रंगराजन स्थानापन्न कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड ग्रिधकारी ने मवारी डिब्बा कारखाने में भर्ती रिपोर्ट प्रस्तृत की ग्रीर उन्हें 29-11-78 से उप मुख्य कार्मिक ग्रिधकारी (क० प्र०) के रूप में तैनात किया गया।
- 9. सर्वश्री एच० सी० डी० ऋज, स्थानापन्न उत्पादन इंजी-नियर/योजना/फर्निशिंग और पी० आर० नारायणन, स्थानापन्न वरिष्ठ यांक्षिक इंजीनियर/डी० पी०डी० 30-11-78 के श्रपराह्म को श्रंतिम रूप से सेवा निवृत हुए ।
- 10. श्री एस० राधाकृष्णन, सहायक कर्मशाला प्रबन्धक/ श्रसेंबली/फर्निशिग (श्रेणी II) को 6-12-78 से वरिष्ठ वेतनमान में पन्दोन्नत करके स्थानापन्न उत्पादन इंजीनियरी/ योजना/फर्निशिग (य० वे०) के रूप में तैनात किया गया।
- 11. श्री के॰ मुक्रमणियन, स्थानापन्न वरिष्ठ बिजली इंजीनियर/टी॰ एम॰ श्राई॰/चित्तरंजन कारखाना ने 22-12-78 को इस प्रशासन में भर्ती रिपोर्ट प्रस्तुत की श्रीर उन्हें स्थानापन्न वरिष्ट बिजली इंजीनियर/पद्धति विकास ग्रुप (व॰ वै॰) के रूप में तैनात किया गया।

श्चार० रंगराजन उप मुख्य कार्मिक ग्रक्षिकारी **कृते** महाप्रबन्धक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर मैसर्स श्री वासुकी पोट्री वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 मार्च 1979

सं० 560/2267—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुमरण में एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स श्री वासुकी पोट्री वर्कस प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कंपनी विघटित हो गई है।

जे० गो० गाथा प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री रंगम्माल सहाय निधि लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) के विषय में

मद्रास, दिनांक 23 मार्च 1979

सं० 5049/को० लिक्बिं०/445/70—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 के अनुसरण में एतदक्षारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यशही संख्या 30/1970 में उच्च न्यायालय, मद्राम, की फाइल पर दिये गये दिनांक 10-7-1970 के श्रादेश द्वारा कम्पनी श्री रंगम्माल, सहाय निधि लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

ह० अपठनीय कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाडू कम्पनी श्रधिनियम 1956 ग्रौर श्रलाई अपारेल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 26 मार्च 1979

सं० 24432/560(3) कम्पनी स्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदहारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अनार्ड प्रपारेल प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विशित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा धीर उक्त कम्पनी विघटित कर वी जाएगी।

एन० भ्रार० सरकार कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल श्रायकर श्रपील श्रधिकरण

बम्बई-400 020, विनांक 20 मार्च 1979

सं०एफ० 48-एडी (एटी) / 78-भाग-II—श्री म्नार० के० चक्रवर्ती, स्थायी सहायक (विधि) वि क्षे न्याय भीर कम्पनी कार्य मंत्रालय, को श्रस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर श्राय-कर श्रपील भ्रधिकरण, जबलपुर न्यायपीट, जबलपुर में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०- 40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 7-3-79 (पूर्वाह्र) से भ्रगला भ्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे दिनांक 7-3-1979 (पूर्वाह्न) से दो वर्षी तक परि-वीक्षाधीन रहेंगे ।

> पी० डी० मायुर श्रध्यक्ष ग्रायकर ग्रापील ग्राधिकरण

प्रकप धाई • टी • एन • एस •----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2.69-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, विल्ली-1 4/14क आसफ अली मार्ग, नई विल्ली । नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एलयु०/1/एस० आर०-III/ जुलाई-II (37)/564/78-79—अतः मुझे, ग्रंजनी ग्रोजा बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिनत बाजार मूल्य 25,000/- ४० से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बी०-22 है तथा जो कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1008 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 27 जुलाई, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रातेशत से अधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तिरती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तियक उप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के भ्रधीम कर वेंने के भ्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अधने में शुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिनियम धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरश में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269व की उपधारा (1) के निस्मसिखित व्यक्तियों श्रवीत 1⊷

- श्रीमती राज रानी चोपड़ा,
 विधवा श्री सी० एल० चोपड़ा
- (2) श्री अप्रशोक घोपड़ा, (3) श्री राम चोपड़ा तथा (4) श्री कृष्ण चोपड़ा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री सी० एल० चोपड़ा,

निवासी 10/55, दरियागंज, दिल्ली।

(5) श्रीमती नलीनी कपूर, 10/55, दिखागंज, तथा (6)श्रीमती ज्योति भरारा, पत्नी श्री हरीश भरारा, 424, कशाकम स्ट्रीट, वालवर हैम्पटन, लन्दन (द्वारा श्रीमती ग्रार० ग्रार० चोपड़ा)।

(भ्रन्तरक)

 श्री मास्टर विवेक सहगल (नाबालिंग) तथा मास्टर गौतम सहगल (नाबालिंग), सुपुत्र श्री (डा०) श्रर्जुन देव सहगल, निवासी बी० 29, कैलांग फालौनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः →→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की भवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन न्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रमं होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं बी-22 है श्रीर क्षेत्रफल 403-7 वर्ग गज है, निवासी कालौनी कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० बी०-21।

पश्चिम : प्लाट नं० बी०-22 ए।

उस्तर : रोड

दक्षिण : प्लाट नं० बी०-20 ए० ।

ग्रेंजनी ग्रोजा, सक्षम आधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, दिल्ली, मई दिल्ली-1

तारीख : 30-3-1979।

मोहर

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, विनांक 29 मार्चे, 1979

निर्वेश सं० ए० आर०-1/4015-10/सितम्गर, 78— अतः मुझे श्री बी० एस० शेषाद्री भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 क्पए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जी० एस० नं० 998 बी० है तथा जो ए० बी० रोड, घरलीडिवी० में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्धश्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्क्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30 सितम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से प्रष्टिक है और यह कि मन्तरक (मन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रून से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रीक्षित्यम के श्रीका कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम या भ्रन-कर मिसिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिवित्यम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त भिवित्यम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित स्थक्तियों, भवितः—

- 1. (1) सुमती बाइ मक्ती राव धन वटे
 - (2) श्री जीवनलता जयंत धनवटे,

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) मेहता कारपेट शो रूम,
 - (2) ग्रौर-यो प्रा० लिमिटेड,
 - (3) मोटर इण्डस्ट्रीज कं० लि०,
 - (4) जे०एल० मोरीसन सन श्रौर जोन्स इण्डिया लि०
 - (5) टैक्सटाइल कमिटी
 - (6) ब्राडमा श्राफ इण्डिया लि॰

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा जो उस भ्रष्ट्याम में विया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1988173/बम्बई उप-रजिस्ट्रार ग्रधिकारी द्वारा विनांक 30-9-1978 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> बी० एस० घोषात्री सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज,-I, बम्बई ।

तारीख: 29-3-1979।

प्ररूप ग्राई०टी० एन० एस०--ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के भ्राधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 26 मार्च 1979

निर्देश सं० ए०-214/गी०/78-79—अतः मुझे, राजेन्द्र नाथ बरा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है।

भ्रौर जिसकी सं० दाग सं० 27, के० पी० पट्टा सं० 75 है तथा जो न्यू टौउन उल्लुबारी, कामरूप जिला गौहाटी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में फ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 21 जुलाई, 1978 के उचित बाजार मूल्य से कम के को पूर्वोक्त सम्पत्ति दुश्यमान के लिए भन्तरित की प्रतिफल विश्वास करने का कारण यह यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर भन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रंभीन कर देने से ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धनकर भिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

धतः श्रव, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उनत श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीम निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रवीत्:— श्री ग्रनील कुमार बरूआ, (2) श्री सुनील कुमार बरुमा, चिड़ियाखाना मार्ग, गौहाटी ।

(ग्रन्तरक)

 श्री कैलाश तेवारी, स्व० बाबु नन्दा तेवारी, लखटो किया, गौहाटी का पुत्र ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 2 (दो) कट्टा 15 (पन्द्रह) लसा जो न्यू टाउन उल्लूबारी, कामरूप जिला गौहाटी (श्रासम) में स्थित है।

> राजेन्द्र नाथ बरा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, शिलांग।

तारीख: 26-3-1979

प्रकृष धाई • टी • एन • एस ०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

घारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 27 मार्च 1979

सं० ए०-213/गन०/78-79—प्रतः मुझे राजेन्द्र नाथ बरा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें

भायकर माधानयम, 1961 (1961 का 43) (ाजस इसम इसके पश्चात् 'उक्त भाधानियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भाधान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द के भाधिक है

ग्रीर जिसकी सं० के० पी० पी० मं० 646 टाग सं० 1583 है, तथा जो गौहाटी मौजा नगर, क्षत्रीबारी गौहाटी, ग्रमम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27 जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रम्तरक (अन्तरकों) भीर प्रम्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त धर्षिनियम' के समीन कर देने के सन्तरक के दायिका में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (च) ऐसी किसी नाथ या किसी धन या प्रान्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, धा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

श्रदा भव, उपत श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-च की उप-ग्रारा (1) के श्रिष्ठीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती भवानी प्रिय दास, श्री रामेश्वर दास, शान्तीपुर गौहाटी की परनी ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती लिला रानी चक्रवती, श्री कमलेन्द्र चक्रवर्ती, श्रतीवारी, गौहाटी की पत्नी।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भ्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी प्रान्य स्थापत द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्योक्तरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस घड़याय में दिया गया है।

अनुषुषी

जमीन का माप 2(दो) कठ्ठा जो क्षत्नीबारी गोशाला के नजदीक खर्गा चौधरी लेन, गौहाटी कामरूप जिला (ग्रसम) में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, शिलाग।

तारीख: 21-3-1979

मोहरः

प्ररूप आई०टी॰ ध्न• एस•----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 3 मार्च, 1979

सं० भ्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1234---भ्रतः मुझे बी० एल० राव,

मायसर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सम्म प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- क्यंथे से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट व मकान है, तथा जो छिन्दवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, छिन्दबाड़ी में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1008 का 16) के ग्रधीन, 4 जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के बृग्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृग्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से प्रसिक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कांबित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्षियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितियम या धन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्षिष्ठा के लिए;

भ्रतः ग्रन, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269क्ष के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269क्ष की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अ्यक्तियों, ग्रवीत्।--- श्री अरुण कुमार पुत्र श्री भगवान दास सोनी, इतवारा, नागपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री कुंज बिहारी साल दुबे पुत्र श्री राम रतन लाल दुबे, विदिशा। (श्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि,
 जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के
 भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
 दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितवड किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टगाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टगाय में दिशा गया है।

अनुसूची

अजूल प्लाट नं० 17/4 ब्लाक नं० 1 का भाग माप 22000 वर्ग फुट साथ एक मंजिला मकान नं० 347, वार्ड नं० 8, छिन्दवाङ्गा।

> बी० एल० राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज भोपाल।

तारीख: 3-3-1979

प्रकप धाई• टी॰ एन• एस•---

कायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घयक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मार्च, 1979

मं० श्राई०ए०सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1235—श्रातः मुझे बी० एल० राव

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), भी पारा 262-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित पाजार मूल्य 25,000/- द∙ से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 45ए० है, तथा जो इस्रदौर में स्थित है (स्रौर इसमे उपावत प्रनुसूची मे स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रिजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 27 जुलाई, 1978 को

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और भन्तरक (प्रन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित सहें गय से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिबल रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अल्लरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुक्किय के लिए; और/या
- (का) ऐसी कियी भाग या किसी भन वा मन्य भारितयों तो, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या जनत भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सविधा के सिए;

धतः, मध उक्त मिक्रिनियम की खारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्मिक्षित व्यक्तिमों, अवित्:—- 3—16GI/79.

- 1. (1) श्रीमती शशी कुमारी पत्नि श्री हरभजन लाल,
 - (2) श्रीमती रीता कुमारी पाल श्री रमेण कुमार 117, श्रावण कम्पांजन्द, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

श्री बद्री लाल पुत्र श्री राम नारायण गुप्ता,
 57, जानवरा, कम्पाजवड, इन्दौर ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिश्व :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उनत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्च होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 45 ए० स्थित जावरा कम्पाउन्ड इन्दौर । जिम का क्षेत्रफल 2671 वर्ग फुट है।

> बी० एल० राव, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 3-3-1979

प्ररूप धाई० टी॰ एन ● एस ०-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के भधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रज न रेंज, मोनीपत रोड, रोह्तक रोहतक, दिनांक 2 फरवरी, 1979

मं० के० एन० एन०/13/78-79/—ग्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानियाँ, निरीक्षी महायक भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन भक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रधिक है श्रीर जिमकी सं० कोठी रक्षा 556 वर्ग गज है तथा जो जरनैली कोठी, करनाल मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,

तारीख जुलाई, 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उलित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उलित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से क्षित महीं किया गया है:—-

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बायत उक्त भिक्षितियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविद्या के लिए;

भतः प्रव, उनत अधिनियम की चारा 269-ग के प्रमुसरण में, मै, उक्त ग्रीधिनियम की बारा 269-च की उपवारा(1) के ग्राधीन, निक्नलिबित व्यक्तियों, ग्रायात्:---

- श्री सुरिन्द्र सिंह सन्धुपुत्र श्री चन्चल सिंह सन्धु, विकास,
 निवासी सन्धु हाउस, जरनैली कोठी, करनाल।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरबन्स लाल पुत्र श्री जसवन्त लाल निवासी मदर बाजार, करनाल । (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारी सा से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा घडोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, औ उक्त अधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भधें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मम्पत्ति एक कोठी जिसका रक्या 550 वर्ग गज है भौर जो कि जरनेली कोठी करनाल में स्थित है भौर जैसा कि रजिस्कर्ता करनाल के कार्यालय में रिजिस्ट्री क्रमांक 3005 तिथि 14-7-1978 पर दर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार पठानियाँ सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 2-2-1979।

प्रकप भाई० टी० एन∙ एस∙--

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज, सोनीपत रोड रोहतक रोहतक, दिनांक 2 फरवरी 1979

मं० के० एन० एल०/14/78-79—स्त्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानियाँ, निरीक्षी सहायक । भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु• से मधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट रकबा 555 वर्ग गज है तथा जो जरनैली कोठी, करनाल में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, करनाल मे, रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908, (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जुलाई, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक्त को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्र प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम के भ्रमीन कर देने के भन्तरक के दायित्व म कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या सिया बाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्तः अधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1) अधीन, निरुवितिका व्यक्तियों, सर्वात् ।--- श्री मुरिन्द्र सिंह सन्धु पृत्र श्री चन्चल सिंह सन्धु (वकील) निवासी सन्धु हाउस, जर्नैली कोठी, करनाल ।

(ग्रन्तरक)

 श्री गुलशन कुमार पुत्र श्री गायन मल निवासी मदर बाजार, करनाल ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूवता जारो करके एर्शका गमित के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्यति के अर्थन के संबंध में कोई मी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजाज में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, क्यों भी
 अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ता) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रष्टवाय 20क्त में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भन्न्याय में दिया गया है।

ग्रनुमूची

मन्पिस प्लाट रिकबा 555 वर्ग गज जोिक जरनेली कोठी करनाल में स्थित है श्रीर जो कि रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के रजिस्ट्री क्रमाक 3007 तिथि 14-7-1978 पर दर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार पठानियां सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, रोहतक ।

तारीख: 2 फरवरी 1978

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०--

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, रोह्तक

रोहतक, दिनांक 26 मार्च, 1979

सं० पी०डब्ल्यू०एस०∫1/78-79—श्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो पलवल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पलवल में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तर श्रीता से प्रविक्त है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वा में वास्तविक स्वा से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्षितियम के भिक्षीत कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों. को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीविनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनयम या घन-कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

धत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ना के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री शिवनाथ राय माहना मारफत श्री राजेश माहना सी०-343, डी० डी० ए०, फलैंटम मालवीया नगर, इक्स्टेनशन, नई दिल्ली।

(ध्रन्तरक)

 श्री गिरधारी लाल पुत्र श्री खियाली राम निवासी पलवल, जिला गुड़गांव ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मैं प्रकाशन की तारीख सै
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी भ्रन्य स्थक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रषं होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रमुसूची

एक मकान जो पलवल में स्थित है ग्रीर जैसे कि रजिस्ट्रोगन नं० 1997 में दिया गया है जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पलवल के कार्यालय में 27-7-1978 को लिखी गई।

> श्चार० के० पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 26-3-1979।

प्रकृप ग्राई० टी॰ एन॰ एन॰----

भावकर विवित्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ध(1) के धधीन सूजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 15 मार्च, 1979

मं० पी०टी०ए०/119/78-79---ग्रतः मुझे, नत्थू राम भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पये से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी मं ० भूमि जिमका क्षेत्रफल 36 कनाल 19 मरले हैं तथा जो गाव घलोड़ी तहमील पिटयाला में स्थित है (ग्रीर इससे उग्रबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्ष्य में विणत) है, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पिटयाला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पनाह प्रतिभात ग्रिधक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिल्ला में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भीधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दाजित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर पिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त पश्चितियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त पश्चितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्री भागविम्बर सिंह पुल कैंग्टन चेत सिंह वासी कोडी लाल बाग, परियाला ।

(अन्तरक)

 श्री गुरदेव मिह गरेवाल पुत्र श्री गुरदियाल सिंह वासी : 23-बी०, माइल टाउन, पटियाला ।

(ग्रन्तिरती)

- 3. (1) श्री भज्जा सिंह पुत्र श्री हरिदत सिंह
 - (2) श्री हरबन्म सिंह पुत्र श्री भज्जा सिंह
 - (3) श्री गुरबन्धा सिंह पुत्र श्री भज्जा सिंह
 - (4) श्री सुखबन्त सिंह पुत्र श्री भज्जा सिंह
 - (5) श्री चितवन्त मिह पुत्र श्री भन्जा मिह
 - (6) श्री हरिन्दरपान मिह व
 - (7) श्री जितन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह मार्ग वासी गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के ान जिल्लात में किए जा सकेंगे।

क्ष्यक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत भिधिनयम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्टें होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 36 कनाल 19 मरले है भौर जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रिजस्ट्रीकर्ना स्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3063 सितम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> नत्य् राम, मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-3-1979।

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •---

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269थ (1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यातव, सहायक भायकर धा**युक्त (निरीक्षण)**

ग्रर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निवेश मं० पी टी ए/102/78-79—-ग्रतः मुझे, नत्थू राम, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 ता 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दे संश्रीक है

श्रौर जिमकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 12 मरले हैं तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पिटयाला में स्थित हैं) श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पिटयाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख अगस्त, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में इक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबन उक्स धर्धिनियम, के भ्रष्टीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर√या
- (ख) ऐंसी किसो भाग या कियो धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भागकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुक्तिया के लिए;

भत । भव, उन्त भिवित्यम को धारा 269 ग के भनुसरण में, में, उन्त भिवित्यम की भारा 269 व की उपवारा (1) के भवीन, निक्तिवित व्यक्तियों, भवीत्। --

- श्रीमती कैलाण देवी पुत्री महाराजा भूपिन्दर सिंह द्वारा जनरल ग्रटारनी श्रीमती दलीप कौर विधवा महाराजा भूपिन्दर सिंह, कोठी लाल बाग, पटियाला। (अग्तरिती)
- 2. श्रीमती राजिन्दर कौर पुत्री गोपाल सिंह वासी 23-बी, भाडल टाऊन, पटियाला। (अन्तरिती)
- 3. (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र श्री हरिदत्त सिंह,
 - (2) श्री हरबन्म मिंह पुत्र श्री गज्जा मिंह,
 - (3) श्री गुरबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह
 - (4) श्री मुखाबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (5) श्री चितबन्त सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (6) श्री हरिन्द्रपाल सिंह व
 - (7) श्री जितिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह । सारे वासी गांव लोड़ी, तहसील पटियाला । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त भिधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रयं होगा, जो उस पदमाय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 12 मरले है भीर गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2609, प्रगस्त, 1978 में धर्ज है)।

नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15 मार्च, 1979

बक्प धाई• टी• एन• एस•-

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० पी टी ए/103/78-79—ग्रतः मुझे, नत्थू राम, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मून्य, 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कताल 18 मरले है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत, तारीख श्रगस्त, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नाइ प्रतिशत अधिक है भौर मन्तरक (भन्तरकों) धौर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गवा प्रतिफल, निम्तिचित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कचित नहीं किया गया है: ---

- (क) सन्तरण से हुई किसी साव की बाबत उक्त बधि-नयम के मधीन कर वेगे के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धवने में सुविधा के लिये; धीर/या
- (ख) ऐडी किसी आय या किसी धन या भग्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिबे;

अतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अन्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :----

- 1. श्री भागबिन्दर सिंह पुत्र श्री वित सिंह वासी कोठी लाल गाग, पटियाना। (ग्रन्तरक)
- कैंग्टन भजन सिंह पुत्र जीवन सिंह व श्रीमती बलदेव कौर पुत्री भोला सिंह वागी 72-डी, माडल टाऊन, पटियाला। (ग्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र श्री ह्रदित सिंह,
- (2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
- (3) श्री गुरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
- (4) श्री मुखबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
- (5) श्री चितबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह
- (6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व
- (7) श्री जितन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह सारे वासी गांव द्यलोड़ी, तहसील पटियाला । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्यत्ति के धर्नेन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी भविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा सकेंगे।

स्थव्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 केनाल 18 मरले है श्रौर जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2610, ग्रगस्त, 1978 में दर्ज है)

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15 मार्च, 1979

प्ररूप ग्राई० टी• एन० एस०--

आयकर प्रचितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० पी टी ए/104/78-79—म्प्रतः मुझे, नत्थू राम, आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्या से अधिक है

25,000/- धरए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल 3 मरले है
तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे
उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता
ग्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख श्रगस्त, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वति बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है
बीर धन्तरक (प्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (प्रन्तरितयों) के
बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्श्य से उक्त प्रन्तरग लिखिन में वास्तिक स्वप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या घम्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

जत: प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ण की स्पद्धारा (1) के अधीन निम्निसित स्पन्तियों, प्रश्नीत्:---

- शीमती कैलाण देवी पुत्ती महाराजा भूपिन्दर मिह द्वारा जनरल ग्रटारनी श्रीमती क्लीप कौर विधवा महाराजा भूपिन्दर गिंह वासी कोठी लाल बाग, पटियाला । (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती रिजित्दर कौर पुत्ती गोपाल सिह पुत्र श्री गुरमुख सिह वासी 23-बी, माडल टाऊन, पटियाला। (अन्तरिती)
- 3. (1) श्री गञ्जा सिंह पुत्र श्री हरदित सिंह,
 - (2) श्री हरबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (3) श्री गुरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (4) मुखबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (5) श्री चितबन्त सिंह पुस्न श्री गघ्जा सिंह,
 - (6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व
 - (7) श्री जितन्दरपाल सिंह पुक्ष श्री सुच्चा सिंह, सारे वासी गाव घलोड़ी, तहसील पटियाला । (वह् व्यक्ति, जिसके बारे में

श्रधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्संबधी ध्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की धविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रम्य भ्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताकरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रश्नित्यम के प्रध्याय 20क में परिभावित है, वहीं प्रथे होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल 3 मरले है ख्रौर जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2683, ग्रगस्त, 1978 में दर्ज है)

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, सुधियाना ।

तारीखाः 15 मार्च 1979

मोहरः

श्रम्प भाई० टी० एन० एस∙——

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिसांक 15 मार्च 1979

निदेश मं० पीटी ए/105/78-79— ग्रनः मुझे, नत्थू राम, आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं अभूमि जिसका क्षेत्रफल 38 क्नाल 6 मरले हैं तथा जो गाव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के वार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथारू चेंक्त सपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिछ-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठनियम, या धन-कर भिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त भ्राधिनियम की धारा 269ण के अनु सरण में, में, उक्त भ्राधिनियम की धारा 269ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, भ्राणीत्।—— 4 —16GI/79

- श्रीमती कृष्णा देवी पुत्री श्री ग्राम्क एनक सिंह बारा जनरन ग्रटारती, श्री भागबिन्दर सिंह पुत्र कैप्टन चेत सिंह वासी कोठी नानबाग, पटियाला। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री गुरदेव सिंह गरेवाल पुत्र श्री गुरदियाल सिंह वासी 23-बी, माडल टाऊन, पटियाला । (भ्रन्तरिती)

3. (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र श्री हरदित्त सिंह,

(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,

(3) श्री ग्रबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,

(4) श्री मुखबन्म मिह पुत्र श्री गण्जा सिंह,

(5) श्री चितबन्त सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,

(6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व

(7) श्री जितन्दरपाल मिह पुत्र श्री सुचा सिह सारे वासी गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उनत सपत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की प्रविध या तस्मबंधी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त श्रिप्तियम के ग्रहणय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रगं होगा, जो उस अहसाय में दिया गया है।

अनु सुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल 6 मरले है ग्रौर जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2714, श्रगस्त, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम, मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15 मार्च, 1979

में सम्पत्ति है)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्क)

भ्रर्जन रेंज, लिधयाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश स० पी टी ए/107/78-79—-ग्रतः मुझे, नत्यू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-इ• से प्रधिक है

श्रौर जिसकी स० भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 19 मरले है तथा जो गाव घलोडी, नहसील पिटयाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकार के कार्यालय, पिटयाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का थन्द्रह प्रतिशत से धिषक है और अन्तरक (धन्तरकों) भौर अन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घम्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उन्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीखनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, दिपाने में मुखिशा के लिए;

धतः। धव, उक्स धविनियम की घारा 269ण के धनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269ण की उपधारा (1) के सभीन, निम्निक्षित व्यक्तियों धर्वाष् !---

- शीमती कैलाश देव पुत्री महाराजा भूपिन्दर मिह द्वारा जनरल श्रटारनी श्रीमती दलीप कौर विधवा महाराजा भूपिन्दर मिह, वासी कोठी लाल बाग, पटियाला। (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती रजिन्दर कौर पुत्ती गोपाल मिह पुत्त स्व० श्री गुरमुख मिह वासी 23-बी, माडल टाऊन, पटियाला । (श्रन्तरिती)
- . 3.(1) श्री गज्जा सिंह पुत्र श्री हरदित सिंह,
 - (2) श्री हरबन्म सिंह पुत श्री गज्जा सिंह,
 - (3) श्री गुरबन्स सिंह पुत श्री गण्जा सिंह,
 - (4) श्री मुखबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (5) श्री चितबन्त मिंह पुत्र श्री गरजा मिह,
 - (6) श्री हरिन्दरपाल सिह व
 - (7) श्री जिंतन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह, सारे वासी गाव घलोड़ी, तहसील पिटयाला। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 विन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य अपनित द्वारा श्रेष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

श्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त घषि-नियम के घटयाय 20क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, को उस धट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 19 मरले है श्रीर गांव घलोडी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रजिष्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2737, ग्रगस्त, 1978 में दर्ज है)

नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15 मार्च, 1979

प्ररूप भाई० टी• एन० एस∙----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेण सं पी टी ए/108/78-79—ग्रतः मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० में अधिक है

श्रोर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल 16 मरले है तथा जो गांव घलोडी, तहसील पटियाला में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर ग्रन्तरका (भन्तरका) और प्रन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्शय से उक्त भन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से किथान नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत भ्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी भाष या किसी धन या अन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भाष-कर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या श्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रविनियम की धारा 269-न के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थांत:——

- श्रीमती कृष्णा देवी पुत्री श्री ग्रारं एन एन सिंह द्वारा जनरल श्रटारनी, श्री भागबिन्दर सिंह पुत्र कैंप्टन चेत सिंह वासी कोठी लाल बाग, पटियाला । (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्ज गुरदेव सिंह गरेवाल एण्ड कम्पनी, द्वारा श्री गुरदेव सिंह गरेवाल, हिस्मेदार, 23-बी, माडल टाऊन, पटियाला। (अन्तरिती)
- 33.(1) श्री गज्जा सिंह पुत्र श्री हरदित सिंह,
 - (2) श्री हरबन्म मिह पुत्र श्री गज्जा मिह,
 - (3) श्री गुरबन्म सिंह पृत्न श्री गज्जा सिंह,
 - (4) श्री मुखबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (5) श्री चितबन्त सिह पुत्र श्री गज्जा सिह,
 - (6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व
 - (7) श्री जितन्दरपाल मिह पुत्र श्री सुच्चा मिह, मारे वासी गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सभ्पत्ति के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस न्याना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के धध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही बर्च होगा, जो उस घध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल 16 मरले है और जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैमाकि राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2738, ग्रगस्त, 1978 में दर्ज है)

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 मार्च, 1979

प्रकृप धाईं० टी० एन० एस०--

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० पी टी ए/110/78-79—प्रतः मुझे नत्यू राम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्ण्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूब्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 18 मरले है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1978 को पर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्त सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अष्टि-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या श्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधित्यम, या धनकर भ्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात्:—

- श्री भागबिन्दर सिंह पुत्र श्री चेत सिंह वासी कोठी लाल बाग, पटियाला । (श्रन्तरक)
- श्री गुरदेव सिंह गरेवाल पुत्र गुरदियाल सिंह वासी 23-बी, माङल टाऊन, पटियाला । (अन्तरिती)
- 3.(1) श्री गज्जा सिंह पुत्र श्री हरदित सिंह,
- (2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
- (3) श्री गुरबन्सं सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
- (4) श्री सुखबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
- (5) श्री चितबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
- (6) श्री हरिन्वरपाल सिंह व
- (7) श्री जितन्वरपाल सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह, सारे वासी गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग

में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हिनबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं भ्रथं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 18 मरले है श्रौर जो गांव घलोड़ी तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2776, ग्रगस्त, 1978 में दर्ज है) ।

> नत्यू राम मक्षम प्राधिकारी क ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15 मार्च, 1979

प्ररूप धाई० टी• एन० एस•----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 15 मार्च, 1979

निदेश स० पी टी ए/111/78-79—ग्रत. मुझे नत्यू राम, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्से इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपये से ग्रधिक है भ्रौर जिसकी स० भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 10 मरले है तथा जो गाव घलांड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल **पृ**श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिध-नियम, के भ्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुजिधा के ज़िए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विषा के लिए;

मतः, मन, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उन्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मशिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती कु'णा देवी पुत्री श्री श्रार० एन० मिह हारा जनरल श्रटारनी, श्री भागिबन्दर मिह पुत्र श्री चेत मिह वासी कोठी लाल बाग, पिटयाला। (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती रिजन्दर कौर पुत्नी गोपाल सिंह व श्री भजन सिंह पुत्र जीवन वासी 72-डी, माडल टाऊन, पटियाला । (श्रन्तरिती)
 - 3 (1) श्री गज्जा सिह पुत्र हरदित सिह,
 - (2) श्री हरबन्य सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (3) श्री गुरबन्म मिह पुत्र श्री गरजा मिह्,
 - (4) श्री सुखबन्म मिह पुत्र गज्जा मिह,
 - (5) श्री चितबन्त सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (6) श्री हरिन्दर पाल सिंह व
 - (7) श्री जितन्दरपाल मिह पुत्र श्री मुच्चा मिह, मारे वासी गांव, तहसील पटियाला।

(वह न्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग) में सम्पत्ति

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख मे 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधों व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त गन्धों और पदों का, जो उन्त प्रधि-नियम के धट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूषी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 10 मरले है श्रीर जो गाव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2777 भ्रगस्त, 1978 में दर्ज हैं)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 मार्च, 1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी • एन • एस ०-----

आयकर घष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन मूचना

भारतःसरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर प्रायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेण सं० पी टी v/112/78-79—ग्रतः मुझे, नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उस्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से ग्राधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 19 मरले है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिगा से अधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (पन्तरितियों) के भीव ऐसे प्रन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक का से किया नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वर्चन में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी माय या किसी बन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिम्ना के लिए;

अतः भव, उक्त भधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, में, उक्त भधिनियम की धारा 269व की उपधारा के अधीन निनलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

- श्री भागबिन्दर मिह पुत्र श्री चेत मिह वासी कोटी लाल बाग, पिटयाला । (भ्रन्तरक)
- 2. श्री गुरुदेव सिंह गरेवाल पुत्र गुरदियाल सिंह वासी 23-बी, माडल टाऊन, पटियाला । (स्रन्तरिती)
- (1) श्री गज्जा भिंह पुत्र हरदित सिंह,
 - (2) श्री हरबन्स मिह पुत्र श्री गण्जा मिह,
 - (3) श्री गुरबन्म मिह पुत्र श्री गज्जा सिह,
 - (4) श्री सुखबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (5) श्री चितवन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (6) श्री हरिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री मुच्चा सिंह,
 - (7) श्री जितन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह, मारे वासी गांव घलोडी, तहसील पटियाला ।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अजन क संबंध में कोई भी माक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45.दिन की ध्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्विध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बढ़ किसी मन्य क्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त गावीं और पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परि-भाषित हैं वही मधें होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूधी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल 19 मरले है और जो गांव धलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, पिटयाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2795 श्रगस्त, 1978 में दर्ज है)।

नस्यू राम सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 15 मार्च, 1979

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर भधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जेन् रेंज-II ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1979

निवेण सं PTA/114/78-79--- यतः मुझे नत्यू राम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० भिम जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 14 मरले हैं तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्म से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 के (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए स्थ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्सियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नविखित अपितयों, ग्रापीत्:---

- श्री भागबिन्दर सिंह पुत्र श्री चेत सिंह वागी कोटी लाल बाग, पटियाला । (श्रन्तरक)
- श्री गुरदेव सिंह गरेवाल पृत्र श्री गुरदियाल सिंह गरेवाल, वासी 23-बी माछल टाऊन, पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

- 3.(1) श्री गण्जा सिंह पुत्रहरदित सिंह,
 - (2) श्री हरबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
- (3) श्री गुरबन्म मिह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
- (4) श्री सुखबन्म मिह पुत्र श्री गज्जा मह,
- (5) श्री चितबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
- (6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व
- (7) श्री जितन्वरपाल सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह, सारे वासी गांव घलोड़ी, तहसील पिटयाला ।

(बह् व्यक्ति जिमके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण:---इममें प्रयुक्त ग्रन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुची

भूम जिमका क्षेत्रफल 39 कनाल 14 मरले है और जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2825, श्रगम्त, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थ् राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15-3-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एम०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० भी टी ए/113/78-79—-प्रत मुझे नत्थू राम, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० स अधिक है

और जिसकी सं० भृमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध श्रनेसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्टक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) प्र-तरण में हुई कियों आग की बाबत उनन अधि-नियम के ध्रधीन कर देने के प्रन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रिश्चितयम की धारा 269-ग के अनु-सरण में में, उक्त ग्रिश्चित्यम की धारा 269-म की उपवारा (1) के प्रजीत निम्तलिखित व्यक्तियों, मर्गात:—

- श्रीमित कैलाण देवी पुत्नी महाराजा भृपिन्दर सिह द्वारा जनरल अटारनी, श्रीमित दलीप कौर विधवा महाराजा भूपिन्दर सिह वासी कोठी लाल बाग, पटियाला। (अन्तरक)
- (1) श्रीमित रणजीत कौर पुत्री श्री गोपाल सिह् वासी 23-बी०, माडल टाऊन पटियाला व
 - (2) श्री जगरुप मिह पुत्र इन्दर मिह बासी पातडा। (श्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र हरदित सिंह,
 - (2) श्री हर्जन्म मिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (3) श्री गुरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (4) श्री मुखबन्स सिंह पुत श्री गञ्जा सिंह,
 - (5) श्री चितबन्त सिह पुत श्री गर्जा सिह,
 - (6) श्री हरिन्दरपाल मिह व
 - (7) श्री जितन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह, मारे वासी गांव घलोडी, तहसील पटियाला । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्तिह है)

को यह पुत्रा जारी करके पूर्वीस्त सम्मति के श्रामंत के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पति के अर्गन के सम्बन्ध में कोई भी स्नाक्षेप:--

- (क) इस यूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 12 मरले है श्रौर जो गाव घलोडी, तहसील पटियाला में स्थित है । (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख सख्या 2796, श्रगस्त, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम सक्षम प्राघिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लिधियाना ।

तारीखा: 15 मार्च, 1979

प्रकप भाई•टी•एन•एस•---

आयकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० पीटीए/115/78-79— ग्रत: मुझे नत्थू राम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 कनाल 18 मरले है तथा जो गांव घलोडी, तहसील पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ६० से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख श्रगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए मल्परित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितीयों) के बीच ऐसे अश्वरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निष्विद्य में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्तरण संदुर्द्द किसी आध्य की बाबत, उक्त प्रिष्ठितियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना चाहिए था. किया में सुविधा के लिए;

धत: मन, उक्त भ्राधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उक्त भ्राधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, भ्रभीत:-

 श्रीमिति कृष्णा देवी पुत्री श्री ग्रार० एन० सिह, द्वारा जनरल ग्रटारनी, श्री भागविन्दर सिंह पुत्र श्री चेत सिंह वासी कोठी लाल बाग, पटियाला । (ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमति रणजीत कौर पुत्री गोपाल सिंह,
 - (2) श्री जगरुप सिंह पुत्र श्री इन्दर सिंह वासी पटियाला व
 - (3) श्री जगजीत सिंह व इन्दरजीत सिंह पुत्र भजन सिंह वासी माङ्ल टाऊन पटियाला । (भन्तरिती)
- . 3.(1) श्री गण्जा सिंह पुत्र हरदित सिंह,
 - (2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (3) श्री गुरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (4) श्री सुखाबन्म सिंह पुत्र श्री गण्जा सिंह,
 - (5) श्री चितबन्त सि पुत्र श्री गज्जा सिंह,
 - (6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व
 - (7) श्री जितन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुख्वा सिंह सारे वासी गव घलोड़ी, तहसील पटियाला । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रज्ञंन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की प्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, ओ भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पडितकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिसियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाविह है, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिव गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 कनाल 18 मरले हैं भौर जो गांव घलोड़ी, नहसील पटियाला में स्थित हैं। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2827 भगस्त, 1978 में वर्ज है)

नत्यू राम सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज, लुधियाना ।

तारीख: 15 मार्च, 1979

मोहर

बरूप माई० टी०एन० एस०---

मायकर प्रश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० सीएडी/173/78-79---- ग्रत: मुझे नत्थू राम,

पायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधितियम' कहा गग है), की धारा 269-का के धिंधित मकाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 3025 सैक्टर, 27-डी०, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (धौर इससे उपायद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्टा धिंकारी के कार्यलय, चन्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण धिंधित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1978 को प्रकृतिक स्वराहित स्वराहित की उपायक

में मौर पूर्ण घप से वणित है), रिजस्ट्री कर्टी मिधिकारी के कार्यलय, चन्डीगढ़, में, रिजस्ट्रीकरण मिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मिधीन, तारीख जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त मम्पत्ति के जिल्ला बाजार मूह्य, ते कर के दूरप्रमान प्रतिफल के लिए मस्तरित की गई है और मुझे यह बिण्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीष्ठिक है और मन्तरित (अस्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रम्तरण लिखित में वास्तिबक्त कर से किया नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उपत अधि-नियन, क भवान कर देने के भन्तरक के दायिल में कमी परने या उसन वजने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या मध्य प्रास्तियों का, बिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या घन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य प्रस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत: मन, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के धनुक सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्नोकी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ग्राक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री गुरवक्त सिंह पृत्न श्री हजारा सिंह व श्रीमित बन्तवन्त कौर परनी गुरबक्त सिंह बासी मकान नं० 3025 सैंक्टर 27-डी०, चन्डीगढ़ । स्थाई पता गांव व डाक खाना जयपुरा तहसील पायल, जिला लुधियाना । (श्रन्तरक)
- श्री प्रीतम सिंह सोही पुत्र नरन्जन सिंह सोढ़ी वासी 536, सैक्टर 16-डी, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)
- 3. (1) श्री हरसरन सिंह,
 - (2) श्री बलवन्त्र भिन्न,
 - (3) श्री श्रशोक कुमार,
 - (4) श्री प्रेम चन्द,
 - (5) श्रीमति मोहिन्दर कौर
 - (6) श्री म्याम बहादुर
 - (7) श्री धर्मपाल, सारे वासी 3025, सैक्टर 27-डी०, चन्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को पह सूचना जारो करके पूर्वोक्त समास्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संतित ह ग्रावंत के संबंध में कोई भी आ**क्षे**प :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीखा में 45 दिन की अविधि या तत्सवंधा व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविष्ठ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास किखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अधं होगा, जो उस भध्याय में दिया सवा है।

मन्सूची

मकान नं० 3025, मैक्ष्टर, 27-डी०, चन्डीगढ़ । (जायेदाद जैना कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख मंख्या 323, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखाः 15 मार्चे, 1979 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज लुधियामा

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० सी एच डी/175/78-79—कात: मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'वक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 78, सैक्टर 18-ए०, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ना श्रधिकारी के के कार्यलय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1978 को पूर्वीकत सम्पन्ति के उचित बाजार मून्य से हम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित को गई है ग्रीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से ग्रिक है ग्रीर ग्रन्तरित (अन्त-रितियों) के ग्रीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखिन में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त धिवियम के घीन कर देने के सम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किशी माय या किसा धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अग्निनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शवः उक्त श्रांधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, म, उक्त श्रांधिनियम की श्रारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नाजिखित व्यक्तियों, श्रांधित :---

- 1 श्रीमित ई० भनोट विधवा श्री पी० डी० भनोट, मकान नं 444, सैक्टर 35 चन्डीगढ़। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमित हरबन्स कौर पत्नी श्री एम० एस० भिन्डर मकान नं० 93, सैक्टर 18-ए० चन्डीगढ़। (श्रन्तरिती)
- 3. श्री ए० एस० नेहरा, ग्रड़ीसनल एड्वोकेट जनरल हरयाणा, मकान नं० 78, सैक्टर 18-ए, चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबद्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की लागीच से 45 वन की अमधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविष्ठ जो भी अवधि बाध में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी प्रक्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हराबटीकरण: --इममें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उस्त ग्रिधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 78, सैक्टर 18-ए० चन्डीगढ़ । (जायेदाद जैमाकि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यानय के विलेख संख्या 338, जुलाई, 1978 में दर्ज हैं

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 मार्च, 1979

माहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० सी एच डी/177/78-79—धतः मुझे नत्थू राम,

म्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से मिधक है

भौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 7 मरले है तथा घो गांव नजामपुर कुमबरा, यू० टी० चन्छीगढ़ में स्थित है (श्रौर उससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से बर्णित है), रजिस्ट्री कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यलय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृहो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भायकी बाबत, उक्त भिधितियम के भ्रष्टीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उनत भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत भिधिनियम, की धारा 269-थ की उपवारा (1) भीन निम्नलिखित स्थिनियमें भर्थातः

- 1. श्री रत्ला सिंह पुत्र श्री बसावा सिंह वासी गांव कझेरी, यू० टी० चन्डीगढ़। (भ्रन्तरक)
- न्यू सैंट्रल दोग्राबा ट्रिट्स्ट बस कम्पनी (रिजि०) द्वारा श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री भुल्ला सिंह वासी 325, सैक्टर 33-ए०, चन्डीगढ़ । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भनिध, जो भी भनिष्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिश्चित हैं, वहीं नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 7 सरले है और जो गांव नीजामपुर कुम्बरा, यू० टी०, चन्छीगढ़ में स्थित है। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी चन्छीगढ़ के विलेख संख्या 350, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 मार्च, 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, विनांक 15 मार्च 1979

निदेश सं० चंडीगढ़/178/78ब79—श्रतः मुझे नत्यू राम भागकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क्पए से श्रधिक है

ग्रीर जिस की सं० बूथ माइट नं० 30 जिसका क्षेत्रफल 58.17 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 31-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की वामत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रस्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम य धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भधिनियम, की धारा 269 थ की उपधारा (1) के भधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भर्यात:-- (1) श्री सुरजीत सिंह चावला वासी मकान नं० 155, संक्टर 20-बी, चण्डीगढ़

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रामा भाटिया पत्नी श्री ग्रार० सी० भाटिया वासी 3162, सैक्टर 15्-डी, चण्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविधि या तरसम्बंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
 श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पवों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित ह, वही धर्ष होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

प्रमुसधी

बूथ साइट सं० 30, जिसका क्षेत्रफल 58, 17 वर्ग गज है ग्रौर जो सैक्टर 31 डी, चन्डीगढ़ में स्थित है

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 352, जुलाई 1978 में दर्ज हैं)

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मार्च 1979 मोहर:

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 289-म (1) क सभीन सुमना

मारस सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनांक, 15 मार्च 1979

निदेश सं० चंडीगढ़/180/78-79—- ग्रतः मुझे नत्यू राम ग्रायंकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से ग्राधिक है

स्रोर जिस की स० प्लाट त० 194 (नया तं० 1234), सैक्टर 18-सी है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित हैं (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रथीन, दिनांक जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिस्त की मई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर धन्तरक (प्रन्तरकों) भीर धन्तरिती-(अन्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उपत धन्तरण किवित में वास्तिक कप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के घंधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिश्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। बौर/या
- (ख) ऐसी किसी अध्य या जिसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें, भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत धिवनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के शिषे;

ग्रतः ग्रम, उक्त धिविषयम की धारा 269-म के अनुवरण में, में, उक्त प्रवितियम की धारा 269-म की उपनारा (1) के अधीन निस्तिलिखत स्पक्तियों, धर्मातः--- (1) श्रीमती दुर्गा देवी पत्नी श्री लोक नाथ मैहता, मोहन मेकन बरेंबरीज, सोलन (हि॰ प्र॰)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विद्या सागर रेलन पुत श्री राम किंगन रेलन ब श्रीमती परीतीवा रेलन पत्नी श्री विद्या सागर रेलन, वासी एस॰ सी॰ एफ॰ 41, सैक्टर 18-डी, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का ने 45 दिन की प्रविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी के से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजांकत व्यक्तिय ें से किसी व्यक्ति आरा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्ती करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाधित है, नहीं मधं होगा, जा उस मध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं० 194 (नया नं० 1234) सैक्टर 18-सी, घन्डीगड़ (जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी, घन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सख्या 361 जुलाई, 1978 में दर्ज हैं)

> नन्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंद रेज, लुधियाना

दिनांक: 15 मार्च 1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० ---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 15 मार्च 1979

निदेश म० वंडीगढ़ 183/78-79—श्रतः मुझे नत्थुराम स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समासि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से स्रिधिक है

भीर जिस की मं० एस मां० भी० साईट नं० 294, जिसका क्षेत्रफल 121 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 35-डी, चन्डीगढ़ में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुमुनी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (धतरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, जक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्यात् :---

- (1) श्री हरचरन सिंह पुत्र श्री बेहल सिंह वासी मकान नं० 1212, सैक्टर 34-सी, चन्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती करतार कौर पत्नी श्री किशन सिंह, श्री जगदीश सिंह पुत श्री दर्शन सिंह, श्री हरबिन्दर सिंह पुत किशन सिंह, सारे वामी मकान नं० 2064, 15-सी, चन्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

(3) मॅंट्रल बैंक ग्राफ इंडिया, एस० सी० ग्रो० नं० 294, सैक्टर 35-डी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जायेवाद नं० एस० सी० भ्रो० साईट नं० 294, सैक्टर 35-डी, चरडीगढ ।

(जायदाद जैमाकि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चन्डीगढ़) के कार्यांसय के विलेख सक्या 369, जुलाई, 1978 में दर्ज हैं)

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर ग्रायुवत (निरक्षिण) मर्जन रेज, लुधियाना

दिनाक: 15 मार्च 1979

मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, पहायक <mark>धायकर धायुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1979

निदेश सं० चंडीगढ़/185/78-79--- अतः मुझे नत्यू राम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिथिक है

मौर जिस की सं० प्लाट नं० 203, जिसका क्षेत्रफल 1535,12 वर्ग गज है तथा जो संकटर 29, चन्डीगढ में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुभूषी में और पूर्ण भप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जितत बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत, उक्त सर्धि-नियम, के अधीन कर देने के सन्तरक के वाक्तिक में कभी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिल्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रम, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

(1) श्री किशन सिंह पुत जगत सिंह वासी मकान नं० 3037, सैक्टर 28-डी, चन्डीगढ़

(भन्तरक)

- (2) 1.श्रीमती प्रांतता कुमारी पत्नी श्रशोक कुमार,2. श्रीमती सतोष कुमारी पत्नी श्री जय प्रकाश,
 - श्री दिपक मोहल, माइनर पुत्र श्री जय प्रकाश,
 - 4. श्री जोती मेहल, माईनर पुत्र श्री जय प्रकाश,
 - 5. श्रमृत कुमार मेहल, माईनर पुत्र श्री श्रशोक कुमार, पिता द्वारा सारे वासी मकान नं2 1.7,सैक्टर 28-ए, चन्डीगढ ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उपरा सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की धविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की धविधि, जी भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्धीकरच: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के झड्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस झड्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

पलाट नं2 203 जिसका क्षेत्रफल 1535.12 वर्ग गज है जो सैक्टर 29, चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगहु के कार्यालय के विलेख संख्या 381, जुलाई, 1978 में दर्ज हैं)

> नत्यू सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक 15 मार्च 1979 मोहरः সহণ প্রাতি সাত লগত ল্যাত————

आयर प्रार्थानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 469ध(1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 15 मार्च 1979

निदेश स० चडीगढ़/191/78-79—प्रत मुझे नत्यू राम प्राप्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राप्त 'उन प्रधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है प्रौर जिसकी स० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 10 मरले है तथा जो गाव दादो माजरा (चन्डीगढ़) में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त श्रधिनारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जुलाई 1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोष्ट्रत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य पान प्रतिफल में, ऐसे दृश्य मान प्रतिफल का पस्द्रह प्रतिशत में अधिक है शीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसन श्रन्तरण लिखित में उपस्तिक स्प से कथित नहीं

- (क) ग्रस्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उनत ग्राधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (ख) ऐसी कियी बाय या किसी अन या प्रत्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या अनकर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रशट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उनन श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
6—16 GI/79

(1) सर्वश्री मातू राम व जगवन्त मिह पुत्र श्री सुदामा, गाव दादोमाजण (चन्डीगत्र)

(ग्रन्तरक)

(क) श्री गंजा सिंह व दूसरे वार्सा गाव धानस, (चन्डीगढ़)

(भ्रन्ति)

को यह मूचना जारी करके पूर्वा≉ा मम्पनि के ग्रर्जन के लिए कार्यवाज्या करना है।

उन्त सम्पत्ति ह अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविधि जो भी मविधि बाद में समाप्त होती हो, क मीनर पृथित विधितयों में से किसी व्यक्ति होता होता.
- (ख) इस मुचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारील से 45 दिन न भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति मे हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पटो का, आ उनत अधिनियम, ने ग्रध्याय 20-क मे पारमाणित है, वही अर्थहोगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कताल 10 मरले हैं श्रीर जो गाय दादोमाजरा, (चन्डीगढ़) से स्थित है। (जायेदाद जैसाकि रिजम्ट्रीकर्ता श्रिधवारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सक्या 415, जलाई, 1978 में दर्ज हैं)

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक^र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रार्गन रेंज, लुधियाना

दिनाक 15 मार्च 1978 मोहर प्ररूप याई० टा॰ एन० एन०---

प्राप्तर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269व (1) के अधीन मुलना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, श्रायकर भवन लुधियान। लुधियाना, दिनार 15 माच 1979

निदेश स० एनबीए/67/78-79---प्रत, मुझे, नव्धू राम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी म० भिम जिसका क्षेत्रफल १ कनाल 10 मण्ले है तथा जो नाभा नहसील नाभा मे श्यित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में रिजर्स्ट्राकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अगस्त, 1978 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यश्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (श्रन्तरिक अधिक है और अन्तरित (श्रन्तरिक अधिक है और अन्तरित (श्रन्तरिक) और अन्तरिती (श्रन्तरिन तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ति जिद्या या है '---

- (क) ग्रन्तरण से दुई किसी ग्राय की बाबत, उसत ग्राध-नियम के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय था किसी धन या भ्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ध्रधिनियम, 1922 (1922 रा 11) था उकत ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती खारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिराने में मुबिधा के लिए;

ग्रत ग्रव जन्न ग्रधिनियम को धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, जक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की जपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रधीन ——

- (1) र्थ। द्वारा प्रभाग पुत्र गदन गो।।त मारकत जिन्दल जिन्दिपरिग वक्स 23-मी पोमल प्रसार्टट लुब्रियान।। (अन्तरक)
- (3) । श्री क्रुप्ण । जन्दल प्ता जगननाथ व
- (2) श्रो अजय जिन्दल पुत्र श्री कृष्ण जिन्दल पुत जगन नाथ जिन्दल निवास, सनेमा रांड नाभा जिला पटियाला । (ग्रन्तरिती)

का यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करताहु।

उक्त पपत्ति क अर्जन क सर्वध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामीत्र से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियो में से किसी व्यक्ति बारा,
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेगे।

म्बर्ग्डीकरण ---इसम प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क, में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 कनाल 10 मरले है और जो नाभा में स्थित है।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख सम्बंधा 1473, ग्रगम्त 1978 में दर्ज हैं)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायका (निरीक्षण) ग्रर्गन रेज, ग्रहमदाबाद

तारीख 15-3-1979 माहर प्रकृप भाई • टी • एन • एन •----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269ध (1) के मधीन सूचना

पारन सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

क्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1979

तिदेश सं०2 एनवीए०/68/78-79—-ग्रनः मुझे नत्थू राम प्रायकर प्रिवित्तमम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्तमम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए मे श्रीवक है

ग्रीर जिस की सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 कनाल 10 मरले हैं तथा जो नाभा, तहसील नाभा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन ग्रगस्त 1978 को

पूर्वों का सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वान करन का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकार से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (धन्तरकों) धोर घन्तरिता (धन्तरितयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रतरग निखित में बाहादिक इप से कथित नहीं किया गया
है '--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाव की बाबत, उक्त श्राधिनियम, के श्रधीन कर देन के भन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को किसी कारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भित्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: सव, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रश्नियम की वारा 269-च की उपघारा (1) के भवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचात् :---

(1) श्री ग्रमृत लाल पुंच श्री मदन गोपाल, बी०-8-276, नया मुहल्ला, लुधियाना

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष कुमारी पत्नी श्री कृष्ण जिन्दल पुत्र जगन नाथ, श्री रजनीश जिन्दल पुत्र कृष्ण जिन्दल पुत्र जगन नाथ, वासी जिन्दल निवासी, सनेमा रोड, नाभा, जिला पटियाला

(भ्रन्तिरती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी प्राक्षीप--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की भवधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त मध्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20क में पिशाणित है, वहीं श्रथे होगा जो उस शब्धाय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 कनाल 10 मरले है और जो नाभा में स्थित है।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 1474, ग्रगस्त, 1978 में दर्ज है)

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-3-1979

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

मासकर मित्रिन्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 15 मार्च 1979

निर्देश स० डी बी एस/26/78-79—अत मुझे नत्यू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० सं अधिक है

श्रौर जिसकी म० मूमि जिसका क्षेत्रफल 34 विधा 16 विध्या है तथा जो गाव किशनपुरा, सव-तहसील हेरा बस्सी में स्थित है श्रौर इससे जाव इसनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, हेरा बस्सी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठ- तियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक जुलाई 1978 को पूर्वीक्त संपत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सर्पात्त का जिलत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिक्त है श्रौर अन्तरक (अन्तरको) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक हा में किथन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी हिती आव या किनी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रणीत्:— (1) श्री दया राम पुत्र श्री गोगल दास वासी गाव बूडीग्रा तहसील जगाधरी

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्ज कुलवीप कुमार डडूजा एण्ड बर्दरजा, कोठी न० 1330, सैक्टर 18-सी चन्डीगढ़।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में पकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उकत अधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 34 विद्या 16 विस्ता है भ्रौर जो किशनपुरा, सब तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेवाद जैसािक रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख सख्या 565, जुलाई, 1978 में दर्ज हैं)।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 15-3-1979

मोहरः

प्रकृप भाई • टी • एन • एस ० →

ग्रायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269 घ (1) के श्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० एएमएल/74/78-79—प्रत. मुझे, नत्थू राम श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंग इसमें इसके पश्चात् 'चक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/-वप् से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी स० भूमि जिसका क्षेत्रफल 1 विघा 7 विश्वा है तथा जो गाव नमराली, सब-नहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक जुलाई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशान से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण मिखित में वास्तविक कप से क्यित महीं किया गया है —

- (क) ग्रस्तरण स हुई किसी प्राप्त को बायत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्य में प्रभी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; कौर/या
- (ब) ऐसा किसो प्राय पा किसी प्रत या अन्य आिटायों की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) कि उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उनतं ग्राधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उनतं ग्राधिनियम, वी धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) पर्वश्री रतन सिंह, दया सिंह, कुन्दनसिंह, जगीर सिंह, नौराता सिंह पुत्र श्री ग्यामा वामी गाय नमराली, सब-तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कुणम सारदा पत्नी श्री पवन कुमार णारदा पुत्र णान्ति सरूप मारफत हिमालय श्रायरन ट्रेडर्ज, मण्डी गोविन्दगह, जिला परियाला । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करक पृथांकः सम्पक्ति के अर्जन के लिए अर्थवाहिया करता है।

उन्त सम्मति के प्रजंश के सम्बन्ध में कोई भी भाजेय: -

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद से समाप्त होती हो, हे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से दिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस ग्रुचना के राजपल में प्रकाश ! की तारी ल स 45 दिन के भीतर उनते स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अखोहस्ताक्षरी के पास िक्षित संकिए जा सकता।

स्पष्टांकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिक्षियम के श्रध्याय 20-कं में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्पूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 1 विद्या 7 विस्वा है श्रौर जो गाव नसराली, सब-तहसील श्रमलोह, में स्थित है।

(जायेदाद जैमाकि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, ग्रमलोह के कार्यालय के जिलेख संख्या 743, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 मार्च 1979

पह्न आहें। ग्रेंग न्रव्यान----

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1901 का 13) की धारा

2893 (1) र मधीन प्रचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रज<mark>न रेज, भ्रायकर भवन, लुधियाना</mark> लु<mark>धियाना, दिनाक 15 मार्च 197</mark>9

निदेश सं० खरड | 1 | 78-79—श्रतः मुझे नत्थ् राम भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे डममें इसड़े पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गथा है), की धारा 269-घ वे प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात (रने । कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, । जनका उचित वाजार मृत्य 25,000/- क० से प्रधिक है

स्रीर जिसकी स० मकान नं० 130, फेज 1, (एस० ए० एस०) नगर, है तथा जो मुहाली जिला रोपड में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1978 को र्वांकन मम्पन्ति के उतिन वाजार मून्य प अग के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित को गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पन्ति का उपित वाजार मृत्य, रसके दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित को गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पन्ति का उपित वाजार मृत्य, रसके दृश्यमान प्रतिकृत का 15 प्रतिचान में शिष्ट है और अन्तरित (अन्तरिक्त)) भीर प्रतिकृत का 15 प्रतिचान में शिष्ट विश्वास करने हैं और अन्तरित (अन्तरित) भीर प्रतिकृत का 15 प्रतिचान में शिष्ट विश्वास की कि एसे अन्तरित (अन्तरित) में शिष्टा गया प्रतिकृत, कि निर्माणिया) जिल्ला में उपलित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण में हुई किसी प्राथ की बावन, उनत प्रोधिनसम क अधीन कर देने के अन्तरक के वासित्थ में कभी करने दा उससे नचने में गुंधिश के लिए; और/या
- (ख) एसी किया या र ना क्ष्मा जन ११ जन्म आस्तिय। की जिल्हे भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, राधन-कर प्रधिनयम, राधन-कर प्रधिनयम, अवन-कर प्रधानकर प्रधानमा वाहए खा, लिएनं में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अविनियम को घारा 205ना के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '--

- (1) श्रीमती सरोज कुमारी पत्नी धरमवीर वासी हाथरस जिला भ्रलीगढ़ (यू० पी०) (भ्रन्तरक)
- (2) श्री के० के० भटनागर, श्राई० ए० एस०, संयुक्त डाइरैक्टर, स्थानक सरकार पंजाब, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके प्वीक्त मन्नति के अर्जन के लिए कार्यवादिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सबंध में कोई भो ब्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:~~

- ्क) ३न सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिछ या तत्सम्बन्धी क्यांक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविछ, जो भी श्रविछ बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविव श्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
- (ख) दन सूत्रना राजकात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी शस्य व्यक्ति द्वारा, श्रीधाहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण:---्समें प्रमुक्त शब्दां भीर पदो का, जो उक्त ांशनियम क भ्रष्टयाय 20क में तथा परिभा-1 रत है, वहीं भ्रथं होगा जा उस भ्रष्टयाय में दिया गरा है।

अन्सूची

मकान न०, 130, फेज 1, (एम० ए० एस०) नगर, मुहाली, जिला रोपड ।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, खरड के कार्याल य के विलेख संख्या 2071, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

> नत्थ राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-! लुधियाना।

तारीख: 15-3-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस ----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 16 मार्च 1979

निदेश सं० पटियाला/93/78-79--- प्रतः मुझे, नत्थू राम

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० दुकान व मकान सं० 159-ए/3 व 159/3 है तथा जो धर्मपुरा बाजार, पटियाला में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक ज्लाई 1978 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्मानय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से प्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का-11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रन्सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:——

(1) 1. श्री गुरचरन सिंह पुत चंचल सिंह वासी ए-212, डिफैंस कलौनी, नई दिल्ली ।
 2. श्रीमती भूपिन्दर कौर विधवा चंचल सिंह वासी नई दिल्ली ।

- 3 भी उन्दरजी। ।यह पुत्र श्री चंचल सिंह वासी भर्त दिल्ती ।
- 4 श्रीमती जाशीर कार पुत्री चचल मिह वासी अम्बाला कैट।
- 5 श्री जमपान सिंह जब्बी पुत्र श्री चंचल सिंह वासी विलागपुर (महाराष्ट्र) द्वारा जनरल श्रटारनी श्री गुरचरन गिंह पुत्र श्री चचल सिंह वासी ए-212, डिफैंस कलौनी, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती भजन कौर पत्नी रीपुदमन सिह, श्रीमती वृजमोहन कौर पत्नी गुरचरन सिह, श्रीमती परमजीत कौर पत्नी सरदार सिह सारे वासी मकान नं2 159-ए/3, धर्मपुरा बाजार, पटियाला। (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रीमती सरन कौर पत्नी श्री मन्त मिहं वासी 159-ए/3, धर्मपुरा बाजार, पटियाला । श्री रिपुदमन मिह पुत्र श्री मन्त मिह 159-ए/3, धर्मपुरा बाजार-पटियाला (वासी) व श्री हरनाम मिह, दुकानदार, वासी 159-ए/3, धर्मपुरा बाजार, पटियाला । (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नारीख से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: —इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुहान व महान न० 159-ए/3, धर्मपुरा बाजार, पटियाला (जायेदाद जैना कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2212, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम, मक्षम प्राधिकारी, महार्यक्ष श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लिधयाना ।

दिनांक: 16 मार्च 1979

प्ररूप थाई∙ टी०एन०एस∙--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के भंधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 मार्च 1979

निदेश सं० चन्डीगढ़ं/188/78-79—अतः मुझे, नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/— इप्र मे अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलाट नं० 3334 (पुराना नं०8) जिसका क्षेत्रफल 256.70 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 19-डी, चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रहु प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकी) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नशिक्षित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखात में वास्तरिक का मं किया नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्स ग्रिविनयम के अधीन कर देने के ग्रस्तरक के वायिस्य में कमी करने या उगसे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स्त्र) ऐसं िक नी आव या किसो धन या अन्य आस्तियों की तिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्ना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरम में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपसारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:— (1) कुमारी सुरिन्दर कौर, परिमन्दर कौर पुलियां म्स०श्री बाजीर मिह नश्री जगबीर सिंह पुत्र स्व० श्री वाजीर सिंह, मारे बासी मकान नं० 8-डी, ग्रशु बाबुलान, किदारपुर, कलकत्ता-23

(श्रन्तरकः)

(2) श्री देव राज थापर पुत्र स्व० श्री श्रम्त शाह थापर, यासी मकान नं० 3048, सैक्टर 27-डी, चन्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह मूबन जारी करके पूर्वीकन सम्पन्ति के प्रार्थन के लिए कार्यनाहियां करना हुं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्त में अकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त कब्दो खौर पर्वो का, जो सक्त अधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्च होगा, जो सस प्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

पलाट नं० 3334 (पुराना नं० 8) जिसका क्षेत्रफल 256.70 वर्ग गज है श्रौर जो सैक्टर 19-डी, चन्डीगढ़ में स्थित हैं व

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्या-नय के विलेख सख्या 396, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम, मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेंज, लुधियाना।

दिनांक 21 मार्च 1979 मोहर:

प्रक्ष धाई • टी • एन • एस • ——

श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के प्रधीन पुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 21 मार्च 1979

निदेश सं० चंडीगढ़ 189/78-79—श्रतः मुझे, नत्यू राम आयकर घोडिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिडिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिडीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से घडिक है,

भ्रौर जिस की सं० मकान नं० 297, सैक्टर 20-ए हैं तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक जलाई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये बन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में वास्तिक अप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रत्यरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर हेने के प्रत्यरक के दायिल्ब में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घन, उक्त प्रधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निवननिक्तिव्यक्तियों, अर्थात् ।—— (1) श्री कृपाल सिंह पुत्र श्री गुरबक्स सिंह मारफत योर स्टूडियो, सैक्टर 22, चन्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बलदेव राज ग्रगरबाल पुत्र श्री लोहरी राम ग्रगरबाल वासी मकान नं० 297, सैक्टर 20-ए चन्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की भवधि या तत्मन्यन्त्री अपितत्यों पर सूचना की तामील ले 30 दिए की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अपिकतयों में से किसी अपिकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवह किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भड़्याय 20-क में परिचाणित रै, बही अर्थ होगा, जो उस भड़्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 297, सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़ . (जायेदाद जैसाकि राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 403, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियााना।

दिनांक: 21 मार्च 1979

मोहर:

7-16GI/79

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 21 मार्च 1979

निदेश सं० लुधियाना /121/78-79—ग्रतः मुझे नत्यू राम ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 द० से ग्रिधिक है

ग्रीर जिम सं० दुकान नं० वी-4-305, जिमका क्षेत्रफल 4831/2 वर्ग गज है तथा जो माराफां बाजार, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल के पल्यह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भिक्ष-नियम के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारताय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अबीत, तिस्तिल जित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

(1) श्री हरिकिशन पुत्र श्री छञ्जू राम, वासी वी-4-1823, मुहल्ला नौधरा, लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रमोक कुमार पुत्र जैराम, वासी बी-2-2012, शिवपुरी, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री उधो राम, दुकान नं० बी-4-305, सराफां बाजार, लुधियाना

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रतिध या नत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, उक्त ग्रिध-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही श्रर्थ होगा जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

दुकान नं० बी-4-305, जिसका क्षत्रफल 4841/2 वर्ग गज हैं और जो साराफां बाजार, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3067, नवम्बर, 1978 में दर्ज हैं)

नत्थू राम, नक्षम प्राधिकारी, सहायक श्राकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रज, लुधियाना ।

दिनांक: 21 मार्च 1979

प्रस्प माई० टी० एन० एस०-

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 24 मार्च 1979

निदेश मं० मी एच डी/172/78-79—न्यत मुक्षे नत्थु राम,

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सकान न० 85, सैक्टर 15-ए०, है तथा जो जन्छीगड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्सी श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जन्डीगढ़ म, रिजस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जन्डीगढ़ म, रिजस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जन्डीगढ़ म, रिजस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख जुलाई 1978 को पूर्वोक्त सम्पति के जित्त बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान श्रिष्ठक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृष्यमान श्रिष्ठक से, ऐमें दृष्यमान श्रिष्ठक का पन्नह प्रतिश्वत से श्रिष्ठक है, भीर अन्तरक (धन्तरको) और अन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया) श्रिष्ठक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाग की बावत सकत अधिनियम के भधीन कर देने के भक्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य धास्सियों को, जिन्हें भारतीय भायकर घिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिनियम, या धन-कर घिनियम, 1857 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उनतं ग्रधिनियम, की धारा 269ना के ग्रनु॰ सरण में, में, उनतं श्रीधिनयम की धारा 269न्य की उपधारा (1) के न्नाधीन, निम्नसिन्धित न्यक्तियों, न्याति ।——

- 1 श्री रोशन लाल म्राबद पुत्र श्री दुर्गा दाम म्राबद, यासी 85, मैक्टर 15-ए०, चन्डीगढ़ । (मन्तरक)
- 2 श्रीमित हवोनी बाई पत्नी श्री राधा किशन वासी 85, मैक्टर 15-ए०, चन्डीगढ़ ।

(भन्तरिती)

- 3. (1) श्री राम लाल,
 - (2) श्री जत्तू राम,
 - (3) श्री विरिन्दर कुमार,
 - (4) श्री मेगा सिंह व
 - (5) श्रीमति सुरिन्दर सैनी, सारे वासी मकान नं० 85, सैंक्टर 15-ए०- चन्डीगढ़ । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग

में सम्पत्ति है)

को यह मुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाति के ग्रजी के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इम पूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति हारा, भ्रधोहरूताक्षरी के पास
 निखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्बीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झीर पदों का, जो उक्त धिधिनवम, के धव्याय 20 क में परिभाषित हैं बही सर्वे होगा जो उस धव्याय में विया गया है।

धनुसूची

मकान नं० 85, सैक्टर 15-ए०, चन्डीगढ़ । (जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख मंख्या 319 जुलाई, 1978 में दर्ज हैं)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 24 मार्च 1978

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनांक 24 मार्च, 1979 निदेण सें० सी एच डी/179/78-79—श्रन मुझे नत्थू राम, प्रायकर श्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

राम, भायकर श्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-रुपये से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० सेमी इडस्ट्रीग्रल दुकान नं० 18-डी०, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख जुलाई, 1978 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है। भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त, ग्रिध-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें, भारतीय ग्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

ध्रतः, श्रव, उक्त ध्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त घ्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीन, निम्निलिखा विनिन्नों, श्रर्थात्:--

- (1)श्री जगजीत चन्द्र शर्मा पुत्र श्री हुर्गा दास शर्मा, वासी 217, सैक्टर 18-ए०, चन्डीगढ़ । (श्रन्तरक)
- श्रीमित बृज मोहिनी शर्मा पत्नी श्री जगजीत चन्द्र शर्मा, वासी 217, मैक्टर 18-ए० चन्डीगढ़ । (अन्तरिती)
- .3. श्री किणन कुमार वर्मा, एस० सी० एफ० 21 मैक्टर 18-डी०, चन्डीगढ़ । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्यत्ति में हिनबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सेमी इंडस्ट्रीअल दुकान नं० 9, सैक्टर 18-डी०, चन्डीगढ़ जिसके पलाट का क्षेत्रफल 99.08 वर्ग गज है ।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 357, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 24 मार्च 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आथकर ग्रांघनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के ग्रंघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लिधयाना

लुधियाना, दिनाक 28 मार्च, 1979

निर्देश स० सी एच डी/190/78-79—यतः मुझे, नत्थु राम,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० सी० श्री० नं० 13, सैक्टर 17-ई०, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रष्ठीन, तारीख जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशव प्रधिक है और भन्तरित (भन्तरिकों) श्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविखन उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में बाक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण संदूई किसी भाय की बाबत, उक्त भाधि-नियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/ग
- (अ) ऐसी किनी घार पा किसी धन या घरण घास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 को 11) पा उपत ग्रिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए;

श्रतः ग्रन, उन्त मधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त मधिनियम, की घारा 69-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, प्रयात् :---

- श्रीमित लीला वती बंसल पत्नी श्री श्रार० डी० बंसल, मकान नं० 1221, सैंक्टर 8-सी०, चन्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (1) श्री विरसा सिंह भूल्लर पुत्र श्री विशान सिंह भूल्लर,

- (2) श्री बलदेव सिंह भूल्लर पुत्र श्री विरमा सिंह भ ल्लर,
- (3) श्रीमित हरबन्स कौर भूल्लर पत्नी श्री विरसा सिंह भूल्लर मारे वासी गांव फत्नबाला, पोस्ट ग्राफिस जोक हरी हर, नहसील व जिला फिरोज-पुर। (श्रन्तरिती)
- 3.(1) मैं सर्ज रेमेन्टन रेन्ड ग्राफ इण्डिया लि०, ग्रौन्ड फलोर, 13/17-ई० चन्डीगढ़ ।
- (2) श्री विशन दास, परोपराईटर नऊ बी० डी० टेलरज पहिली मन्जिल, 13/17-ई०, चन्डीगढ़।
- (3) श्री श्रश्वनी कुमार, परोपराईटर, श्रिणण टेलरज —-ऊपर लिखित
- (4) मैसर्ज सरटोर सिक्षटीन, ---- ऊपर लिखित
- (5) दी एक्शन, बर्कशाप, सब-डीविजन भ्राई० व वी०, पंजाब, दूसरी मंजिल, 15/17/-ई., चन्डीगढ़ ।
- (6) दी ड्रैक्टर, पंजाबी सेल, भाषा विभाग, पंजाब, तीसरी मंजिल 13/17-ई० चन्डीगढ़ । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूत्रता के राजपन्न में प्रकाणन की कारी का से 45 दिन की अविधि या तरु बंधी व्यक्तियों पर सूत्रका की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्यक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदा का, जो उक्त भिधिनियम के शक्ष्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्थ होगा, जो उस शब्धाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एम० सी० एफ० नं० 13, सैक्टर 17-ई०, चन्डीगढ़। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय विलेख संख्या 411, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

> नत्थु राम, सक्षम प्राधिकारी

महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 28 मार्च, 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रघीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निदण सं० 866—यतः मुझे. एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 400 है, तथा जो नरसपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नरसपुर में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, नारीख 18-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है शौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें मारतीय ग्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अग्निनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिशिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :--- 1. श्रीपी० सब्बराजु जिन्नूरू

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री टी० नवीन मुन्दर
 - (2) श्री टी० प्रताप सुन्दर नरसापुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना केगराजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

सपब्दोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुभूची

नरसपुर रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक स्रंक 31-7-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1559/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 14-12-1978

प्रक्रम आई० टी० एन० एस•---

म्रायकर प्रधिनियमः 1981 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 जनवरी 1979

निर्देश सं० 871—यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराव, प्रायकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-क के प्रधीन सभा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूस्य 25,000/- रुपये में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 112 है, तथा जो चटनई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नूजबीड में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 28-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक क्य से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, खबत धिवनियम के धिक्षीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय भागवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था क्रियाने में सुविधा के शिए:

धतः भव, उक्त ग्रीधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त ग्रीधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों क्षयीतु:---

- श्री ग्रार० लक्ष्मी वेंकटारंगाराव चटनई
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बी॰ रामाकोटय्या तल्लाम्डि (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उपत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 धन्निध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनवा किसी धन्य स्थक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण !---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त प्रधिनियम के ध्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रषं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

नूजवीड मब रजिस्ट्री अधिकारी में पाक्षिक श्रंक 31-7-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1855/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

बी० वी० सुब्बाराय, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

नारीख: 23-1-1979

प्ररूप माई• टी• एन• एस•---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

नायौलप, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 जनवरी 1979

निर्देश सं० 874—यत, मुझे, बी० बी० सुब्बाराव, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/— वपये से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० 162/1 श्रीर 201 है, तथा जो काल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उन्डी में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-7-1978

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल के का का विश्वास नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रश्नीम कर देने के घम्लरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय वा किसी धन मा भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रव उपत ग्रविनियम की घारा 269-ग के ग्रमुखरण में, में, अपत प्रधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिब्बत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री एन० रंगाराव,
 - (2) श्री एन० बाला कृष्णाराय,
 - (3) श्री एन० गंगाधर राव, काल्ला

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० वेंकटा मत्यवती भीमगरम

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति क ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.-

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी का से 45 विम की शविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तवद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्छोश्वरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभावित है, वही मधें होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उन्डी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-7-78 में पंजीकृत बस्तावेज नं० 1063/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

> बी० वी० सुब्बा राव सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 31-1-1979

मोहरः

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 31 जनवरी 1979

निर्देण सं० 875—यतः मुझे, बी० वी० मुख्बा राव, प्रायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इमर्मे इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहां गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० केतीबाडी है, तथा जो चटराई में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नूजवीड् में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख़ 19 जुलाई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूक्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दूक्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत धिक है धीर धन्तरक (धन्तरकों) धीर धन्तरितों (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त ग्रिश्वनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धाय-कर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिष्ठितयम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविद्या के लिए;

भ्रतः भव, उत्तत भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में में, उत्तत भिधिनियम, की धारा 269-ग की उपवारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--8-16G1/79

1. श्रीमती इनुगटी लक्ष्मी बेंकायम्मा चट्राई

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पी० मत्यवती विजयवाड़ा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीश्व से 45 दिन की ध्रविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रविधि, जो भी ध्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही धर्य होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नूजनीड़ रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पौक्षिक ग्रंतः 31-7-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1854/78 में निगमित ग्रनुसूची सम्पत्ति ।

> बी० वी सुब्बा राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 31-1-979

प्रक्प भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के धाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० 876—यतः मुझे, बी० वी० सुब्बा राव, शायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के ग्रिधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूपमें से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 74 है, तथा जोबोम्मुरू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है, रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजहमन्ड्री में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 15-7-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रत्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है भौर यह कि श्रग्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्सरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भ्रन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु :---

- 1. (1) श्री श्रार० वेंकटासुब्बाराय,
 - (2) श्री ग्रार० वेंकटा कृष्ण राव,
 - (3) श्री ग्रार० वेंकटा नरिंमहा राव,
 - (4) श्री श्रार० श्रीनिवासा राव, राजमन्ड्री

(भ्रन्तरक)

2. श्री जी० वेंकटा कृष्ण राजहमन्द्री

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबढ़

 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित है वहीं श्रथं होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

Diens

अनुसूची

राजहमन्ड्री राजस्ट्री ग्रधिकारी से पाँक्षिक ग्रंत 15-7-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2818/78 में निगमित अनुसूची मम्पत्ति ।

> बी० वी० सुब्बा राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख: 6-2-1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी• एन० एस•-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० 877—यतः मुझे, बी० बी० सुब्बा राव, धायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्रुप से श्रीष्ठक है

श्रीर जिसकी सं० 74 है, तथा जो बोम्मूरू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ६५ से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजहमन्द्री में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-7-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत जक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविश्वा के लिए;

ग्रत: ग्रस, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रभीत निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात्:---

- 1. (1) श्री ग्रार० वेंकटा मुब्बाराव,
 - (2) श्री ग्रार० वेंकटाकृष्णराव,
 - (3) श्री श्रार० वेंकटा नर्रामहाराव,
 - (4) श्री ग्रार० श्रीनिवासाराव राजहमन्द्री (ग्रन्तरक)

2. श्री जी० पकीरय्या राजहमन्ड्री

(भ्रन्तरित्।)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख एँ 45 दिन की श्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गश्दों ग्रीर पवों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के ग्राथाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा जे उस ग्रध्याय में विशा गया है।

धनुसूची

राजहमन्ड्री रिजस्ट्री स्रधिकारी से पाँक्षिक श्रंतः 15-7-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2848/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> बी० वी० मुब्बाराव, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा ।

सारीख: 6-2-1979

मोहरः

प्ररूप साई० टी • एग • एस • -----

भायकर मिश्रित्यम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 8 फग्वरी 1979

र्निर्देश सं० 880---यतः, मुझे, बी०वी० सुब्बाराव, मघिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पश्चिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका **उचित बाजार** मृल्य 25,000/- न० से अधिक है भौर जिसकी सं० 26-16-28 है, तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), राजस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 25-7-1978 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुश्य, उसके बुध्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रशिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निधित उद्देश्य से उन्त पन्तरण लिखित में नास्तिनक

(क) ग्रस्तरण से हुई किसी बाय की अवत उक्त सिंधितियम के अधीन कर देने के श्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या

रूप से कवित नहीं किया गया है:---

(च) ऐसी निसी पाप या किसी घन या प्रत्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आमकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत शिधिनियम, या धन-कर प्रिमित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चास्ति चा, खिपानें में सुविधा के निए;

बतः यब, उक्त प्रवित्यम की घारा 269ग के धनुसरण में; में, उक्त प्रवित्यम की घारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीतः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री डी० सांबिणवराव विजयवाड़ा-3

(भ्रन्तरक)

- (1) श्री सी० एच० पिय्याचा,
 - (2) श्री पी उमा सांबिशिव राव,
 - (3) श्री उन्न वेंकटेस्वर राव विजयवाड़ा

(ग्रन्तरिती)

3. श्री पायनीर फुट वेर एजेंसीस विजयवाड़ा (बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी फरके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी ससे 45 दिन के भीतर उक्त म्बाबर संपत्ति में हितवड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मजोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा मर्कों।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पदों का, जो उत्स धिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं धर्थ होगा, जो उस धन्याय में दिया गया है।

अ**नुस्**ची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक श्रंतः 31-7-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3499/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> बी० वी० सुब्बा राव सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 8-2-1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ध(1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-III. कलकत्ता कलकत्ता, दिनाक 22 जनवरी 1979

निर्देण स० 442/एकुरे-3/78-79/वलकत्ता—यतः, मुझे, भास्कर सेन,

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० में प्रधिक है

श्रौर जिसकी स० 1 है, तथा जो मे फेयार रोड, क्लकत्ता में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण व्य में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उलित वाजार मूना से हा के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई । और मुझे यह विण्ताण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उलित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिणत अधिक है और अनारक (अन्तरकों) रोग अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से किथा नहीं किया गया है ---

- (क) धन्तरण से हुई किसी बाप को बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; घौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी पन या चन्य सास्तियों को जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिएचा, छिपानें में मुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269 को के प्रतु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की त्रारा 269 का की उपधारा (1) के अधीन निम्म विश्वित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री भव णंकर दास 11 सुरि लेन, गलकत्ता (प्रन्तरक)
- 2 में श्राजमेरा इनवैस्टमेट प्रा० लिमिटेड (श्रन्तरिनी)
- 3 मे० भ्रोरियेन्टल ट्रेडिंग इन्बेस्टमेट को० (श्रण) (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सत्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करक पृथींकर मम्पत्ति के धर्जन के निर्कार्यवाहिया करना हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:---इभम प्रयुक्त गन्दों और पदा का, जा कत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

करीब 16 कट्टा 10 छटाक 32 स्को० फुट जमीन के साथ उसपर बनाया दो तल्ना मकान ग्रीर ग्राउटहाउस जो 1, मे फेयार रोड, कलकत्ता पर ग्रबस्थित ।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-गाँ, कलकता-16

तारीख 22-1-19 79

प्रहा ब्राई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269प(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 2 फरवरी, 1979

निर्देण मं० एम० एन० 476/टी० श्रार० 454/सी-407/कल०-2/78-79—- अतः मुझे, आई० मि० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 3 है, तथा जो श्रोरियन्ट रोड, कलकत्ता में स्थित है, (श्रौर इसके स उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सियालदह में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रिष्ठीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिष्ठितियम या धन-कर श्रिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयाँ त्:---

1. श्रीमती पुष्पिता चौधरी

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मानसी राय चौधरी

(अन्तरिती)

मैं० निर्लन सिन्थेटिक को०

(वह व्यक्ति अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रजैन के निये एतदृद्वारा कार्यवाहियां सुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस मूनना के राजान में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास निखित में किए जा सकोंगे।

हरवडी हरग: --इसमें प्रयक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

करीब 450 स्त्रायर फुट जभीन जो 3 कट्टा 2 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया दो तल्ला मकान का अंग विशेष और जो 3 ओरियन्ट रोड, कलकत्ता पर श्रवस्थित। इस श्रन्तरन सब-रजिस्ट्रार, सियालदह धारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० I-4106/ 1978 का श्रनुसर है।

> आई० मि० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कलकत्ता-16

तारीख: 2-2-1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता-16, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० 56/कल/ 78-79—यतः मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

भ्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त भ्रष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु० से अधिक है

श्रोर जिसकी मं० 10/1, है तथा जो पोस्ट श्राफिस रोड, थाना दमदम, कलकला में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उखित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ध्रिधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या ग्रन्य ध्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय, श्रायकर ध्रिधनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भ्रम, उनतं भ्रविनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उनतं प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत् :---

- 1. इमान क्लिफोर्ड टाइरो, गथेन्डिोलिन, वियाद्रिम कोथेलहो (भ्रन्तरक)
- 2. मैंससं विजिनेस फर्मस नि०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवित, जा भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाल में प्रजासन की नारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के प्रश्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

10/1, पोम्ट स्नाफिस रोड, थाना-दमदम कलकत्ता पर स्थित । 1 बीघा 8 कट्टा जमीन तथा उस पर निर्मित एक मंजिला मकान के सब कुछ जैसे के 1978 का दलिल सं० L-3788 में और पूर्ण रूप से विणत है।

> एस० के० दास गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी महायक फ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-IV, कलकत्ता

नारीख: 9-2-1979

प्ररूप भाई । टी । एन । एस -----

श्रायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरोक्तण)

श्चर्णन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 फरवरी 1979

निर्देश मं० ए० मि०-59/रेंज/कल०/78-79—अतः मुझे एस० के० दासग्ता,

भायकर शिवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूमके पश्चात् 'तक्स शिवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० 7/1,हैं तथा जो बन बिहारी बोस रोड, हावड़ा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 27-7-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्राधिक है, ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) और ग्रम्तिशत (अन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित मे बारतिक कप से कियत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में मुबिआ के लिए; और/या
- (भा) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनायं अन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में शुविधा की सिए;

भतः घव उक्त धार्धिनयम की आरा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त कार्धिनयम की आरा 269 घ को उपवारा (1) के अधीन निश्नकित व्यक्तियों, अर्थात्:-- 1. डा० गोपी रंजन सामन्त

(भ्रन्तरक)

2. श्री चन्डी चरण दे, मानिकचन्द दे, रघुनाथ दे तथा भोलानाथ दे

(भ्रन्तरिती)

को या सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के आर्जन के जिए कार्य गहिया करता है।

उक्त जन्मति के प्रभी के जनबन्ध में कोई भा प्राञ्जेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की शविध, जो
 भी शविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी स्थिति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास तिक्षित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिष्टिनयम, के भव्याय 20-क में परिभाषित नै, नहीं भर्म होगा जी उस भव्याय में दिया गया है।

मनुसूची

7/1, बन बिहारी बोम रोड, हाबड़ा, में स्थित 2 कहा 4 छटांक स्को० फि० जमीन तथा उस पर निर्मित दो मंजिला मकान के सब कुछ जैसे के 1978 का दलिल सं० 1203 में भीर पूर्ण रूप से विणित है।

> एस० के० दास गुप्ता, स**क्षम श्रधिकारी** स**हायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 12 फरवरी, 1979

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 17 फरवरी 1979 निर्देण मं० ए० मी० 43/रेंज-∏/कल/78-79—म्ब्रतः मुझे एम० सी० यादव,

आय तर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर मन्पिन, जिमका उवित बाजार मृन्य 25,000/- ह के अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 8-बी है तथा जो श्रानिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रिजस्ट्रार एन्स्पुरस कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-7-1978

पूर्वोक्त मम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर अन्तरक (अस्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) यस्तरण में हुई किमी प्राय की बाबत उपत अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए; शीर/या
- (का) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिमाने में सुविधा के लिए:

अत: अत, उक्त यवितियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधितियम की धारा 239-व की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्षात :--- 9—16GI/79

1. श्री सराज पाल एण्ड बैज नाथ सिंह, 13-ए, ग्रालिपुर रोड, कलकत्ता

(ग्रन्तरक)

श्री मंगीलाल कागरी
 8-बी, म्रालिपुर रोड, कलकत्ता।

(ग्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप:--

- (क) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 अवधि बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य अ्थिनत द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिश्चित्रयम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में विसा गया है।

अनुसृची

8-बी, म्रालिपुर रोष्ट, कलकत्ता का तीसरा मंजिल में एक फ्लैट है। जमीन का परिमान 2145 स्का॰ फुट (2145 sq.ft.).

एस० सी० यादव, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2, कलकत्ता

तारीख: 17-2-79

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रापुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 फरवरी 1979

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- द० से प्रधिक है और जिसकी सं० 8/B, है तथा जो अलिपुर रोष्ट कलकता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रिजस्ट्रार श्राफ एस्युरेंस, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 5-7-1978

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मितिकल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (भन्तरकों) भौर मन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राम की बाबत उक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय धायकर धिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिविनयम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त प्रवितियम की धारा 269-ग के धनुसरक में, में उक्त प्रवितियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रवीन निम्नतिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—— श्री सूराज पाल श्रौर बैजनाथ सिंह, 13-ए, श्रालिपुर रोड, कलकत्ता

(भ्रन्तरक)

श्री मांग लाल बागरि
 8-बी, श्रलिपुर रोड, कलकत्ता।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भ्रषं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अन्**सूची**

थर्ड फ्लोर, प्रिमिमेम नं० 8-बी, ग्रालिपुर रोड, कलकत्ता। माप 2245 स्वायर फीट है।

> एम० सी यादव सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कलकसा

तारीख: 17-2-1979

प्रकप भाई• टी॰ एन॰ एस॰~~

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के प्रधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 17 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० मी० $45/\bar{\text{t}}$ ज-II/कल०/78-79—-श्रतः मुझे, एस० सी० यादय

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- वपए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 6 है, तथा जो श्रशोका रोड, कलकत्ता-27 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ एस्युरेन्स में रजिस्ट्रीकरण श्रधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 28-7-78 को

पूर्वोशन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अविनियम के धंधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए या या. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त धिवितयम की धारा 269-व के धनुसरण में मैं, उक्त धिवितयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- 1. श्री प्रदीप कुमार गोयन्का,
 - 6, जग मोहन मल्लिक लेन, कलकत्ता-7

(भ्रन्तरक)

मै० प्रभुजी भाषापार (प्राइवेट) लिमिटेड,
 24, ग्रार० एन० कलकत्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोका सम्प्रति के प्रजैन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

डबन सम्यति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, घंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

हपध्धीकरण:--इसर्में प्रयुक्त शब्दां भीर पर्यो का, जो उक्त भिधिनियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अथ होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 4 कट्टा 2 छटांक, 4 स्क्वायर फीट, श्रांशिक तरफ मेंनं० 6, श्रशोंका रोड, कलकत्ता-27

> एस० सी० यादव सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 17 फरवरी, 1979

प्रस्प माई० टी० एन० एस०----

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 20 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० /रेंज-1/कल./78-79—श्रतः मुझे श्राई० बी० एस० जंजे

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 78 है तथा जो रिफ ग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 26-7-7-8

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भाष्टिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत, उक्त भ्रिष्ठितयम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए:

यतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरक्ष में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिवित व्यक्तियों धर्वात्:— 1. श्री देव प्रसाद गर्ग

(भ्रन्तरक)

2. उडलयन्ड इन्वेस्टमेंट (प्रा० लि०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वड्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के भध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसची

78, रिफ श्रहमद किंदबाई रोड, में श्रवस्थित, 15 कट्टा 1 छटांक, 17 वर्ग फिट, जमीन पर मकान का 1/4 हिस्सा जो 26-7-78 तारीख में, रजिस्टर श्राफ एस्युरेन्स कलकत्ता के पास में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

ग्नाई० बी० एस० जुंजे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, किदबाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 20-2-79

प्रकप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

<mark>प्रर्जन रेज,</mark> कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 फरवरी, 1979

निर्देश स० Sl. 478/TR-381/B-338/78-79--ग्रतः मुझे, ग्राई० वी० एम० जुनेजा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 78 है, तथा जो रिक ग्रहमद किदवाई रोष्ट, में स्थित है (ग्रीर इममे उपाबद्ध ग्रनुमूची मे ग्रीर जो पूर्ण रूप में विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 25-7-78 को

पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मून्य से कम के दृश्यभान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यद्यापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उमार दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से सकत अन्तरण सिचित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्वरन से दूई कियो यात्र ो बाबत जनन श्रीध-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी भर भा भस्य धारितारों को, जिस्हें भारतीय भायकर पांधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका सार्जनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिबे था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः पव, उक्त प्रधितियत की धारा 269-भ के अनुसरण में में, चक्त ग्रिधितियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के भौत यित्रलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री भूपाल प्रसाद गर्ग, तथा हर प्रसाद गर्ग (श्रन्तरक)
- 2. मैं० उडयमन्ट इन्वेस्ट मेट (प्रा०) लि० (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वानत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के मम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :→~

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पथीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस धन्याय में विका गया है।

प्रनुसुची

78 रिफ प्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता में प्रवस्थित 15 कट्टा, 1 छटांक, 17 वर्ग फिट, जमीन पर मकान का 1/2 हिस्सा जो डीड नं० I-3662 प्रनुसार, 25-7-78 तारीख में रिजस्ट्रार श्राफ एस्युरेन्स का पास रिम्ट्रीकृत हुन्ना।

श्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) 54, रफी अहमद किंदबई रोड, भ्रजेंन रेंज-I, कलकत्ता-16

नारीख: 20-2-1979

प्ररूप घाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 फरवरी, 1979

निर्देश सं० 446/एकु० रेज-III/78-79---श्रतः मुझे, भास्कर सेन

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिमा सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समानि जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 35 हूँ तथा जो श्राहिन्पिकुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इमसे उपावड अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजरद्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-7-1978

को पूर्वोक्त संस्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निश्निविद्यत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिकक रूप से कामत नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि॰ नियम के भ्रष्टीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (क) एमा किमी ग्राय या किमी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

ग्रतः प्रव उकत प्रधिनियम की धारा 209-ग के धनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपश्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:— श्री देशसदय दत्त ग्रीर भ्रारतीदत्त
 6/1, गुरुसदय रोड, कलकत्ता ।

(भ्रन्तरक)

श्री लखी प्रसाद गौर मारिया,
 43, ग्रे स्ट्रीट, कलकत्ता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भाजन के संबंध में कोई भी भाक्षेप --

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तरसम्बन्धी ध्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्म**ब्हीकरण:--इ**समें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्<u>त</u> ग्रिधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्ग होगा, जो उस अक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 20 कट्टा 5 छटांक, 27 स्का॰ फुट जमीन साथ स्त्राकारसका ग्रविक्त 1/5 हिस्सा जो 35, ग्राहिरिपुकुर रोड, कलकत्ता पर ग्रवस्थित ।

भास्कर सेन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) 54, रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

सारीख: 22-2-1979

निर्देश

से प्रधिक है

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता , दिनांक 22 फरवरी, 1979 सं० 450/एक्ररे०/78-79/कल०----ग्रतः

भास्कर सेन बायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25000/- रुपए

श्रौर जिसकी सं० 35 है, तथा जजो श्राहिरिपुर रोड, फलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वस से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्यकि हथा में कथिन तहीं किया गया है:---

- (क) ध्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर देने के ध्रक्तरक के वायिक्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धौर/या
- (ख) एसी किमी आव या किमी झन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192. (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिये वा, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः प्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) से अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, ग्रथांत :--- श्री देबसदय दत्त ग्रौर श्राग्नी दत्त
 6/1, गृभ्सदय रोड, कलकत्ता

(ग्रन्तरक)

- 2. मोहनलाल गोरगारिया
- 43, ग्रे स्ट्रीट, कलकत्ता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्शप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविद्य, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताकारी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जा उपन ग्राधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं ग्राचें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

करीब 20 कट्टा 5 छटांक, 27 स्का० फुट, जमीन साथ स्त्राकाचारमका ग्रविभक्त 1/5 हिस्सा जो 5, ग्राहिरिपुकुर रोड, कलकत्ता में ग्रवस्थित है।

भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी महायक ब्रायकर ब्रामुक्त (निरीक्षण) 54, रफी अहमद किदवई रोड श्रर्जन रेंज, कलकता

तारी**य** 22-2-1979 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एउ० एस०---

म्रायकर म्रिवितयम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश मं० 452/एक्रुरेण/78-79/कन-1---ानः पुझे, भास्कर सेन

स्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है क स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रीधक है

श्रौर जिसकी गं० 35 है, तथा जो श्राहिरिपुकुर रोड, कलकत्ता में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 18-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उ कित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी स्नाय की बाबत उक्त स्रिध-नियम, के स्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; र/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रन, उन्त श्रिघिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के श्रिधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— 1. देबसदय दत्त और आरती दत्त 6/1, गृष्टसदय रोड, कलकत्ता

(भ्रन्तरक)

श्री नन्द लाल गौरभारिया
 43,ग्रे स्ट्रीट, कलकत्ता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्गन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपष्टीकरण: → इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रवितियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस अध्याय में विया क्या है।

प्रमुस्वी

करीब 20 कट्टा, 5 छटांक 27 स्का० फुट जमीन साथ-स्ट्राकाचारमका ग्रवभिक्त, 1/5 हिस्सा जो 5 ग्राहिरिपुकुर रोड, कलकता में ग्रवस्थित है।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) 5-1, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16 ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख 22-2-1079 मोहर: प्ररूप भाई । टी । एन । एस ----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 22 फरवरी 1979

निदेण सं० 451/एकुरे- /78-79/कल०⊶-ग्रन मुझे भास्कर सेन

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 35 है, तथा जो श्राहिरिपुकुर रोड, कलकला में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय कलकला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की नाबत, उक्त भ्रिधिनियम के भ्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मै, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:——
10—16G1/79

 1. देवनद्रा यत घीर घारती दल 6/1, गुस्मदय रोड, कलकता 1

(ग्रन्तरक)

2 मोह्नचा र मीर मारिया 43 थे रद्रीड, कातक्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त मक्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथें होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 20 कट्टा, 5 छटाक, 27 स्को० फुट जमीन साथ स्ट्राकबारसका ग्राविभक्त 1/5 हिस्सा जो 35 श्राहिरिपुकुर रोड, कलकता में श्रवस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

नारीख: 22-2-1979

प्ररूप भाई• टी० एन० एस०-----

भायकर प्रकितियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलफत्ता, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 453/एकुरे०-III/78-79/कल०—-श्रतः मुझे भास्कर सेन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए से प्रधिक है,

श्रीर जिमकी सं० 35 है, तथा जो आहिरिपुकुर रोड, कलकता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता म रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूस्यसे कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर भ्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, म, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) प्रधीन, निम्निसिंदत व्यक्तियों, प्रयत्।--- वेबसदय दत्ता और आरती दत्ता
 6/1, गुरुसदय रोड, कलकत्ता

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमलता गोरसारिया 43,ग्रे स्ट्रीट, कलकत्ता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त भिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 20 कट्टा, 5 छटांक 27 स्को० फु० जमीन साथ स्ट्राकचारसका ग्रविभक्त 1/5 हिस्सा, जो 35 ग्राहिरिपुकुर रोड, कलकत्ता पर ग्रवस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III 54, रफी अहमद किववई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 22 -2-1979

प्रकप साई • टी • एन • एस • ----

भायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 456/एक्युरे-III/78-79/कल०—-ग्रतः मुझे भास्कर सेन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वासकरने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 4 ए, है तथा जो 33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख 18-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ध्रिष्ठिक है भौर धन्तरक (भन्तरकों) धौर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (स) अन्तरण सें हुई किसी आय भी बाबत उक्त अधिनियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; मौर/या
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की बपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रनामिका बिल्डर्स प्रा० लि०,
 २०, गनेशचन्द्र एवेन्य, कलकत्ता ।

(ग्रन्तरक)

श्री इन्दु कुमार दोसी
 33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के ग्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप: --

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीबा से 45 विन की प्रविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ब) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा नकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के घ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही घर्ष होगा, जो उम घष्ट्याय में दिया गया है।

धनुसूची

समुचा प्लाट '4ए' जो 33 डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्तापर प्रवस्थित ।

> भास्कर सेन स**क्षम प्राधिकारी** सहायक भायकर भ्रायु**क्त (निरीक्षण)** भ्रजीन रेंज, कलकत्ता

तारी**ष**: 22-2-1979

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 122 फरवरी, 1979

निदश सं० 457/एकुरे-III/78-79/कल०—-भ्रत: मुझे भास्कर सेन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 3 ए है, तथा जो 33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाश्रद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 18-7-1978

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उन्त भ्रिभिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उन्त भ्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यन्तियों, भ्रथांशः— ग्रनामिका बिल्डर्स प्रा० लि०
 य0, गनेश चन्द्र एकेन्सु कलकला

(ग्रसारक)

श्री जसवान्त सिंह चौहान
 33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना गारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकागन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील ने 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रवीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वद्दोहरग'--इयर्ने पयुन्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उसत ग्रिबितयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नही अर्थ होता जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुचा फ्लाट 3ए जो 33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता पर स्रवस्थित ।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-, कलकत्ता

नारीख: 22-2-1979

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सस्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकसा

कलकता, विनाक 24 फरवरी 1979

निर्देश स० ए०सी०-60/मर्जन/रेज-IV/कल०/78-79—-म्रत मुझे एम० के० दाम गुप्ता,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उपए से ध्रधिक है

श्रीर जिसकी स० है तथा जो श्रमरामोना मौजा, थाना, राणीगज, जिला बर्धमान में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध स्रमुसूत्री में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राणीगज, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908) का श्रधीन तारीख 31-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निखित में बाम्तविक का में कथित हो कि सा गरा है:——

- (क) मन्तरण से 'ई किसी भाय की बाबत उक्त घिष्टिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिजा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निए;

अतः भव, उक्त भाधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिखन अवित्यां, अर्थान -- 1 मरदार रेशम सिंह

(म्रन्तरक)

2 मरवार कुलबीप मिह

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता ह ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विका गया है।

अनुसूची

्लाट स० 1218, पाजाबी मोड, राणीगज, जिला बर्धमान में स्थित है 5 कट्टा जमीन के सब कुछ जैसे, के 1978 का दलिल म० 3753 में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है।

> एस० के० दास गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कलकत्ता

नारीख: 24-2-1979 मोहर: . प्रकप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रीधनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1979

निदेश सं० ए० सी० 61/म्पर्जन/रेज-IV/कल०/178-79---म्रत: मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो मौजा श्रमरासोना, थाना रानी गंज, जिला बर्धमान में स्थित है (ग्रौर इससे ृंउपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राणीगंज, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिष्ठित्यम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (बा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के बिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की आरा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निस्निलिखित व्यक्तियों, प्रयोत:--- 1. सरवार रेशम सिंह

(ग्रन्तरक)

2. श्री हरपाल सिंह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त ग्रब्वों श्रीर पवीं का, जो उक्त श्रिधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 1218, पानाजी मोड़. राणी नंज, जिला बधेमान में स्थित 5 कट्टा जमीन के सब कुछ जैसे के 1978 का दिल्ल सं० 3754 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दास गुप्ता 'सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकता-16

तारीख: 24-2-1979

मोष्टर :

प्रकप माई० टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीअहमद किदवाई रोड़,
ग्राजन रेंज- , कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 26 फरवरी 1979

निशर्दे सं० 460/एकुरें-UI/78-79/कल०---ग्रतः मुझे, भास्कर सेन,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 474 है तथा जो रवीन्द्र सरनी, कलकत्ता में स्थित है (स्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में जो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-7-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पण्ट्रह प्रतिशत से धिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धण्डरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त सक्षि-नियम के अधीन कर देने के धन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्तिश के लिए; भीर/वा
- (आ) ऐसी किसी भाष या किसी घन या घन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भाषकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भिधीन, निक्तलिखित व्यक्तियों अर्थात:- श्री कालीपद चक्रबर्ती 13, नाथर बागान स्ट्रीट, कलकत्ता।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भूपति चन्द्र चन्द्र 136 रवीन्द्र मरनी कलकत्ता टेनान्ट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिएकार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्ठा 7 छटाक 34 स्कीः फुट जमीन साथ उस पर बनाया तिनतला मकान जो 474, रबीन्द्र सरनी, कलकत्ता पर श्रवस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-III कलकत्ता-16

तारीख: 26-2-1979

प्ररूप प्राई • टी • एन • एम • ----

ग्रापकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रियोन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद किदबई रोड़, भ्रजेन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकता-16, विनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 458/एकुरे-Ш/78-79/कलः — ग्रतः मुझे, भास्कर सेन,

वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है और जिसकी सं० पलेट 4 वी है तथा जो 33, डा॰ राजेन्द्र रोड, कलकला में स्थित है (और इसके उपाबद्ध प्रनुसूची में जो पूर्ण का में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-7-1978

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्तविक कथ से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रष्टारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त धिधनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त श्रीधनियम की धारा 269-ग के श्रवसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

 अनामिका बिल्डर्स प्रा० लिमि० 20 गनेण चन्द्र एभिन्यु, कलकक्षा।

(ग्रन्तरक)

श्री मुक्त नाल एम ० पारंख 33. दा०राजेन्द्र रोड. कलकत्ता
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्जीका सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सै 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भाष्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्शे का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में यथा परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

ममुचा पलेट '4 बी' जो 33,डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता पर स्रबस्थित ।

> भास्कर सेन, सक्षम प्राधिकारी, महायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज -III, कलकत्ता-16

तारीखाः 22-2**व**1979

से प्रधिक है

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

भायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 1 मार्च 1979

निर्देश सं ० एर्नस-62/प्रार्जन रेंज-IV/कल/1978-79---पतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०

श्रौर जिसकी सं० ः है तथा जो थाना तथा मौजा -- उत्तर पाड़ा, जिला हुगली में स्थित है (ऋौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्याक्षय, चन्दन नगर में, रजिस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 27-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह करने है कि का कारण यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तर बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रव, उनत भ्रधिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यात्:---11-16GI/79

1. श्रां स्रोत न्वार्जी

(अन्तरक)

2. श्री प्रबीर कुमार घोष

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्न म प्रकाशन की से 4.5 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजयत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रशं काति द्वारा, प्रवीवस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगाजो उम अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

11 कट्ठा 3 छटाक 2 स्को० फिट जमीन तथा एक मंजिला मकान, थाना तथा मौजा उत्तरपाड़ा, जिला हुगली, जैसे की 1978 का दलिल मं० 1045 में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज IV, कलकत्ता-16

तारीख: 1-3-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० इत----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद किदवाई रोड,

ग्रर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनाक 1 मार्च 1979

निदेश सं० ए०मि० 63/प्रर्जन रेज-IV/कल०/1978-79— यतः मुझे, एम० के० दास गुप्ता आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख

इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० है तथा जो थाना तथा मौजा उत्तरपाड़ा जिला हुगली में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध सन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय चन्दन नगर मे, रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 27-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के निए प्रन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रविक्त है और धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बोच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरज से हुई किसी भाष की बाबत उक्त प्रिवितयम के भधीन कर देने के भन्तरक के दाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर भिर्मितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविमा के लिए;

भत: भव, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) धाधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्यात:---

1. श्री सुंदर्णन मुखार्जी

(अन्तरक)

2. श्रीमती दन्द्रावती घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवादियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविधि, जो भी
 ध्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

क्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भिन्नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11 कट्ठा 3 छटाक 2 स्को० फिट जमीन तथा उस पर स्थित स्ट्रक्चर, थाना तथा मौजा उत्तर पाडा, जिला हुगली, जैसे के 1978 का दलिल स० 1046 में और पूर्ण रूप में वर्णित है।

> एस० के० दासगुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरंज-IV. कलकत्ता कलकत्ता-16

तारीख : 1-3-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

54, रफी अहमद किदवई रोड, धर्जन रेज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 1 मार्च 1979

निर्देश स० ए० सी० 64 रेज-IV/कल०/1978-79---यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है) की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से भ्रधिक है

प्रौर जिसकी सं० है तथा जो मौजा तथा थाना उत्तर पाडा जिला हुगली स्थित है (फ्रीर इसमें उपाबड़ अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय चन्दन नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के भधीन कर देने के भग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिखत व्यक्तियों, ग्रमिष्:--- 1. श्री सुदर्शन मुखार्जी

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरिपद घोष

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किमी धन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टोकरण :--इसम प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का. जो उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वहां श्रर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धन्सूची

11 कट्ठा 3 छटक 2 स्कायर फिट खाली जमीन, मौजा तथा थाना उत्तरपाड़ा, जिला हुगला, जैसे के 1978 का दलिस सं० 1047 भे ख़ौर पूर्ण रूप से खाणित है।

एम० के० दासगुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेज-IV,
कलकत्ता-16

नारी**ख** . 1-3-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन• एस०---

म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद किदवई रोड,

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता
कलकत्ता-16, दिनांक 1 मार्च 1979

निर्वेश सं० ए०सी० 65/र ज-JV/कल०/1978-79—-यतः मुझो, एस० के० दासगुप्सा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विष्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है, ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो मौजातथा थाना उत्तर पाड़ा, जिला हुगली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय चन्दन नगर में, राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 27-7-1978 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य सेकम के दृश्यमान प्रतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर शन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिष्टिनियम, के भ्रिष्टीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

मतः भव, उन्त मिधिनियम की धारा 269 ग के मनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अथीत्:— 1. श्री सुदर्शन मुखार्जी ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राधाण्याम घोष ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के ब्रर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताभरों के पास लिखित म किये जा सकेंगे।

स्पटिशकरण: इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं ग्रिथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11 कट्ठा 3 छटाक 2 स्कायार फिट जमीन तथा स्ट्रक्चर, मौजा तथा थाना उत्तर पाड़ा, जिला हुगली, जसे के 1978 का दिलल मं० 1048 में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है।

> एस० के० दासगुप्ता, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-IV, कलकत्ता-16

तारी**ख** 1-3-1979 मोहर प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

भ्रायकर भ्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद किदवई रोड, श्रजंन रेंज IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, तारीख 1 मार्च 1979

निर्देण सं० ए० सी० 66/र ज-1V/कल०/1978-79---यत मुझे, एम० के० दामगुप्ता

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिषक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो मौजा तथा थाना उत्तर पाड़ा जिला हुगनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चन्दन नगर में, रजिस्ट्री हरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 27-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल के पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: मन, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत निम्तिलिखा व्यक्तियों भवति :--

1. श्री सुदर्शन मुखार्जी

(ग्रन्तरक)

2. श्री गोपाल चन्दू घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी स्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रीवित्यम के ग्रध्याय 20-रु में परिनाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

11 कट्ठा 3 छटाक 2 स्को० फिट खाली जमीन, थाना तथा मौजा उत्तरपाड़ा, जिला हुगली, जैसे के 1978 का दलिल सं० सं० 1049 मे भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दामगुप्ता, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता कलकत्ता-16 ।

त।रीख: 1-3-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

थायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
54, रफीअहमद किदवई रोड,
श्रजम रेंज-IV, कलकत्ता-16
कलकत्ता-16, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० मी० $67/\overline{t}$ ज-IVनःन०/1978-79—यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता

कायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार यम्निल, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से श्रीधक है

स्रोर जिसकी सं० 19 है तथा जो सुरा थार्ड लेन, कलकत्ता-10 में स्थित है, (स्रोर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी दे कार्यात्रयः णियलदाह में, रिजस्ट्री-करण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 5-7-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तिरित की गई है धोर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के गन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और यह कि धन्तरक (श्रन्तरकों) धोर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रन्तरण में हुई कियो ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विधा के लिए;

श्रतः श्रव, दक्त भविनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:-- 1 श्री निर्मत बरण भट्टाचार्जी

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती सुभरा दे तथा कृष्णा दत्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहिया करता हूं। उक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो जक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रय होगा जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 19, मुराथर्ड लेन, कलकत्ता-10, फ्लेट सं० 49, मि० श्राई० टि० स्कीम-IV एम०, थाना बोलयाघाटा के 5 कटा 5 छटाक 5 स्को० फिट खाली जमीन, जैसे के दलील सं० 735 (1978 माल का) में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है।

> एस० बें० दासगुप्ता, सक्षम प्राधिवारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-, कलकत्ता कलकत्ता-16

तारीख: 5-3-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस •---

भ्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-आ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद किदवई रोड, अर्जन रेंज-IV,कलकत्ता कलकत्ता-16, दिनाक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 68/रेज-IV/कल/1978-79---यत: मुझे, एम० के० दासगुष्ता

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० 188/1 है तथा जो मानिकतला मेन रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर उससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वणित है), रजिस्ट्रीक्तों श्रीधवारी के दार्यालय श्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनाक 22-7-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी धाय को बाबस, उक्त प्रधिनियम के ध्रधीन, कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या घन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उक्त ग्रधिनियम की श्रारा 269-ग के श्रन्सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) से ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:---

- । श्री लक्ष्मी प्रसाद बारना (ग्रन्नरक)
- 2 श्री प्रहाण चन्द्र पाव (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: --इममें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त स्रिध-नियम, के स्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही स्रथं होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

प्रनुमूची

188/1, मानिकतला मेन रोड, कलकत्ता के 3 कट्टा 12 छटाम खाली जमीन जैसे के 1978 का दलिल सं० 4320 में और पुणं रूप में वर्णित हैं।

> एस० के० दास गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, महायक अध्यक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-IV, मलकत्ता-16

तारीख: 5-3-1979

प्ररूप धाई० टी० एम० एस०----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-IV,

54, रफी प्रह्मद किदवई रोड,

कलकत्ता, दिनांक 5 मार्च 1979 निर्वेश सं० ए० सी० 69/रेंज-IV/कल/1978-79---यतः मझे, एस० के० दासगुष्ता,

प्रायकर अग्नितिथम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अग्नितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० प्लाट सं० 240 है तथा जो ब्लाक-ए लेक टाउन में स्थित है (श्रौर इससे उपायक अनुसूची में पूर्ण का से विजा है). रिजस्ट्रीहर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 वन 16) के श्रधीन, तारीख 28-7-78 को

16) के अवीन, ताराख 28-7-78 की पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित थाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक स्था मे कियत नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण में हुई किसी श्रायकी यावत उकत शिक्ष-नियम के प्रधीन कर देने के सम्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में युविधा के लिए; मीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपछारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यातः---

- 1. श्री पनचानन मौलिक (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रसित कुम।र मजुमदार (ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्गन के विष् कार्यवाहियां करना है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दार।
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस घडराय में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्लाट सं० 240, ब्लाक ए०, लेक टाउन, मौजा-पाति/ुकुर, जिला 28 परगना के 5 कट्टा 5 छटांक जमीन जैसे कि 1978 का दलिल सं० 3761 में ख्रौर पूर्ण रूप मे विणत है।

> एस० के० दासगुप्ता, सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख: 5-3-1979

प्रकप साई • टी • एन • एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद किदबई रोड, अर्जंन रेंज- , कलकत्ता,

कलकत्ता-16, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी॰ 70/रेंज-IV/कल/1978-79— यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ग्रंबात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा नया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सद्धम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- बपये से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० खितयान 203 है तथा जो मौजा-सौवपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बाराक पुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 14-7-78

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/वा
 - (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री निषुरंजन मजुमदार

(भ्रन्तरक)

2. श्री जीवन कृष्ण साहा तथा श्रीमती रुणु रानी माहा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पत्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्वच्छीचरण:--इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, ओ उक्त मिन्न-नियम के मन्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा को उस मन्याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

5 कट्ठा जमीन तथा उस पर मकान, खतियान सं० 203, वाग सं० 7, मौजा-सौदपुर, पानिहाटि म्यूनिसिपल्टी, जिला 28 परगणा जैसे ॄिक दलिल सं० 3058 (1978 का) में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दास गुप्ता, सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-IV, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त धिवियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः --12—16GI/79

तारीख: 5-3-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-IV,

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सीं०/रेंज/कल०/19——यतः मुझे, एस० के० वासगुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कहरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- २० से अधिक है

भीर जिसकी सं० मौजा देवग्राम है तथा जो शिलिग्ड़ी, जेला दार्जिनिंग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमास प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के गयित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी कियो प्राय या किसी घन या प्रस्थ प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रम्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः प्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त भिधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्री केसर देव सराफ । (ग्रन्तरक)
- 2 श्री प्रमोद कुमार श्रप्रवाल। (श्रन्तरिती)
- 3. श्री दुर्गास मिल (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)।

की यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 विन की भविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्थ स्थक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भड़ियाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा जो उस भड़ियाय में दिया गया है।

अमुस् ची

करीब 1 बिधा 1.5 कट्टा जमीन जो मौजा देखग्राम गिलिगुड़ी, जिला दार्जिलिंग पर श्रवस्थित श्रौर जो दलिल सं० 3459/1978 के श्रनुसार है।

> एम० के० वाम गुप्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-- IV, कलकत्ता

तारीख : 6-3-1979

प्ररूप भाई । टी । एन । एस । ----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता
अर्जन रेंज-IV
कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी०/रेज/कल०/19—-यतः मुझे, एस० के० दासगुप्त भायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित कारण है 25,000/-**च**पये से भ्रधिक बाजार मुल्य श्रौर जिसकी सं० मौजा देवग्राम है तथा जो शिलिगुड़ी, जिला दार्जिलिंग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 13-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिक्षिक नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः शव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

- 1. श्री केसर देव सराफ। (भ्रन्तरक)
- 2 श्री निर्मल कुमार श्रग्रवाल। (श्रन्तरिती)
- 3. श्री दुर्गा म भिल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्न मन्यित के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्वति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की ग्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 बिघा 1.5 कट्टा जमीन जो मौजा देखग्राम, शिलिगुड़ी, जिला दार्जिलिंग पर श्रवस्थित है ग्रीर जो बिलिल सं० 3458/1978 के श्रनुसार है।

> एम० के**०** दामगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-IV कलकत्ता

तारीख: 9-3-1979

प्ररूप आई • टी • एन • एस • -----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायकत (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज IV,

54 रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 74/रेंज-IV/कल०/1978-79यतः, मुझे एस० के० दासगुप्ता
धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पण्णात् 'उक्त घिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ध के घधीन
सक्तम प्राधिकारी को यह विक्लास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- वपये से घधिक है
धौर जिसकी सं० प्लाट सं० 172 है तथा जो सी० प्राई०
टी० वी० आई० स्कीम एम, कल०-54में स्थित है (प्रौर इससे
उपाबद्ध प्रनुस्ची मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख
17-2-78 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल स ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति गत से धिक है भीर घन्तरक (घन्तरकों) भीर घन्तरितों (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से किया नदीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्त भिष्ठितियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आत्र यो किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों,
 को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए बा, खिलाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत्। मिधिनियम की भारा 26% ग के भनुसरण में, मैं, उनत मोधिनियम की धारा 26% म की उपधारा (1) के अधीन, में, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- श्रीमती रंजना मोहनलाल जोशी (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरनाथ राग ग्रगरवाला ग्रौर ग्रन्यान्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रवंत के मंत्रेष्ठ में कोई भी प्रार्केष :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.भ भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव के किसी सन्य क्या कित द्वारा सत्राहम्ता हो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उस्त धर्धि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रद्याय में दिश गया है।

अनसूची

करीब 4 कट्ठा 7 छटांक 41 स्वना० फु० जमीन जो प्लाट सं० 17, सी० ग्राई० टी० स्कीम वी० आई० एम, कलकत्ता-54 पर भ्रवस्थित है भ्रीर जो दिलल सं० 4178/1978 के भ्रनुसार है।

एस० के० दामगुष्ता सक्षम श्रधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) 54, रफीअहमद किदवई रोड,

अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनाक 14 मार्च 1979

निदश मं० ए० सी०/रेज/कल०/19—यतः मुझे, एम० के० दासगुप्ता

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० मौजा सिलिगुड़ी है तथा जो जिला दाजिलिंग में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिलिगुड़ी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार
मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रम, उक्त श्रधिनियम की धारा, 269 ग के श्रनुसरण में भै, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्-- 1. श्री सत्यनारायन राम।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रामानन्द प्रसाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धाजन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की श्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विस के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टी हरगः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही श्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

करीब 5 कहा जमीन जो मौजा सिलिगुड़ी, बर्थंड सं० II पर श्रवस्थित श्रौर जो दलिल सं० 4599/1978 के श्रनुसार है।

> एम० के० दामगुष्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 14-3-1979

प्रक्षण माई॰ टी॰ एन॰ एस॰~~~~~ आश्यकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

54, रफीग्रहमद किदवई रोड,

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 50/रेंज-II/कल०/1978-79---यत: मुझे, एस० सी० यादव,

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 150/10/7 है तथा जो महात्मा गाधी रोड़, बेटाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रिजस्ट्रार, 24 परगना, श्रलीपुर मे, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बाक्तविक कप से कचित नहीं किया गया है :---

- (स) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त धिक्षित्यम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रीविनयम, 1922 (1923 का 11) या उक्त ग्रीविनयम, या धन-कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया क्षाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के सन्तरण में॰ में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उपबारा (1) अभीन निन्निविवित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री दीपक कुमार राय द्वारा श्री गिरिजा शंकर राय (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती लीला रानी चक्रवर्ती, पत्नी श्री जतीग चन्द्र चक्रवर्ती (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अक्षि-नियम के घड़याय 20-क में परिभाषित हैं, बही पर्य होगा को उस घड़याय में विया गया है।

प्रनुसूची

मौजा हरिदेवपुर, बेहला में स्थित 3 कट्ठा, 9 छटांक और 40.29 स्केट फीट जमीन तथा एक एक तल्ला मकान।

> एस० सी० यादव, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 12-3-1979

प्रस् धाई०टी०एन०एस०-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) ये प्रधीन पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV

54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्वेश सं० ए० सी० 76/रेंज-IV/कल०/1978-79--यतः, मुझे, एम० के० दास गुप्ता

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० मौजा-उत्तरपारा है तथा जो 7/16, लारेंम स्ट्रीट, थाना: उत्तरपारा, जिला हुगली मे स्थित है, (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रन्मुची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिरामपुर मे, रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 5-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोषत सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) से बीच ऐसे प्रश्वरण से लिए उप पापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त बन्दरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त मिंब-नियम 🗣 अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए, **पौर/या**
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय द्वायन्तर द्विधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्री निखिल रजन भट्टाचार्य
- (ग्रन्सरक)
- 2. श्री श्रमिताभ बक्सी
- (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की भवति, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीक्षर पूर्वोक्त **म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा**;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की लारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहरूताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

रपन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत भन्नि-नियम, के ध्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा जो उस प्रश्याय में दिया गया है।

प्रमुख्यो

करीब .050 ग्रेसि० जमीन साथ मकान जो 1/16 लारेंस स्ट्रीट, उत्तरपारा, हुगली पर अवस्थित और जो दलिल

> एस० के० दास गुप्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 17-3-1979

प्रकप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, IV-कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज/कल०/1978-79- यतः मुझे, एस० के० दासगुप्त

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनि सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से मिनिक है

घौर जिसकी सं० 56 है तथा जो सिमला रोड़, कलकत्ता-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, सारीख 3-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृग्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृत्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ख) एसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त प्रधितियम की बारा 269-ग के प्रतुसरण में, मैं, उक्त प्रधितियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के धनीन निक्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति :---

- 1. श्री हरिनाथ भट्टाचार्य (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती गौरीबाला कुमार (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत-सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिष्ठितियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुपूची

करीब 2 फट्टा, 2 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया 56, मिमला रोड़, कलकत्ता पर श्रवस्थित है जो दलिल सं० 846/1978 के अनुसार है।

> एस० के० दासगुष्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज IV कलकत्ता

तारीख: 17-3-1979

प्रकप चाई टी • एन • एस •-----

धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, IJI कलकत्ता, दिनांक 8 मार्च 1979

निर्देण सं० 463/एकु० रें० III/78-79/कल०-यतः मुझे, भास्कर सेन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार-मृत्य 25,000/-द० से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० 1/1 है तथा जो रोलान्ड रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता म, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 26~7~1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रस्तिरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण शिखित में वास्त-

- (क) घम्तरण से हुई किसी माग की नागत उनत भ्रक्षि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे जयने में सुनिधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः यब, उक्त प्रधिनियम का घारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रिधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अयोतः ---13---16GI/79 1. श्रीमती चन्दाबाई सुराईवा ,23 थियेटर रोड़,कलकत्ता (श्रन्तरक)

2 श्री विश्वेम्भर लाल गाह, 26/1जी, प्रसन्न कुमार टैंगोर स्ट्रीट, कलकसा्। (श्रन्तरिती)

को यह पूचना जारी क्षरके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपक्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाषीप :---

- (क) इस मूचता के राजपल में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दी भीर पर्दों का, को उक्त भिक्षितियम के भव्याय 20-क में परिकाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस् ची

करीव 10 कट्टा 3 छटांक जमीन साथ मकान का स्रिविभक्त 1/3 हिस्सा स० 1/1, रोलान्ड रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन गक्षम प्राधिकारी सत्त्वक ग्रायकर प्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

नारीख: **8-3-197**9

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर घष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय महायक भ्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) 54, रफीअहमद किदवई रोड धर्मन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता-16, दिनांक 8 मार्च 1979

निर्देश सं० 462/एकु० रें०-III/78-79/कल०---यतः मुझे, भास्कर सेन

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के न्नधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं 0 1/1 है तथा जो रोलान्ड रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख 26-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) स्नन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत उक्त भ्रिष्टित्यम के भ्रधीन कर वेने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किमो भाषा प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः भव, उस्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, उस्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान —

- 1. श्रीमती चन्दाबाई सुराष्ट्रया, 23 थियेटर रोड़, कलकत्ता । (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती गीता देवी शाह, 26/1जी, प्रमन्नकुमार टैगोर रोड़, कलकत्ता। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पर्दों का, जो उक्त श्रिक्षित नियम', के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जा उन ग्रह्माय में दिया गया है।

श्रनु सूची

करीब 10 कठा 3 छटांक जमीन साथ मकान का ग्रविभक्त 1/3 हिस्सा जो कि सं० 1/1, रोलान्ड रोड, कलकना पर ग्रवस्थित।

> भास्कर सेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-III, कलकत्ता कलकत्ता-16

तारीख 8→3-1979 मोहर: प्रकृष भाई० टी• एन• एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद किदवई रोष्ड, श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता-16, दिनांक 8 मार्च 1979

निर्देश स० 461/एकु० रें० HI/78-79/कल०--श्रतः, मुझे भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रु से मिधिक है

ग्नीर जिसकी मं० 1/1 है तथा जो रोलान्ड रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अग्नरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य है उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर में कियत तहों किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्राधित्यम के भ्राधीन कर देने के भन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या मन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उन्हें ग्रिधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-थ की उपधारा (1)के बाधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों:—

- 1. श्रीमती चन्दाबाई सुराइया, 23 थियेटर रोड, कलकत्ता। (श्रन्तरक)
- 2. श्री बिमल कुमार शाह, 26/1जी०, प्रसन्न कुमार टैगोर स्ट्रीट, कलकत्ता । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मालेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन की धनिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धनिध, जो भी धनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक कि भीत प्रकार के पास किया में किए जा नकेंग।

स्परशिकरण :--इममें प्रयुक्त शब्दों मौर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, उही पर्य होगा जो उस शब्दाय में दिवा गया है।

ग्रनुसूची

करीब 10 कठा 3 छटांक जमीन साथ मकान का ग्रिविभक्त 1/3 हिम्ना जो सं० 1/1 रोलान्ड रोड़, कलकत्ता पर श्रवस्थित।

> भास्कर सेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता-16

तारीख: 8-3-1979

प्रह्प भाई• टी प्रन• एस•———— भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भाषीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज II, दिल्ली-1

4/14क आमफ अनी, मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 24 मार्च, 1979

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/जुलाई-9/2774/78-79--श्रतः मुझे श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं दुकान न 3442-3447 तथा 3449-3470 है तथा जो फूल मण्डी, हाउज काजी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधित्यम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बंदि ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- बिक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (मा) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उम्स प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कसी भरते या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किया घन या अस्म धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर घिंघिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिंघिनयम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, जक्त भधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, जक्त भधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निविक्षित व्यक्तियों भवित् :---

- श्री बिहारी लाल झुनझुनवाला, सुपुत्र स्वर्गीय श्री बिशेशवर दास, निवासी दिल्ली।
- श्री सुरेश चन्द जैन, सुपुत्र श्री पी० सी० जैन, निवासी 1323, गली गुलीयान, दरीवा कालन, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

(श्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के **धर्जन** के संबंध में कोई भी **ग्राक्षी**प :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो, उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

32 दुकानें जिनका नं 3442-3447 तथा 3449 से 3470 है श्रीर क्षेत्रफल 563 वर्ग गज है, फूल मण्डी, हाउज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :---

पूर्व : मकान नं० 3496-3499 तथा जोट तथा मकान नं० 3880-3891

पश्चिम : मकान नं० 3430-3433 तथा 3435

तथा गली।

उत्तर : मकान नं 0 3512-3520 तथा 3428

तथा ब्लिडिंग का गेट

दक्षिण : मकान नं० 3433-3441, 3471-

3475 तथा 3481-3484 तथा सीझा

रास्ता ।

श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल, सक्षम श्रधिकारी सहायक भायकर श्रयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 24-3-1979।

संघ लोक सेवा धायोग

नोटिस

महायक ग्रेड परीक्षा, 1979

नई दिल्ली, दिनांक 14 ग्रप्रैल, 1979

सं० एफ० 10/4/78 ई-1(बी) - भारत के राजपत्र दिनांक 14 ग्रप्रैल, 1979 में गृह मंत्रालय (कामिक और प्रणामनिक मुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के प्रनुमार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाग्रो/पदों पर भर्ती करने हेंतु मंघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा ग्रहमदाबाद, इलाहाबाद, बगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, पडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दीसपुर (गोहाटी), हैंदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मदास, नागपुर, पणजी, (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्टब्लेयर गिलांग, शिमला, श्रीनगर, लिखेन्द्रम तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिणनों में 25 दिसम्बर, 1979. से एकप्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

श्रायोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपयुक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षण में प्रिवट उम्मीदवारों को परीक्षा की ममय मारणी तथा स्थान श्रथंबा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए श्रनुबंध, पैरा II

- इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओ/पदो पर भर्ती की जाती है, उनके नाम और विभिन्न सेवाओ/पदो से सबद रिक्तियों की अनुमानित सक्या निम्निलिखत है:---
 - (i) भारतीय विदेण सेवा (ख) (सहायक) का सामान्य संवर्ग का ग्रेड-IV*
 - (ii) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का ग्रेड (महायक)
 3 (इनमे एक रिक्ति श्रनुसूचित जातियों के उम्मीदवारो के लिए श्रारक्षित है)।
 - (iii) केन्द्रीय मिचवालय सेवा का महायक ग्रेड---
 - (iv) नगम्ब स्या मुख्यात्य मिलिल सेया का महायक ग्रेष्ट- 84 (इ.मे 13 रिक्तिया अनुसूचिन जातियो तथा ६ रिक्तिया अनुसूचिन जन जातियो के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)।
 - (v) भारत सरकार के ऐसे धन्य विभागो, मंगठनो तथा संबद्ध कार्यालयों में सहायकों के पत्र जो भारतीय विदेण मेवा /(ख) रेल बोर्ड सचिधालय सेवा/ केन्द्रीय मानवालय सेवा/ मणस्त्र सेना मुख्यालय सिविक्ष सेवा में माम्मिलिति नहीं है—*

*उपर्युक्त सख्याश्रो मे परिवर्तन किया जा सकता है।

3. कोई उम्मीदवार उपर्यूक्त पैरा 1 में उलिखित किसी एक या एक से प्रधिक सेवाफ्रो/पदों के संबंध में परीक्षा में प्रवेश के लिए भावेदन कर मकता है।

अगरकार द्वारा रिक्तियां सूचित नहीं की गई

यदि कोई उम्मीदबार एक से श्रधिक सेवाओं/पदो के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहतों हो तो भी उसे एक ही श्राबदन-पत भेजने की आवश्यकता है। तीचे पैरा-6 में उस्लिखित शुक्त भी उसे केवल एक ही बार देना होगा उस प्रत्येक सेवा/ पद के लिए अलग अलग नही, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान हैं: - उम्मीदिकार को भ्राप्ते श्राक्षेदन-पत्न में जिन सेवाश्रो/ पदों के लिए वह विचार किए जाने का इच्छुक है, उसके संबंध में भ्रापना वरीयता-कम स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। उसे यह मलाह भी जाती है कि वह भ्राप्ती इच्छानुमार जितनी चाहे उतनी वरीयताश्रों का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उनके स्थान को ध्यान में रखते हुए, नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताश्रों पर भलीं भाति विचार किया जा सके।

उम्मीदवार द्वारा निदिष्ट उन सेवाश्रो/पदो, जिनके लिए वह प्रतियोंगी है, के वरीयता कम में पिवर्तन से सबंद्ध किसी श्रनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा श्रनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के श्रन्थर संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जासा।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवंदन, प्रपत पर मचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 को आवंदन करना चाहिए। निर्धारित आवं-दन-प्रपत्न तथा परीक्षा से मम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा मकते हैं। यह राशा सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर या मचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नही किए जाएगे। ये आवंदन-प्रपत्न आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा मकते हैं। दो रुपये की यह राणि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट — उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे धपने आवेदन-पत्र महायक ग्रेष्ट परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित मृदित प्रपन्न में ही प्रस्तुत करें। महायक ग्रेष्ठ परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित भावेदन-प्रपन्नों से इतर प्रपन्नों पर भरे हुए भ्रावेदन-पत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुम्रा म्रावेदन-पत्न म्रावश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा म्रायोग, धौलपुर हाऊम, नई दिल्ली-110011 के पास 4 जून, 1979 को या उसमें पहले (4 जून, 1979 पहले की तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं तिकीबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में (8 जून, 1979 तक) म्रवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी श्रावेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या ग्रहमान एवं निकोबार द्वीपसमह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से ग्रायोग यदि चाहे तो, इस बात का निखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह नकता है कि 4 जून, 1979 से पहले की किसी तारीख से थिदेशों में या ग्रंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था। 6. परीक्षा में प्रवेश चाहते वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पन्न के साथ आयोग को रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों और अनूसूचित जनजातियों के मामले में रु० 7.00) का गुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक आफ इंडिया के रूप में हों।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुक्क भारत के उच्च श्रायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वर्ष "051 लोक सेवा श्रायोग-परीक्षा शुक्क" के लेखाशी, में जमा हो जाए और श्रावेदन-पत्न के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन भ्रावेदन पत्नों में यह भ्रपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम भ्रस्त्रीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नही होता, जो नीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित मुल्क से छूट चाहते हैं।

7. ग्रायोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुक्त से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि ग्रावेदक या तो 1 जनवरी, 1964 ग्रीर 25 मार्च, 1971 के बीच की ग्रावधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्राव बंगला देण) से भारत ग्राया हुग्रा वास्तियक विस्थापित व्यक्ति है, या वर्मा से वास्तिवक रूप में प्रत्या विति मूलत: भारतीय व्यक्ति है ग्रीर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत ग्राया है वह श्रीलंका से वास्तिवक रूप से प्रत्यावित मूलत: भारतीय व्यक्ति है ग्रीर निर्धारित गुरुक दे सकने की स्थिति में नहीं है या वह नीचे की परिभाषा के ग्रानुनार सैनिक है।

"भू तपूर्व सैनिक" का श्रभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने भूतपूर्व भारतीय रियासतों की मगस्त्र सेना महित संघ की सगस्त्र सेना (ग्रथांत् संघ की धल, जल और वायु सेना) में किसी भी रेंक में (चिहे सामरिक हो या असामरिक) 4 जून 1979 के अभिप्रमाणन के बाद कम से कम छह मास की अविध तक निरंतर सेवा की हो। किन्तु इसमें असम राइफल्स डिफेंस सैक्यूरिटी कोर, जनरल रिजर्व इंजीनियर कोर्स, जम्मू व काश्मीर मिलीशिया, लोक सहायक सेना और सीमांत सेना शामिल नहीं है।

- (i) जो निर्मुक्त हुआ हो बगर्ते कि ऐसी निर्मुक्ति दुराचार या श्रक्षमता के कारण पदच्युति या सेवा मुक्ति के क्य में न हो या ऐसी निर्मुक्ति के श्राणय से रिजर्व में स्थातिरत न हुआ हो; अथवा
- (ii) जिसकों उपर्युक्त निर्मुक्ति या रिजर्व में स्थानांतरण का पात बनने के लिए 4 जून, 1979 की स्थावस्यक सेवावधि को समाप्त करने में सभी छह मास कम सेवा करनी हो।
- 8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे श्रायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेण नहीं दिया गया तो उसे इ० 15.00 (श्रनुस्चित जातियों श्रौर श्रनुस्चित जनजानियों के मामले में इ० 4.00) की राणि वापस कर वी जाएगी।

उपर्युक्त उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग की भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. श्रावेदन पत्न प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परि-स्थिति में विचार नहीं किया जायेगा।

> भार० एस० ग्रहलुकालिया उप सक्तिव संघ लोक सेवा ग्रायोग

अनुबंध

उम्मोदवारों को अनुदेश

 उम्मीदवारों को चाहिए कि वे ग्रावेदन-प्रपत्न भरने से पहले नोटिस ग्रौर नियमावली को ध्यान से पढ़कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पाव हैं या नहीं। निर्धारित शर्ती में छूट नहीं दी जा सकती।

ग्रावेद-पत भेजते मे पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, ग्रंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। मामान्यत: चुने हुए स्थान में परिवर्तन से मंबद्ध किसी ग्रनुरोब पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदनार को ग्रावेदन प्रपत्न तथा पावनी कार्ड ग्रपने हाथ मे ही भरना चाहिए । श्रवूरा या गलन भरा हुश्रा श्रावेदन-पत्न श्रस्वी-कार किया जा सकता है ।

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या नरकारी श्रौद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के श्रन्य संगठनों में हो या गैर सरकारी सस्थाओं में नियुक्त हो, श्रपने श्रावेदन-पत्न श्रायोग को सीधे भेजने चाहियें। श्रगर किसी उम्मीदवार ने श्रपना श्रावेदन-पत्न श्रपने नियोक्ता के द्वारा भेजा है श्रौर वह संघ लोक सेवा श्रायोग में देर से पहुंचा हो तो उस धावेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा, भने ही वह नियोक्ता को श्राखरी तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में प्राक्षिसक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या प्रस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं, उन्हें यह परिवचन (ग्रंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से श्रपने कार्यालय/विभाग के ग्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए ग्रावेदन किया है। उनको चाहिए कि वह ग्रपने ग्रावेनद-पन्न को, उसके ग्रंत में संलग्न प्रमाण-पन्न की दो प्रतियां निकाल कर, ग्रायोग में सीधे भेज दें और प्रमाण पन्न की उन प्रतियों को तत्काल ग्रपने कार्यालय/विभाग के श्रध्यक्ष को इस ग्रनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पन्न की एक प्रति विधिवत् भरकर सचिव, संघ नोक नेवा ग्रायोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी ग्रौर किसी भी हालत में प्रमाण-पन्न के फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

- उम्मीदबार को धपने श्रावेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख श्रवश्य भेजने चाहिए।
 - (i) निर्धारित मुल्क के लिए ऐक्सिन किये हुए भारतीय पोस्टल ख्राईर या बैंक ड्राक्ट या जुक्क में छ्ट् के दावे के समर्थन में प्रमाणपत्न की अभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिये नोटिस का पैरा 6 श्रीर 7 तथा नीचे दिया गया पैरा 6)।
 - (ii) भ्रायु के प्रमाण-पत्र की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिपि ।
 - (iii) णैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पन्न की अभिष्रमाणित/ प्रमाणिन प्रतिलिपि।
 - (iv) उम्मीयवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5से॰ मी॰ × 7 से॰ मी॰) के फोटों की दो एक जैसी प्रतियां।
 - (४) जहां लागू हों वहां श्रनुसूचित जाति/श्रनुसूचित अन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की श्रभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
 - (vi) जहां लागू हों वहां श्रायु/मुल्क में छूट के दावे के समर्थन
 में प्रमाण-पन्न की श्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि
 (देखिए नीचे पैरा 5)।
 - (vii) उपस्थिति पत्नक (ग्रावेदन-प्रपत्न के साथ संलग्न) विधिवत्, भरा हुग्रा ।

नोट :- उम्मीदवारों को प्रपने ग्रावेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त मद (i), (ii), (iii), (v), (vi), में उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्नित ग्रधिकारी द्वारा श्रिभिप्रमाणित हों श्रथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा मही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा-परिणाम के ग्राधार पर श्रह्ता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें परीक्षा के परिणामों की धोषणा के तुरत्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्नों को मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा। परिणाम सम्भवत: मार्च, 1980 में धोषित किये जायेंगे। उम्मीद-वारों को श्रपने प्रमाण-पत्न तैयार रखने चाहिये ग्रीर परीक्षा परिणाम की धोषणा के बाद भी हा ही ग्रायोग को प्रस्तुत कर देने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय ग्रपेक्षित प्रमाण-पत्न मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी ग्रीर उसका ग्रागे विचार किये जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिये गये हैं ग्रौर मद (v) ग्रौर (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 ग्रौर 5 में दिये गए हैं:---

(i) (क) निर्धारित शुह्क के लिये रेखां किये गये भारतीय पोस्टल आर्डर:— प्रश्येक प्रेस्टल ग्रार्डर भ्रमिवार्यतः, रेखांकित किया जाए तथा उस पर "मचित्र, संघ लोक सेवा श्रामोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किमी ग्रन्य डाकघर पर देश पोस्टल शार्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किये जाएं। विकसित या कटे-फटे पोस्टल श्रार्डर भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

मभी पोस्टल ग्रार्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर ग्रौर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को श्रवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल श्रार्डर न तो रेखांकित किये गये हों श्रौर न ही मचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किये गये हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुरुक के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए श्रौर सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, को स्टेट वैंक श्राफ इंडिया की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होना चाहिए।

किसी श्रन्य बैंक के नाम देय किये गये बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये जायेंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

(ii) श्रायु का प्रमाण पत्नः आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैद्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मद्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्न या किसी विश्व विद्यालय के यहां से मैद्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्न या समकक्ष प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

धनुदेशों के इस भाग में ग्राए महिकुलेशन/उच्चतर माध्य-प्रमाण-पत्न के ग्रन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक परीक्षा प्रमाण-पत्न मिम्मिलित है।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक प्रमाण-पक्ष में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिये होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीद-वारों को मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के श्रितिरिक्त उस संस्था के हैउमास्टर/प्रिंसिपल से लिये गये प्रमाण-पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के दोखिला रुजिक्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तिषक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों की चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्न के मांच इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आय का पूरें। प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पक्ष अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवे-दन पत्न में लिखी जन्म की तारीख मैद्रिकुलेशन प्रमाण-पत्न/ उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्न में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिये कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्न रह किया जा सकता है।

नोट 1.:—जिम उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पन्न हो, उसे केवल द्यायु में सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की ग्राभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:— उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके

हारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की

तारीख एक बार लिख भेजने और श्रायोग

हारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी

बाद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने

की श्रनुमति सामान्यतः नही दी जाएगी।

(iii) गैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्न:—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्न की ग्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रवश्य भेजनी चाहिए जिमसे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताग्रों में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाणपत्न उस प्राधिकारी (प्रथात् विश्वविधालय या किसी ग्रन्थ परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष/ प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्न की ग्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण ग्रवश्य बनाना चाहिए और ग्रिभित योग्यता से सम्बद्ध ग्रपने दावे के समर्थन में किसी ग्रन्थ प्रमाणपत्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। भायोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के ग्राधार पर विधार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिये बाध्य नही होगा।

नोट:—जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठे हों
जिसमें उत्तीर्ण होने पर वे श्रायोग की इस परीक्षा
में बैठने के लिये शैक्षिक योग्यता प्राप्त कर लेंगे
किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है
श्रौर जो उम्मीदवार ऐसी श्रहंक परीक्षा में बैठने
का इरादा रखते हैं वे श्रायोग की इस परीक्षा
में प्रवेश पाने के पात नहीं होंगे।

(iv) फोटो की दो प्रतियां:—उम्मीदवार को ग्रयने हाल ही के पास पोर्ट श्राकार (लगभग 5 सें० मी०×7 स० मी०) के फीटो की दो एक जैसी प्रतियां श्रवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति श्रावेदन-पत्न के पहले पृष्ठपर श्रीर दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनीं चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीद-वार को स्याही के हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान वें: - उम्मीदवारों को चेतावंती दी जाती है कि यदि

श्रावेदत-पत्न के साथ ऊपर पैरा 3 (ii),
3 (iii) 3 (iv) 3 (v) श्रोर 3 (vi) में
उिल्लाखित प्रमाण-पत्न ग्रादि में से कोई एक संलग्न
न होगा श्रीर उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण
भी नहीं दिया गया होगा तो ग्रावेदत-पत्न
ग्रस्वीकार किया जा सकता है श्रीर इस ग्रस्वीकृति के विष्ण्य कोई ग्रपील नही सुनी जाएगी।
यदि कोई प्रलेख ग्रावेदत-पत्न के साथ न भेजें
गए तो उन्हें ग्रावेदत-पत्न के साथ न भेजें
गए तो उन्हें ग्रावेदत-पत्न भेजने के बाद शीघ्र
ही भेज देना चाहिए श्रौर वे हर हालत में
शावेदत-पत्न स्वीकार करने की ग्रांतिम तारीख
से एक महीने के भीतर ग्रायोग के कार्यालय में
पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया
तो ग्रावेदत-पत्न रद् किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखत किसी अन्य अधिकारी में जिसे सम्बद्ध राज्य मरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिये सक्षम प्राधिकारी के रूप में पदनामित किया हो नीचे दिये गये कार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो वह प्रमाणपत्र उम जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिष्ठ किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर पर रहता है।

भारत सरकार के श्रधीन पदों पर नियुक्ति के लिये श्रावेदन करने वाले श्रनुसूचित जातियों श्रौर श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
जो गांव/कस्बा*
संघ* राज्य क्षेत्र ————————————————————————————————————
जाति/जनजाति* के/की हैं/ जिमे निम्नलिखिन के श्रधीन श्रनु- सूचित जाति/श्रनुसूचित जन जानि के रूप में मान्यता दी गई
है: संविधान (श्रनुसुचित जातियां) श्रादेश, 1950*

संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां), श्रादेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) भादेश, 1951* संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) भादेश, 1951* [अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां मूची (प्राणोधन) आदेण, 1956, वम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन प्रधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेण राज्य प्रधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र पुनर्गठन प्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संगोधित्य। (अन्मू और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जातियां आदेण (संगोधन) में अधिनयम, 1976 द्वारा यथा संगोधित]। संविधान (अन्मू और निकोबार द्वीप समृह) अनुसूचित जातियां आवेण, 1956*। संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समृह) अनुसूचित जन जातियां आदेण, 1959। अनुसूचित जातियां और अनु- सूचित जन जातियां आदेण (संगोधन) प्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संगोधित।* संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेण, 1962* संविधान (वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां, यादेण, 1962* संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेण, 1964* संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेण, 1964* संविधान (पोंडा, दमन और दियु) में अनुसूचित जातियां आयेण, 1968* संविधान (गोवा, दमन और दियु) में अनुसूचित जातियां आयेण, 1968* संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां, भावेण, 1968* संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेण, 1968*	
प्रावेश, 1951* [प्रानुस्चित जातियां और प्रानुस्चित जन जातियां सूची (प्राणोधन) प्रावेण, 1956, बम्बई, पुनगंठन प्रधिनियम, 1960, पंजाब पुनगंठन प्रधिनियम, 1966, हिमाचल प्रवेण राज्य प्रधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र पुनगंठन प्रधिनियम, 1971 और प्रानुस्चित जातियां तथा प्रानुस्चित जन जातियां प्रावेण (संगोधन) में प्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संणोधित]। संविधान (जम्मू और काश्मीर) प्रानुस्चित जातियां प्रावेण, 1956*। गंविधान (प्रंडमान और निकोबार द्वीप समूह) प्रमुस्चित जन जातियां प्रावेण, 1959। प्रानुस्चित जातियां प्रीर अनुस्चित जातियां प्रावेण, 1976 हारा यथा संशोधित।* संविधान (दावरा प्रौर नागर हवेली) प्रानुस्चित जातियां प्रावेण, 1962* संविधान (वावरा प्रौर नागर हवेली) प्रानुस्चित जन जातियां, प्रावेण, 1962* संविधान (पांडिबेरी) प्रानुस्चित जातियां प्रावेण, 1964* संविधान (पांडिबेरी) प्रानुस्चित जातियां प्रावेण, 1964* संविधान (पोवा, वमन और दियु) में प्रानुस्चित जातियां प्रावेण, 1968* संविधान (गोवा, वमन और दियु) प्रानुस्चित जन जातियां, प्रावेण, 1968* संविधान (गोवा, वमन और दियु) प्रानुस्चित जन जातियां, प्रावेण, 1968* संविधान (गोवा, वमन और दियु) प्रानुस्चित जन जातियां, प्रावेण, 1968* संविधान (गोवा, वमन और दियु) प्रानुस्चित जन जातियां, प्रावेण, 1968* संविधान (गोवा, वमन और दियु) प्रानुस्चित जन जातियां, प्रावेण, 1968*	
(श्राषोधन) श्रादेण, 1956, बम्बई, पुनगंठन श्रधिनियम, 1960, पंजाब पुनगंठन श्रधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेण राज्य श्रधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र पुनगंठन श्रधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा श्रनुसूचित जन जातियां यादेण (संशोधन) में श्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित । संविधान (जम्मू और काश्मीर) श्रनुसूचित जातियां आवेश, 1956*। संविधान (श्रंडमान और निकोबार द्वीप समूह) श्रमुसूचित जन जातियां आवेश, 1959। श्रनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां यादेण (संशोधन) श्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।* संविधान (दादरा और नागर हवेली) श्रनुसूचित जातियां आवेश, 1962* संविधान (वादरा और नागर हवेली) श्रनुसूचित जन जातियां, धादेश, 1962* संविधान (पांडिचेरी) श्रनुसूचित जातियां श्रादेण, 1964* संविधान (पांडिचेरी) श्रनुसूचित जातियां श्रादेण, 1964* संविधान (गोवा, वमन और दियु) में श्रनुसूचित जातियां श्रावेश, 1968* संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां, श्रावेश, 1968* संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां, श्रावेश, 1968* संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां श्रावेण, 1970*	· ·
जन जातियां ग्रादेण, 1959। श्रनुसूचित जातियां ग्रीर भनु- सूचित जन जातिया श्रादेश (संशोधन) ग्रिधिनियम, 1976 हारा यथा संशोधित।* संविधान (दादरा श्रीर नागर हवेली) ग्रनुसूचित जातिया ग्रादेश, 1962* संविधान (वादरा श्रीर नागर हवेली) ग्रनुसूचित जन जातियां, श्रादेश, 1962* संविधान (पांडिचेरी) श्रनुसूचित जातियां ग्रादेश, 1964* संविधान (पांडिचेरी) श्रनुसूचित जातियां ग्रादेश, 1964* संविधान (ग्रानुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) ग्रादेश, 1967* संविधान (गोवा, दमन ग्रीर दियु) में ग्रनुसूचित जातियां ग्रादेश, 1968* संविधान (गोवा, दमन ग्रीर दियु) ग्रनुसूचित जन जातियां, ग्रादेश, 1968* संविधान (नागालैण्ड) श्रनुसूचित जन जातियां ग्रादेश, 1970*	(ग्राणोधन) ग्रादेण, 1956, बम्बई, पुनर्गठन ग्रिधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन ग्रिधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेण राज्य ग्रिधिनियम, 1970 ग्रौर उत्तर पूर्वी क्षेत्र पुनर्गठन ग्रिधिनियम, 1971 ग्रौर ग्रनुसूचित जातियां तथा श्रनुसूचित जन जातियां ग्रादेण (संगोधन) में ग्रिधिनियम, 1976 द्वारा यथा संगोधिन]। संविधान (जम्मू ग्रौर काश्मीर) श्रनुसूचित जातिया
स्चित जन जातिया श्रादेश (संशोधन) श्रिधिनियम, 1976 हारा यथा संशोधित।* संविधान (दादरा श्रीर नागर हवेली) अनुसूचित जातिया श्रादेश, 1962* संविधान (वादरा श्रीर नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां, श्रादेश, 1962* संविधान (पांडिचेरी) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1964* संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) श्रादेश, 1967* संविधान (गोवा, दमन श्रीर दियु) में श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1968* संविधान (गोवा, दमन श्रीर दियु) श्रनुसूचित जन जातियां, श्रादेश, 1968* संविधान (नागालैण्ड) श्रनुसूचित जन जातियां श्रादेश, 1970*	संविधान (ग्रंडमान श्रौर निकोबार द्वीप समूह) श्रमुसूचित
हारा यथा संशोधित।* संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातिया आदेश, 1962* संविधान (वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां, आदेश, 1962* संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964* संविधान (ध्रनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967* संविधान (गोवा, दमन और दियु) में अनुसूचित जातियां आदेश, 1968* संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां, मादेश, 1968* संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970* 2. श्री/श्रीमती/कुमारी* ———————————————————————————————————	जन जातियां ग्रादेश, 1959। श्रनुसूचित जातियां ग्रीर ग्रनु-
संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातिया आदेश, 1962* संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां, आदेश, 1962* संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964* संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967* संविधान (गोवा, दमन और दियु) में अनुसूचित जातियां आदेश, 1968* संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां, आदेश, 1968* संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970* 2. श्री/श्रीमती/कुमारी* ———————————————————————————————————	सूचित जन जातिया ग्रादेश (संशोधन) ग्रिधिनियम, 1976
मादेश, 1962* संविधान (वादरा श्रौर नागर हवेली) श्रनुसूचित जन जातियां, श्रादेश, 1962* संविधान (पांडिचेरी) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1964* संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) श्रादेश, 1967* संविधान (गोवा, दमन श्रौर दियु) में श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1968* संविधान (गोवा, दमन श्रौर दियु) श्रनुसूचित जन जातियां, श्रादेश, 1968* संविधान (नागालैण्ड) श्रनुसूचित जन जातियां श्रादेश, 1970* 2. श्री/श्रीमती/कुमारी* ———————————————————————————————————	द्वारा यथा संशोधित।*
जातियां, श्रादेश, 1962* संविधान (पांडिचेरी) श्रनुसूचित जातियां ग्रादेश, 1964* संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) श्रादेश, 1967* संविधान (गोवा, वमन श्रौर दियु) में श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1968* संविधान (गोवा, दमन श्रौर दियु) ग्रनुसूचित जन जातियां, श्रादेश, 1968* संविधान (नागालैण्ड) श्रनुसूचित जन जातियां ग्रादेश, 1970* 2. श्री/श्रीमती/कुमारी* ———————————————————————————————————	
संविधान (भ्रनुस्चित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) भ्रादेश, 1967* संविधान (गोवा, दमन भ्रौर दियु) में भ्रनुसूचित जातियां भ्रादेश, 1968* संविधान (गोवा, दमन भ्रौर दियु) भ्रनुसूचित जन जातियां, भ्रादेश, 1968* संविधान (नागालैण्ड) श्रनुसूचित जन जातियां ग्रादेश, 1970* 2. श्री/श्रीमती/कुमारी* ———————————————————————————————————	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
प्रादेश, 1967* संविधान (गोवा, वमन श्रौर दियु) में अनुसूचित जातियां आदेश, 1968* संविधान (गोवा, दमन श्रौर दियु) ग्रनुसूचित जन जातियां, ग्रावेश, 1968* संविधान (नागालैण्ड) श्रनुसूचित जन जातियां ग्रादेश, 1970* 2. श्री/श्रीमती/कुमारी* ———————————————————————————————————	संविधान (पांडिचेरी) श्रनुसूचित जातियां ग्रादेश, 1964*
मावेश, 1968* संविधान (गोवा, दमन भौर दियु) म्रनुसूचित जन जातियां, मावेश, 1968* संविधान (नागालैण्ड) म्रनुसूचित जन जातियां म्रादेश, 1970* 2. श्री/श्रीमती/कुमारी* ————————————————————————————————————	
मादेश, 1968* संविधान (नागालैण्ड) ग्रनुसूचित जन जातियां ग्रादेश, 1970* 2. श्री/श्रीमती/कुमारी* ————————————————————————————————————	
1970* 2. श्री/श्रीमती/कुमारी* ———————————————————————————————————	
14-16GI/79	

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र ———————— में रहते/रहती* हैं।	-
हस्ताक्षर ———	·
**पदनाम 	
(कार्यालय की मोहर सहिस	₹)
स्थान	
तारीख	
राज्य/संव* राज्य क्षेत्र	

नोट:—यहां "भ्राम तौर में रहने/रहती हैं" णब्दों का भ्रर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंशन श्राफ दि पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है।

जाति जन जाति प्रमाण-पन्न जारी करने के लिये सक्षम ग्रिधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/श्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/ डिप्टी किमग्रनर/ऐडीशनल डिप्टी किमग्रनर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/ सिटी मैजिस्ट्रेट/सब्गं डिविजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एजीक्यूटिय मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा ग्रसिस्टेंट किमग्रनर।

†(प्रथम श्रेणी कं स्टाइपेंडरी मैंजिस्ट्रेट के ग्रोहदे से कम नहीं)।

- (ii) चीफ प्रेसीडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऎडीशनल चीफ प्रेसीडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू श्रफसर, जिनका भ्रोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उसके इलाके का सब-डिविजनल श्रफसर जहां, उम्मीदवार श्रौर/या उसका परिवार ग्राम तौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सिवव/डेबलेपमेंट भ्रफसर लक्षद्वीप।
- (5) (क) नियम 6 (ख) के मन्तर्गत मायु में छूट को दावा करने वाले लोभर डिविजन क्लकौं/प्रपर डिवीजन क्लकौं स्टेनोग्राफर ग्रेड घ को भ्रपने विभाग कार्यालय के प्रधान से निम्नलिखित प्रपन्न पर एक प्रमाण-पन्न मूल रूप में प्रस्तुत करना चाहिए:—

 से लगातार ग्रौर नियमित सेवा 3 वर्ष से कम नहीं की है ग्रौर वे इस पद पर कार्य करते रहेंगे/करती रहेंगी।

हस्ताक्षर	سد خلب مید برق حصد بواد بعض بود عین جدد مید
पदनाम	
मंत्रालय/विभ	।गि
कार्यालय की	मृहर

*जो लागू न हो उसे काट दे।

- (ख) नियम 6(ग) (ii) श्रथवा 6(ग) (iii) के श्रन्नर्गत श्रायु मे छूट श्रीर/या नीटिस के पैरा 7 के श्रनुसार श्रुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गये प्रमाण-पन्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रब बंगला देश) से वास्तिवक विस्थापित व्यक्ति है श्रौर 1 जनवरी, 1964 श्रौर 25 मार्च, 1971 के बीच की ग्रवधि से प्रवजन कर भारत श्राया है।
 - (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों स्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैंप कमांडेंट ;
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है,
 - (3) सम्बद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वाम कार्य के प्रभारी प्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट;
 - (4) अपने ही कार्यभार के श्रधीत, संबद्ध सब-डिबीजन का सब डिबीजनल श्राफिसर;
 - (5) उत गरणार्थी पुनर्वास ग्रायुक्त, पण्चिमी बंगाल/ निवेशक (पुनर्वास), कलकत्ता;
- (ग) नियम 6(ग) (iv) अथवा 6 (ग) (v) के अन्तर्गत आयु में छूटं श्रीर/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार गुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावित या प्रत्यावित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च श्रायुक्त के कार्यालय से लिये गये इस श्राणय के प्रमाण-पत्न की अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखालाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है, जो अक्टूबर, 1964 को भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवस्बर, 1964 को या उसके बाद भारत श्राया है या श्रामे वाला है।
- (घ) तियम 6(ग)(vi) अथवा 6(ग)(vii) के भ्रंतर्गत आयु सीमा में छूट भौर/या नोटिम के पैरा 7 के भ्रनुसार णुल्क में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्या-वितत मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंग्न द्वारा दिये गये पहिचान प्रमाण-पत्र की अभिष्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिणि यह दिख्लाने के लिये प्रस्कुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है, अथवा उसे जिस

क्षेत्र का यह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पक्ष की ग्रमित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से श्राया हुआ बास्तविक प्रत्यावितित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है।

- (ङ) नियम 6(ग)(viii) के श्रन्तर्गत श्रायु सीमा में छूट बाहने वाले कीनिया, उगाडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से श्राये हुए उम्मीदवार को या जाम्बिथा, मलावी, जेरे श्रीर इथियोपिया से प्रत्यावनित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिये गये प्रमाण-पत्न की एक श्राभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से श्राया है।
- (च) नियम 6(ग)(viii) प्रथवा 6(ग)(ix) के अन्तर्गत ग्रामु-सीमा में छट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुग्रा है, महा-निदेणक, पुनर्वीस, रक्षा मंत्रालय से नीचे विये हुए निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्र की एक ग्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करती चाहिए कि वह रक्षा सेवाग्रों में कार्य करते हुए विदेशी शत्र देश के माथ संवर्ष में ग्रयवा ग्रगतिग्रस्त क्षेत्र मे फीजी कार्र-वार्ड के दौरान विकतांग हुग्रा ग्रौर परिणामस्यक्ष निर्मृक्षत हुग्रा है।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पन्न का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट ————————————————————————————————————
श्री रक्षा मेत्राग्नों में कार्य करते हुए विदेणी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/*ग्रशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए श्रीर उस विक्लांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।
हस्ताक्षर

हस्ताक्षर	
पदनाम -	
तारीख	

*जो शब्द लागू न हो उसे फुपया काट दें।

(छ) नियम 6 (ग) (x) या 6 (ग) (xi) क्रंके अन्तर्गत आयु-सीमा मे छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जा सीमा मुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा मुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिधि यह दिखलांने के लिये प्रम्तृत करनी चाहिए कि वह सीमा मुरक्षा दन में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक समर्थ के दौरान फीजी कार्रवाई में विकलांग हुआ योर उसके परिणागस्यक्ष निर्मृत दुआ।

अम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट————

- (ज) नियम 6 ग (xii) के ग्रन्तर्गत ग्रायु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम मे प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिम क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिना मैजिस्ट्रेंट से लिये गये प्रमाण-पत्र की ग्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वहां वियतनाम से ग्राया हुन्ना वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है ग्रौर वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं ग्राया है।
- (झ) नोटिस के पैरा 7 के अन्तर्गत मुल्क में छूट चाहते वाले भूतपूर्व सैनिक को अपने भूतपूर्व सैनिक होने के परिणाम-स्वरूप, थल-सेना/वायु मेना/नौ-सेना प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये कार्य-मुक्ति प्रमाण-पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। उक्त प्रमाण पत्न में उसके सगस्त्र सेनाओं में की सही तारीख तथा सगस्त्र सेनाओं में से उसकी निर्मृक्ति अथवा सगस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की तारीख अथवा सगस्त्र सेनाओं से उसकी निर्मृक्ति अथवा सगस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की तारीख प्रथवा सगस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की प्रत्याणित तारीख का उल्लेख अवण्य होना चाहिए।
- (ञा) नियम 6(घ) के धन्तर्गत ध्रायु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधक प्राधिकारी से उनकी मुहर लगे प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें यह लिखा हो कि उक्त उम्मीदवार य्रोतरिक सुरक्षा धनरक्षण धधिनियम के धन्तर्गत निरुद्ध हमा था या (ii) जिस उपमंडल मैजिस्ट्रेट के क्षेताधिकार में वह इलाका प्राता हो उसके प्रमाण-पत्र की एक प्रभिप्रमाणित /प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें लिखा हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा तथा श्रांतरिक सुरक्षा श्रधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत को नियमों के अन्तर्गत गिरफ्तार या कैंद हुन्ना था भ्रौर जिसमें ये तारीख विनिर्दिष्ट हो जिनके बीच वह गिरफ्तार या कैंद रहा था तथा जिसमें प्रमाणित हो कि निरोध या गिरफ्तारी या कैंद, जैसी भी स्थिति हो, उम्मीदवार के राजनैतिक संबंधों या कार्य कलापों या तत्कालीन प्रतिबन्धित संगठनों से उनके संबंध रखने के ग्रनुसरण में थी।
- 6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(ख), (ग) तथा (घ) में से किसी भी वर्ग के प्रत्तर्गत नोटिस के पैरा 7 के श्रनुसार णुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला श्रिधकारी या सरकार के राजपत्तित श्रिधकारी या संसद-सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के

लिये कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नही है, इस माण्य का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी भ्रमिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिणि भी प्रस्तुत करनी होगी।

- 7. जिस उम्मीदियार का मामल में पालता प्रमाण-पत्न प्रामण्यक हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार, द्वारा उसे ग्रावण्यक पावता प्रमाण-पत्न जारी कर दिया गया हो।
- 8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे ब्रावेदन-पत्न भरते समय कोई झूंठा ब्यौंग न दें ब्रौर न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं।

उम्मीदिवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किये गये किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें, और न कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किए गए/झूठ प्रमाण-पत्न प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाणपत्नो या उनकी तिथियों में कोई अश्विद अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पट्टी-करण प्रस्तुत किया जाए।

- 9. भ्रावेदन-पत्न देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि स्रावेदन-प्रपत्न ही भ्रमुक तारीख को भेजा गया था। भ्रावेदन-प्रपत्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्न हो गया है।
- 10. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्नों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्न की पावती (एक्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल सपर्क स्थापित करना चाहिए।
- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदबार को उसके आवे-दनपल के परिणाम की सूचना यथाणीध्र दे वी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के ग्रारंभ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदबार को श्रपने भ्रावेदन-पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा ग्रायोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे ग्रायोग से तत्काल सपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदबार ने ऐसा नहीं किया तो वह श्रपने मामले में विचार किये जाने के दावे में बंचित हो जाएगा।
- 12. पिछली पाच परीक्षाओं की नियमावली तथा प्रणनपत्नों से युक्त पुस्तिकाएं प्रकाणन नियंत्रक. सिविल लाइन्म, दिल्ली-110054 के यहा बिकी के लिये मिलती हैं और उन्हें उनके यहां से सीधे मेल आईर या नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। केवल नकद भुगतान द्वारा उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामते, एम्पोरिया बिल्डिंग 'सीठ' ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-

- 110001 (ii) विकी केन्द्र, उद्योग भवन, नर्धि हिल्ली-110001 तथा (iii) गवर्नमेंट स्नाफ इंण्डिया बुक डिपो, 8, के० एस० राय रोड़, कलकत्ता-1 से भी प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकाए विभिन्न मुफस्सिन नगरों में भारत मरकार के प्रकाणन एजेटों से भी प्राप्त की जा सकती है।
- 13. श्रावेदन-पत्न से मम्बद्ध पत्न-व्यवहार: -- श्रावेदन-पत्न म संबद्ध सभी पत्न श्रादि सचिव, सघ लोक मेवा श्रायोग, धौलपुर हाउम, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाए तथा उनमें नीचे लिखा ब्योरा श्रनिवार्य रूप से दिया जाए:--
 - (1) परीक्षा का नाम
 - (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
 - (3) रोल नम्बर श्रथवा उम्मीदवार की जन्म की तिथि, यदि रोल नम्बर सुचित नहीं किया गया हो—

- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े प्रकरों में)-
- (5) स्रावेदन-पत्न में दिया गया पत्न व्यवहार का पता-ध्यान वें:--जिन पत्नों स्नादि में यह ब्योरा नहीं होगा संभव
 है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

14. पते में परिवर्तन — उम्मीदवार की इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके ग्रावेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र आदि, ग्रावश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करे। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर ग्रायोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त परा 13 में उल्लिखित ब्योरा के साथ यथाशीझ दी जानी चाहिए। यद्यपि ग्रायोग ऐसे परिवर्तनो पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 12th March 1979

No. A. 12025(ii)/1/77-Admn.III.—In pursuance of the Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 5/79/77-CS(I) Vol. II dated 26-12-78 and letter No. 5/79/77-CS(I) dated 5-2-1979, the President is pleased to appoint Shri S. K. Arora, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission officiating as Section Officer on ad hoc basis, to officiate as Section Officer on temporary basis with effect from 26-12-1978, until further orders, subject to the approval of the Department of Personnel & Administrative Reforms to the dereservation of the reserved vacancy.

2. Shri S. K. Arora has been redesignated as Desk Officer upto 29-2-1980 and will draw a special pay @ Rs. 75/- per month in terms of the Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 12//1/74-CS(I) dated 11-12-1975.

B. N. SOM
Dy. Secy.,
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 14th February 1979

No. A. 32014/1/78-Admn. III.—In partial modification of this Office Notification of even number dated 20-1-1979, the President is pleased to appoint Shri R. K. Goyal, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission officiating as Section Officer on ad-hoc basis and who has been nominated to the Ministry of Commerce on the basis of the Combined Ltd. Departmental Competitive Examination 1977, to officiate as Section Officer on temporary loan basis in the Office of Union Public Service Commission with effect from 23-12-1978 (A.N.), until further orders.

The 15th March 1979

No. P. 1968/Admn. III.—Consequent on his having been selected for appointment to the post of Administrative Officer, on deputation basis, in the All India Soil and Land Usc Survey, Ministry of Agriculture & Irrigation, Department of Agriculture, Shri Panna Lal, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, has been relieved of his duties in the cadre of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 15th March, 1979.

No. P/271-Admn. I.—The President is pleased to permit Shri S. P. Chakravarty, a permanent Grade I Officer of CSS and officiating as Officer on Special Duty (Confidential) in the office of the Union Public Service Commission, to retire from Government Service, after attaining the age of superannuation with effect from 28th February 1979 (AN).

Shri S. P. Chakravarty has however, been re-employed in the post of OSD(Confidential) in the office of the Union Public Service Commission for a period of 6 months with effect from 1-3-1979 beyond superannuation; with the concurrence of the Ministry of Home Affairs, Department of Personnel & Administrative Reforms, vide their letter No. 39017/18/78-Estt(B) dated 19-1-1979.

The 16th March 1979

No. A. 32013/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of Section Officers of the CSS cadre in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary on ad hoc basis in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

- S. No. Name and Period
- 1. Shri P. C. Mathur-19-2-79 to 18-5-79,
- 2. Shri J. P. Goel-1-2-79 to 18-4-79.

S. BALACHANDRAN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delbi, the 27th March 1979

No. S-39/65-AD. V.—Consequent upon his selection for appointment on deputation to the post of Senior Vigilance Officer in the Indian oil Corporation, Shri S. Seshadri, Dy. Supdt. of Police, C.B.I. relinquished charge of the post of Dy. S.P. in C.B.I. on the lafternoon of 15-3-1979.

RIPDAMAN SINGH Administrative Officer (A) Central Bureau of Investigation

DIRFCTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 23rd March 1979

No. O. II-1207/75-Estt.—Consequent on his retirement from Government Service on attaining the age of superannuation Shri Mohan Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P., 10th Bn., CRPF, on the afternoon of 28-2-79.

No. O. II-1062/77-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. Narendra Shanker Patil, GDO; Grade-I of Group Centre Hospital CRPF, Neemuch with effect from the afternoon of 30th Sept., 1978.

No. O. II-1432/79-Estt.—The Director General CRPF Force is pleased to appoint Dr. (Miss) Tejovati Lele as Junior Medical Officer in the CRP Force on an ad hoc basis with effect from 12-2-79 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 27th March 1979

No. O.II-672/71-Estt.—On his services having been replaced at the disposal of the CRPF by the Cabinet Secretariat, Government of India, Shri M. S. Rathore is appointed as Dy. S. P. (Coy Comdr) in 9 Bn. of this Force with effect from the forenoon of 6th January 1979.

No. O. II-1090/78-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Lt. Col. T. D. SINHA, Chief Medical Officer, Base Hospital-II, CRPF, Hyderabad with effect from the afternoon of 28th February 1979.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 27th March 1979

No. P/P(35)-Ad. I.—In continuation of this office notification of even number dated 20th November, 1978, the President is pleased to extend the ad hox appointment of Shri K. N. Pant, Hindi Translator in the Secretariat at Flection Commission on India, as Hindi Officer in the office of the Registrar General, India, by transfer on deputation upto 30th June, 1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Pant will be at New Delhi.

The above ad hoc appointment will not bestow upon Shri Pant any claim to regular appointment to the post of Hindi Officer in this office. The services rendered by him on ad hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to any higher grade. The above ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA Registrar General, India

New Delhi-110011, the 26th March 1979

No. 10/38/78-Ad.I.—In continuation of this office notificacation of even number dated 20.1.1979, the Registrar General, India is pleased to extend the period of appointment of Shri Mahesh Ram, Senior Geographer in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Map Analyst in the same office on a purely temporary and ad-liot basis tot a further period of six months with effect from 1.3.1979 to 31.8.1979 or till the post is filled on regular basis, whichever period is shorter, on the terms and conditions mentioned in this office notification referred to above. The headquarters of Sri Ram will continue to be at New Delhi.

> V. P. PANDEY, Dy. Registrar General, India.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 23rd March 1979

No. Admn.I/O.O. No. 617/5-5/Promotion/77-79/2618.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri H. N. Mathur a permanent Accounts Officer of this office and officiating as Welfare Officer, will retire from service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st March, '79.

No. Admn I/O.O. No. 618/5-5/Promotion/77-79/2620.—Consequent on their attaining the age of superannuation, the following permanent S.Os & Officiating Accounts Officers of this office will retire from service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st March, 1979

Name & Date of Birth

- 1. Shri M. M. Mahta-12-3-1921.
- 2. Shri S. L. Rangar-1-4-1921.

(Sd.) ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL MAHARASHTRA I

Bombay 400020, the 17th March 1979

No. AdmnI/Genl/31-Vol.III/C-1(1)/2—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint the following members of the S.A.S., to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the date mentioned against them, until further orders.

1, Shri C. L. Joshi

12-3-1979 FN. 12-3-1979 FN.

2. Shri B. D. Bhopale

J. CHAUDHURI General/Admn.

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, CENTRAL RAILWAY

Bombay V.T., the 24th March 1979

No. Au/Admn/Misc/Con 1969.—Shri N. F. Patil, officiating Section Officer (Audit) of this office is promoted as Audit Officer in the officiating capacity with effect from 1-3-79 F.N.

SMT. R. KRISHNAN KUTTY Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLIFR GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 20th March 1979

No 23011(1)/66-AN-I-The following officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian

Defence Accounts Service with effect from the dires noted againsteach :---

Sl. No,	Neme						Date of con-
1		-	-			 -	
Shrı							
1, S. Sa	nkaran						14-6-1978
2. K G.	M_{θ} non	,					14-6-1978
3. S.S. I	K aghavan						14-6-1978
4. D.P.	Ghosh				,		14-6-1978
5, K, Na	ıta _l ajan						14-6-1978
6. T.M.	Kalyaner	ព្រះពេល	n				15-7-1978
7. A.K.	Ghosh						14-6-1978
8, P.L.	Ahuja						14-6-1978
9 K. Ra	ijagopalai	n					14-6-1978
10. K.L.	Bhatia						14-6-1978
11. D. Ra	ighava Ra	ıo					15-6-1978
12. D.R.	Vohra						14-6-1978
13, R. Vij	ayaraghay	/an					10-8-1978
14. P. K. J	lain			•			14-12-1978
15. Iqbal	Chand						3-1-19 7 9

R.L. Bakshi

Addl, Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENARAL ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 16th March 79 Promotion

No. 5/79/A/E-1(NG)—The D.G.O.F. is pleased to promote the following offic-rain offig capacity without affact on seniority in grades and on dates shown against each:—

 Shri R. Sundaram Stenographer Gr. 'B'/ Sr. P.A. (Group 'B' Gazetted) 	Stenographer Gr. 'A'/P.S. (Group 'B' Gazette ^d)	1-3-76
 Shri Amalendu Chakra- borty, Stenographor Gr. 'C'/PA. 	Stenographer Gr. 'B'/Sr. P.A. (Group 'B' Gøzetred)	1-3-76

D.P. CHAKRAVARTI ADGOF/ADMIN.

For Director General, Ordnance Pactories

Calcutta, the 16th March 1979

No. 18/G/79.—The President is pleased to appoint Shri S Srinivasan, Pt. Dy. General Manager (on deputation at Planning Commission, New Delhi) as Offg. General Manager, Gr. I with effect from 21st June, 1977 until further orders—Under "Next Below Rule".

The 22nd March 1979

No 20/79/G.—The following amendment is made to this Directorate General Gazette Notification No. 91/78/G, dated 18-12-78 published under No. 2010/A/G, dated 18-12-78:—

In line 2, under heading "No. 91/78/G".

FOR := w e.f. 28-2-78(A/N).

READ:—w.e.f. 28-2-77(A/N).

V. K. MEHTA

Assistant Director General, Ordnance Factories,

MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 12th April 1979

No. 23/3/79-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by three points to reach 329 (three hundred and twenty nine) during the month of February, 1979. Converted to base 1949=100 the index for the month of February, 1979 works out to 400 (four hundred only).

A. S. BHARADWA! Jt. Director

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 24th March 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(FSTABLISHMENT)

No. 6/341/56-Admn(G)/2480.—Shri S. Venkatasubramaniam, formerly Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Bhopal, is permitted to retire voluntary from Government service with effect from the forenoon of the 13th February, 1978, after availing of the leave preparatory to retirement.

Dy. Chief Controller of Imports and Exports. for Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DFPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 17th March 1979

No A-19018(404)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri B. D. Tekriwal, an officer of Indian Postal Service and Deputy Secretary in the Ministry of Health & Family Welfare, as Joint Development Commissioner, Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries). New Delhi, with effect from the forenoon of 17th February, 1979, until further orders.

The 20th March 1979

No. 12(674)/71-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri K. L. P. Rao, Deputy Director (Leather/Footwear) Small Industries Service Institute, Hyderabad to officiate as Director (Gr. II) (Leather/Footwear) on ad-hoc basis in Small Industries Service Institute, Agra with effect from the forenoon of 28th December, 1978, until turther orders.

The 21st March 1979

No. 12(648)/70-Admn.(G). On reversion from his deputation with the Central Tool Room and Training, Centre, Calcutta, Shri S. K. Basu has assumed charge as Asstt. Director (Gr. II) (General Administrative Division) in the Process-cum-Product Development Centre for Ceramic and Glass Industries, Ranchi with effect from the forenoon of the 14th February, 1979.

No. A-19018(198)/75-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri P. P. Kowe, Assistant Director (Gr. I) (Mechanical), Extension Centre, Attingal, as officiating Deputy Director (Mechanical) in Branch Small Industries Service Institute, Raipur with effect from the forenoon of 14th February, 1979, until further orders.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 23rd March 1979

No. A-1/1(1135)/78.—The President is pleased to appoint Shri Surendra Nath Srivastava, candidate nominated by the Union Public Service Commission on the result of Engineering Services Examination, 1977 as Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) (Grade III of the Indian Apply Service, Group 'A') with effect from the forenoon of 3-3-79.

No. A-1/1(1136)78.—The President is pleased to appoint Shii Praveen K. Kancha, candidate nominated by the Union Public Service Commission on the result of Engineering Services Examination, 1977 as Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) (Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A') with effect from the forenoon of 1-3-79.

The 24th March 1979

No. A-1/1(684).—The President is pleased to appoint Shri M. C. Upreti, Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, to officiate as Assistant Director (Grade I) in the same Dte. General with effect from the forenoon of 15-1-1979.

2. Shri Upreti will be on probation for two years from 15-1-79 (FN).

K. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 20th March 1979

No. 4/158/78/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri M. M. Das to a post Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey at North Fast Region, Shillong, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 19th February, 1979, until further orders.

N. R. AICH Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 24th March 1979

No. 6(138)/63-S.I.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. B. Khare, Transmission Executive, All India Radio, Lucknow as Programme Executive, All India Radio, Bikaner in a temporary capacity with effect from 24th February, 1979 and until further orders.

The 26th March 1979

No. 5(49)/68-S1.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Arun Roy Chodhury, Transmission Executive. Commercial Broadcasting Service, All India Radio. Cuttack as Programme Fxecutive, All India Radio, Cuttack in a temporary capacity with effect from 28th February, 1979 and until further orders.

O. B. SHARMA, Deputy Director of Administration, for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

N w Delhi, th 21st March 1979

No. A. 31014/2/78-CGHS I—The Director General of Health Services is pleased to appoint the following Homoeopathic Physicians working in the Central Government Health Scheme

under the Directorate General of Health Services in a substantive capacity with effect from the date indicated against each;

S. No.	Name of Docto	r	•••		C	Date of onfirmation
1	2					3
1. Dr.	 В.С. Roy			 		1-8-1974
2, Dr. :	B.P. Mishra					9-2-1977
3. Dr. (Mrs.) Sarojini Nigam						9-2-1977
4. Dr. (Miss) Raj Mehra						9-2-1977
5. Dr. N.L. Madria						9-2-1977
6. Dr.]	3.M. Wadikhaye					22-3-1978

N. N. GHOSH, Dy. Director Admn. (CGHS)

for Director General of Health Services

Nw Delhi, the 19th March 1979

No. 1-14/75-Admn.I.—The Director General' of Health Services is pleased to appoint Smt. Pranati Nandy in a substantive capacity to the post of Tutor Dietician at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of the 5th September, 1976.

The 22nd March 1979

No. A.19019/16/76(AIIHPH) Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Dr. S. R. Chowdhury relinquished charge of the post of Assistant Professor of Physiological and Industrial Hygiene in the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta on the afternoon of the 28th February, 1979.

S. L. KUTHIALA, Dy. Dir Admn. (O&M)

New Delhi, the 19th March 1979

No. A.32014/3/78-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. Nagarajan, Senior Scientific Assistant, Government Medical Store Depot, Madras, to the post of Assistant Factory Manager (Group B Gazetted) in the same Depot with effect from the forenoon of 23-2-1979 purely on temporary basis and until further orders.

The 22nd March 1979

No. A.32015/4/78-SI(Part).—In supersession of this Directorate's notification No. A32015/4/78-SI, dated 20-11-1978, the Director General of Health Services is pleased to appoint Shri J. K. Laul Senior Technical Assistant, Family Welfare, Sub Depot to the post of Assistant Depot Manager, Family Welfare Sub Depot Group 'B' Gazetted in the Central Government Health Scheme Delhi for a period of one year with effect from 13th January 1978, on an ad hoc basis or until further orders.

S, K, KARTHAK, Dy. Dir, Admn (Stores)

KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA (KRISHI VIBHAG) VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 20th March 1979

No. F.2-1/79-Estt.(I).—The adhoc appointment of Shri O. P. Gupta in the post of Assistant Editor (Hindi) is furthe extended beyond 6th March 1979 and upto 6th June 1979.

The 23rd March 1979

No. F.2-11/77-Estt(I).—The appointment of Shri K. K. Sharma in the post of Assistant Administrative Officer is further continued beyond 28th February 1979 upto 30-6-79.

B. N. CHADHA Dir. of Admir.

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad-121001, the 20th March 1979

No. $\Lambda.31014/4/78$ -A.I.—The Agricultural Marketing Adviser to the Government of India is pleased to appoint Shrl Ramjeet Verma substantively to the permanent post of Junior Scientific Officer in the Directorate of Marketing & Inspection wef 25-11-78.

B. L. MANIHAR Dir. of Admn.

Faridabad, the 26th March 1979

No. A-19023/3/79-A.III.—Shri B. B. Sarkar, Asstt. Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) at Faridabad wef 17-3-79 (FN) on short-term basis for a period not exceeding 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. On his promotion as Marketing Officer, Shri Sarkar relinquished charge of the post of A.M.O. (Group I) at Faridabad in the forenoon of 17-3-79.

B. L. MANIHAR
Dir. of Admn.
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 1st March 1979

No. PPED 3(283)/76-Adm./278-2439.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. Vasu, a permanent Upper Division Clerk of BARC and officiating Assistant Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 26, 1979 to the afternoon of April 18, 1979 vice Shri B. D. Tambe, Assistant Accounts Officer promoted as Accounts Officer-II.

P. V. THATTE, Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES Bomb 19-400 001, the 7th March 1979

No. DFS/21/1(3)/78-Est/8391—The Director, Directorate of Purchaseand Stores appoints the following Storekeepers to officiate as Assistant Stores Officers in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity in the same Directorate with effect from the dates indicated against each until further orders:—

S. No.	Name		Unit	Date
1	2		3	4
S/Shr i				
1. G.R.C	G. Chowdhary		Stores Unit (DPS), N.F.C., Hyderabad.	26-2-79 FN
2. R.M.	Mondkar	٠	Stores Unit (DPS), N.F.C. Hyderabad	5-2-79 FN
3. H.R.	Dua .	•	Stores Unit (DPS), N.F.C., Hyderabad.	3-1-79 FN
4. K.C.S. Pillai		•	Stores Unit (DPS), A.M.O., Rajnandga	28-2-79 FN
5, K.T. Ummer		•	Stores Unit (DPS), V.E.C., Calcurta	13-2-79 AN
6. V.N. I	Dadlani .	٠	Stores Unit (DPS), R.A.P.P., Kota.	29-1-79 FN
7. B. Laz	kmın Rao		Stores Unit (DPS), H.W.P., Talcher	6-2-79 AN
8. C.H. I	Bulagopalan		Stores Unit (DPS), N.A.P.P. Madras.	23-2-79 FN

K.P. JOSEPH, Administrative Officer

Bombay-400 001, the 16th March 1979

No. DPS/23(9)/77-Est/8360.—The Director, Directorate of Purchase and Stores appoints Shii T. G. Gidwani, tempotary Storekeeper and adhoc Chief Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30 740 35-810 EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 at the same Directorate for the period from November 1, 1978 (FN) to January 29, 1979 (FN).

The 17th Match 1979

No. DPS/23/2/77-Est/8388.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Storekeepers to officiate as Assistant Stores Officers on an alloc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-45-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate for the periods mentioned against each:

- 1 Shri R. M. Mondkar, from 29-11-78 to 30 12-78
- 2 Shri N. B. Nadkarni, from 13-12-78 to 25-1-79.

The 20th March 1979

No DPS/23/2/77-Est./8446.—Director, Purchase and Stores Department of Atomic Energy, appoints Shri V. J. Deshpande, a temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as temporary Assistant Stores Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate wef the forenoon of April 27, 1978 to the afternoon of May 31, 1978 vice Shri V. B. Prabhu, Assistant Stores Officer, Central Stores Unit, granted leave.

B. G. KULKARNI Assit. Personnel Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota the 22nd March 1979

No. RAPP/Rect/7(8)/79S/623.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shi

M. Aravindakshan, a permanent Personal Assistant of Central Pool of Power Projects Engineering Division and officiating as Assistant Personnel Officer on adhoc basis in Rajasthan Atomic Power Project to officiate as an officer in the Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650—960) in a temporary capacity in the same Project with effect from the forenoon of 1st February 1979 until further orders. Shri Adavindakshon officiated as Assistant Personnel Officer on adhoc basis from 21-12-78 to 31-1-1979.

GOPAL SINGH, Administrative Officer (E)

for Chief Project Engineer

Kota, the 20th March 1979

No. RAPP/04627/1(437)/Admn./S-508.—The Chief Projects Engineer, Rajasthan Atomic Power Projects regets to announce the death of Shri P. V. Sunderarajan, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating as Assistant Personnel Officer in the Rajasthan Atomic Power Project on 12th March, 1979.

GOPAL SINGH, Administrative Officer (E)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 15th March 1979

No. A 22012/1/78-ES.—The President is pleased to appoint S/Shri S. Ranjan and Chaman Lal to the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection on ad-hoc basis with effect from 14-2-1979 for a period of three months or till the posts are regularly filled whichever is earlier.

S J. KHANDPUR, Asstt. Dir. Admn. for Dir. Gnl. of Civil Aviation

New Delhi, the 22nd March 1979

No. A. 32013/9/78-EC.—The President is pleased to appoint the following three Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on ad-hac basis for a period of six manths of till the visancies are available whichever is earlier w.c.f. the date indicated against each an to post them to station indicated against each:—

S. No. Name & Designation					Sin, of posting	Sin to which pasted	Date of taking over
1	2		3		3	4	ch irge
S/Shri 1. T.R. Sh	stri, Tochnical Officer	,			Aero: Comm. Stn. Bom- bay	Aero Comm Stn. Bombiy.	22-1-79 (PN)
2. A. Shanr	nugham, Technical Officer				Aoro Comm. Stn Madras	Aero. Comm. Sin. Midras.	31-1-79 (PN)
3 K.N.S. M	lani Technical Officer	•			Aero Comm. Sin., Madras.	Aero, Comm, Stn. Madras,	31-1-79 (FN)
4. M. Aruld	oss, Technical Officer .	•	•		Acro, Comm Stn. Madras	Aero, Comm. Stn. Madras.	22-1-79 (PN)
5. V.S. Mitr	a, Technical Officer .	-	٠		Radio Cons. & Dev. Units, New Dolhi.	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.	3-1-79 (FN)

The 26th March 1979

No A.38015/32/77-EC.—Shi P. L. Yuhanna, Assistant Communication Officer, D.G.C.A. (IIQ) relinquished charge of office on 28-2-79 (AN) on retirement from Government service under the provisions of FR 56(k).

S. D. SHARMA, Dy Dir. of Admn.

New Delhi, the 16th March 1979

No. A.32013/8/78-E.I.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Gulati, Deputy Director, Air Transport, to the post of Director, Air Routes & Aerodromes Operations), in the Civil Aviation Department, on an ad-hocbasis, with effect from 2-3-1979 (Forenoon) for a period 15—16GI/79

of six months, or till the post is filled on regular basis, whichever is carlier.

V. V. JOHRI Asstt. Dir. Admn.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 19th March 1979

No. 2/79.—Shii H. M. Kave, Superintendent of Central Lucise, Group 'B' working under Assistant Collector of Central Excise Surat has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 28-2-1979.

No 3/79—Shri I V Shah, Superintendent of Central Excise Group A' working under Assistant Collector of Central Excise Ahmedabad Dn II has retired on attaining the age of superinnuation pension in the afternoon of 28 2 1979

No 4.79—Shri K. V. Gujar, Superintendent of Central Excise Group-B working under Assistant Collector of Central Excise Ahmedabad I has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 28-2-79

No 5/79 - Shri R F Patel, Superintendent of Central Excise Group-B working under Assistant Collector of Central Excise Ahmedabad I has been permitted to proceed on voluntary retinement with effect from 28 2-79 is he had completed more than 20 years qualifying service

The 21st March 1979

No V (Misc)15-15/OA/76/N 11/79—In exercise of the powers vested in me, under Rule 232A of the Central Facise Rules, 1944. I am publishing in the table below names, addresses and other particulars is specified under sub-Rule (2) of Rule 232A of persons who have been convicted by a court under Section 9 of the Central Excises & 9 th Act, 1944

TABLE

Shri Pramodbhai Chha-1 (a) Namo and address ganbhai Patel 29, Kirtikunj Society, Kareli Baug, Baroda Rule 32, 151, 226 of C Ex Rules, 1924 for illicit (b) Provision of Act of Rules contrivance removal of 43 bags of tobicco ind transportation of tabicea without valid permit, illicit receiprof 106 bags of tobacco (c) Amount of ponalty imposed Under Soc 9(bb) 9(bbb) fine of Rs 1,500/and Rs 1,500/-าณ months 3 months simple impri-sonment awarde by JMF(Baroda 18-8-78 2 (a) Name and address Shri Babubhai Shon ibhai Patel Prop of Ghanshyam Tob Co of Borsad, Distt. Kara, L 2 No 4/73 of Rule 32 (2) of C Ex Rules 1944 for transportation (b) Provisions of Act or rules Contravened of 151 bags of non-duty paid tobacco without valid pormit (c) Amount of pen ilty imposed Under Sec 9(ħb) C Ex & Salt Act, 1944, Fine ci Rs 200- in de-fult 20 days 11ggrous imprisonment awarded by JMFC Borsad 14-9-78

KS DILIPSINIUI
Collector of Central Excise

CFNTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY
New Delhi 110012, the 23rd December 1978
CHEMICAL ESTABLISHMENT

No 30/1978—Shii Rakesh Kumar Chemical Assistant (ii) 1, Central Revenues Control Laboratory, New Delhi

has been appointed to officiate as Assistant Chemical Examiner in the New Custom House Laboratory, Bombay with effect from 12 12 1978 (FN) and until further orders

D R GUPTA, Chief Chemist Central Revenues Appointing Authority

NORTHERN RAILWAY

Now Dolhi, the 27th January 1979

No 1-The following Officer of IRSME retired finally from Railway Service from the date, noted against each -- S/Shir

1	M L Prabhakai	31-5-78 AN
2	G L Chaturveda	30-6-78 AN
3	GS Sokhey	31-10-77 A N
4	Kailash Nath	31-L ² 78 A N
5	V D Sharm t	31-1, 74 A N
6	Rojinder	19-12 67 A N
7	G L Gul u	6 10 67 A N

R S RINIVASAN General Manager

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 17th March 1979

No P 185/GAZ/Accounts—The following Officiating Class II Officers of Accounts Department of this Rullway one confirm d in Class II Service of that Department with effect from the date mentioned against each —

Namo	Confirmed with effect from
1 2	
1 Sri M V Morani	¥ 7 1976
2 Srik Ramanni	15-6 1977
3 Str T S Sothimudhava	Rao 10-4-1978
4 St. P Azaraiah Samue	l 1-7-1978

 $\begin{array}{cccc} T & M & THOMAS \\ G_{\varsigma,ne_{1}} & i & Minager \end{array}$

INTEGRAL COACH FACTORY

Madras 600 038, the 20th March 1979

No PB GG/9/Misc/II—On transfer from RDSO at ICF Sii K S Sambamurthy, Joint Director, Inspection (Electrical), assumed charge as Addl Chief Flectrical Engineer (SA level II) with effect from 11-9-78

- 2 On transfer from Railway Board, Sri C A Krishna murthy, Joint Director Railway Stores(P) has reported for duty on 18-9-78 and posted as Ofig Dy Controller of Stores (JA)
- 3 Sit N Rajagopalan reported to this administration on 12 10-78 and posted as Dy Financial Adviser and Chief Accounts Officer/System Development group (JA)
- 4 Sri C Surendran, Offg District Controller of Stores/Shell(SS) has been reverted to Class II service from 18 10 78
- 5 Sri K & Veighese, Shop Superintendent, (Class III) is promoted to officiate as Off API/PI/I/(Class II) with effect from 4 11-78 AN.
- 6 Sti S Stinivasan, Offg Divisional Engineer (C&W) on transfer from Eastern Railway reported for duty on ICF and posted as Offg Production Engineer/P1/Shell (SS) from 30-11-78

- 7. Sri Md. Khaja Mobideen, Offg. Asstt. Mechanical Engineer/DPD (Class II) has been relieved on 22--11-78 AN for Secondment to Zambia.
- 8. On transfer from Central Railway Sri R. Rangarajan. Offg. Junior Administrative Grade Officer, has reported for duty on I.C.F. and posted as Dy. Chief Personnel Officer (J.A.) from 29-11-78.
- 9. Sarva Sri H. C. D'Cruz, Officiating PE/PL/F and P. R. Narayanan, Offig. SMF/DPD have retired finally from Service on the AN of 30-11-78.
- 10. Sri S. Radhakrishnan, Olfg. Asstt. Works Manager, A/F (Class II) is promoted to Senior Scale and Posted as Offg. Production Engineer/PL/F₂(SS) from 6-12-78.
- 11. Sri K. Subramanian, Offg. Semor Electrical Engineer/TMI/CLW has reported to this administration on 22-12-78 and posted as Offg. Senior Electrical Engineer/System Development Group(SS).

R. RANGARAJAN, Dy. Chief Pnl Officer for General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Shree Vasuki Pottery Works Pvt. Ltd. Ahmedabad

Ahmedabad, the 22nd March 1979

No. 2267'560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Shree Vasuki Pottery Works Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. V. VATHA Registrar of Companies Gujarat

In the matter of the Companies Act 1956

and

"Sri Rangammal Sahaya Nidhi Limited (In Liquidation)

(See 445 of the Companies Act 1956)

Madras, the 23rd March 1979

No. 5049/C.Liqn/445/70.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras, dated 10-7-1970 passed in C.P. No. 36 of 1970 the company "Sri Rangammal Sahaya Nidhi Limited" was wound up.

Sd./- ELLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies, Tamilnadu

In the matter of the Companies Act 1956 and of Allied Apparel Private Limited

Calcutta, the 26th March 1979

No. 24432/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Allied Apparel Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCAR Asstt. Registrar of Companies West Bengal

INCOME TAX APPELATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 20th March 1979

No. F.48-Ad(AT)/78.P.II.—Shri R. K. Chakravorty, a permanent Assistant (Legal) in the Ministry of Law, Justice & Company Affairs is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Jabalpur Bench, Jabalpur in a temporary capacity with effect from 7-3-1979 (Forenoon) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- until further orders.

He will be on probation for two years with effect from 7-3-1979 (Forenoon).

P. D. MATHUR, President Income-tax Appellate Tribunal

CORRIGENDUM

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 30th March 1979

F. No. CHD/91/76-77.—
In the Notification No. CHD/91/76-77 dated 29th September, 1977 published at page 4692 of the Gazette of India, Part III—Section 1 New Delhi dated 15th October, 1977 in respect of property purchased by Smt. Chander Kanta Kapoor and Shri Virender Kumar Kapoor, R/o 781, Sector 22-A, Chandigarh, the following may be inserted against serial No. 3 (persons in occupation of the property) and against Sr. No. 4 (person whom the undersigned knows to be interested in the

property) :-S. No. 3.

> Shii O. P. Sharma, H. No. 743, Sector 22-A, Chandigarh.

> > (Person in occupation of the property)

S. No. 4.

The Manager, Allahabad Bank 15-Madhya Marg, Chandigarh.

(Person interested in the property)

NATHU RAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Luding in

Ludhiana, the 2nd April 1979 F. No. CHD/206/73-74.—

In the Notice under section 269D(I) of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), No. CHD/206/73-74 dated 11-10-1973 published at page 4907 of the Gazette of India, Part-III, Section I, New Delhi dated 20th October, 1973, the name of the transferee "Smt. Mahdeop Kaur w/o Shri Sangram Singh Aira" shall be read as "Smt. Maheep Kaur w/o Shri Sangram Singh Aira."

NATHU RAM. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/144, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th March 1979

Ref. No. IAC. Acq. I/SR-III/July-II(37)/78-79/564.—Whereas, I. Miss ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-rind bearing No.

B-22, situated at Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Raj Rani Chopra, Wd o Shri C. L. Chopra,
 - 2. Shii Ashok Chopra,
 - 3. Shri Ram Chopra and
 - Shri Krishan Chopia
 S/o late Shri C. L. Chopia,
 R/o 10/55, Darya Ganj, Delhi,
 - 5. Smt. Nalini Kapoor, 10 55, Darya Ganj, and
 - Smt. Iyoti Bharara,
 W/o Shri Harish Bharara,
 424, Canaux Street, Valvut Hampton, London.
 C/o Smt. R. R. Chopra

(Transferor)

(2) Master Vivek Sehgal (Minor) and Master Gautam Sehgal (Minor), S/o Shri (Dr.) Arjun Dev Sehgal, R/o B-29 Kailash Colony, New Delhi.

(Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. B-22, measuring 403.7 sq yard situated in Kailash Colony, New Delhi and bounded as under :--

Hast . Plot No. B-21 West . Plot No. B-22-\ North : Road South : Plot No. B-20A

MISS ANJAN1 OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 30-3-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE. **BOMBAY**

Bombay, the 29th March 1979

Ref. No. AR-I4015-10/Sep. 78.--Whereas 1, V. S. SESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(bereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 98 B of Worli Divn, situated at Dr. AB Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair maraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Sumatibai Marutirao Dhanwantey.

(Transferor)

(2) Sm! Jivanlata Jayant Dhanwatey.

(Transferee)

(3) (a) Mehta Carpet Show Room (b) OR-WO Pvt. Ltd.

(e) Motor Industries Co. Ltd.

(d) JL Morison Son & Jones India Ltd.
(e) Textiles Committee

(t) Bradma of India Ltd.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As mentioned in the Registered Deed No. 1988/73/Bom. and as Registered on 30-9-1978 with the Sub-Registrar, Bombay.

> V. S. SESHADRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 29-3-1979

FORM IINS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

\(\text{\CQUISITION RANGE}\),
\(\text{SHILLONG}\)

Shillong, the 27th March 1979

Ref. No A-214/Gau, 78.79 -Whereas J, R. N. BARA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No Dag Nog 27, K.P. Patta No 75 situated at New Fown Ulubari, Gauhati in the district of Kamrup

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gauhti on 21 7-78

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) 1 Shii Anil Kumai Burua, 2 Shii Sunil Kumar Barua, Zoo Road, Gauhati

(Transferor)

(2) Shrt Kausal Tewary S/o Late Babunanda Tewary, Lakhtokia, Gauhati

(I (ansteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested m the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 2(two) Katha 15 (fifteen) Lacha situated at New Town Ulubari, Gauhati in the dpistrict of Kamrup, Assam

R N. BARA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date 23-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOMF-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 27th March 1979

Ref. No A-213/Gnu/78-79—Whereas, I, R. N. BARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

k.P.P. No. 646. Dag No. 1583 situated at Mouza Gauhati, Chatribari Nagar, Gauhati, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gauhati on 27-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhavani Priya Das, W/o Shri Rameshwar Das, Santipur. Gauhati

(Transferor)

(2) Smt. Lifa Ram Chakiabarty, W. o. Shu Kamalendu Chakiabarty, Chatubari, Gauhati.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2(two) Katha situated at Kharga Chaudhury lane near Goshala of Chatubari, Gauhati in the district of Kamrup (Assam).

R. N. BARA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 23-3-1979

FORM ITNS----

(1) Shii Arun Kumar S/o Bhagwandas Soui, Itwara, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Kunjbeharilal Dubey s/o Shii Ramratanlal Dubey, Vidisha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd March 1979

Ref. No. IAC / ACQ BPL/1234/78-79, ---Whereas, I, B, L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot and House situated at Chhindwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhindwara 4th July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Nazul Plot No. 17/4, Block No. 1, Chhindwara measuring 22000 sft. with house single storeyed No. 347, Ward No. 8.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-3-1979

TORM ITNS -

(1) 1 Smt Shashikumari W o Harbhajanlal, 2 Smt Ritakumari W/o Rameshkumar, 117, Jaora Compound, Indore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVI RNMFNT OF INDIA

(2) Shii Badiilal S/o Ramnarayan Cupta, 57 Jaora Compound Indore

(Pransferee)

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, MP

Bhopal, the 3rd March 1979

Ref. No. IAC, ACQ/BPI 1235/78-79 --Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Plot No 45-A situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 27-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FYPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No 45-A situated at Jaora Compound, Indore consisting of an area of 2691 sft

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:——16—16GI/79

Date: 3-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 2nd February 1979

Ref. No. KNL/13/78-79.—Whereas, I, Ravinder Kumar Pathania. Competent Authority under Section being the 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) ʻsaid (hereinafter referred to as the Act'). reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi with land area 556 Sq. yards situated at Jarnaily Kothi Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in July, 1978 an apparent consideration which for is less than fair value of the the market aforesaid property. I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surinder Singh Sandhu S/o Shri Chanchal Singh Sandhu, Advocate R/o Sandhu House, Jamaily Kothi, Kamal.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal s/o Shri Jaswant Lal, R/o Sadar Bazar, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property comprising of a kothi with land area 556 sq yds. situated at Jamaily kothi, Karnal and as mentioned in the sale deed registered at No. 3005 dated 14-7-1978 with the Sub-Registrar, Karnal.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 2-2-1979

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGF, SONEPAT ROAD ROHTAK

Rohtak, the 2nd February 1979

Ref No KNL/14/78 79—Whereas, f, Ravinder Kumai Pathania, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Plot measuring 555 sq yards, situated at Jarnaily Kothi Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kainal in July, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surindei Singh Sandhu Soo Shri Chanchal Singh Sandhu, Advocate Roo Sandhu House, Jainaily Kothi, Kainal

(Transferor)

(2) Shir Gulshan Kumai s/o Shir Sawan Mal. R/o Sadar Bazar, Karnal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 555 sq yds situated at Jamaily kothi, Karnal and its mentionen in the sale deed registered at No 3007 dated 14 7 1978 with the Sub-Registrar, Karnal

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 2-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

Rohtak, the 26th March 1979

SONEPAT ROAD, ROHTAK

Ref. No. PWL/1/78-79.—Whereas, I, Ravinder Kumar Pathania,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One house situated at Palwal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palwal in July, 1978

for an apparent consideration which is less than than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin gthe concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Shiv Nath Rai Mahna C/o Shri Rajesh Mehna, C-343, DDA Flats, Malvia Nagai Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shu Girdhari Lal s/o Shu Khiali Ram, R/o Palwal Distt. Gurgaon.

(Tiansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house situated at Palwal and as described in sale deed Registration No. 1997 dated 27-7-1978, Registered in the office of the Registering Authority, Palwal.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 26-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICL OF THE INSPECTING ASSTI COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHJANA (FNTRAL REVENUE BUILDING

Eudhian i the 15th Murch 1979

Ref. No. PTA 119/78-79—Whereas, I. NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income tix. Acquisition Range. Euclidian)

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

Agu Land measuring 36 kanals 19 mailas situated at village Galhori Tebsil Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Parial's in September 1978

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pur poses of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shii Bhigwinder Singh S/o Capt Chet Singh, R/o Kothi I al Bagh Patrila

(liansferor)

(2) Shii Guidev Singh Grewal S o Shii Guidial Singh 1/o 23 B Model Town Ditiala

(Iransferce)

- (3) 1 Shii Gajja Singh s/o Shii Hardit Singh
 - 2 Shii Harbans Singh s/o Shii Gajja Singh
 - 3 Shri Guibans Singh 1/0 Shri Gajja Singh
 - 4 Shii Sukhbans Singh s/o Shii Gajja Singh
 - 5 Shri Chitwant Singh 5/0 Shri Gajja Singh
 - 6 Shii Haiinderpal Singh and
 - 7 Shii Jatindeipal Singh Shii Jatinderpal Singh

Shii Jaunderpai Singh Ss/o Shri Sucha Singh

All 1 o Village Galhott, Ich Patiala (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 36 kanals 19 mailas situated village Galhori Tehsil Patrida

The property as mentioned in the Registered Deed No. 3063 of 1st reptembe 1978 of the Registering Officer Patrila.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 1 udhiana

Date 15th March 1979 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref No PTA/102/78 79—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and beauing No

Land measuring 39 kanals 12 mailas situated at village Chihori, Tehsil Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or my moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) Smt Kailash Devi d/o Maharaja Bhupinder Singh through General Attorney Smt Dalip Kaur Wd/o Maharaja Bhupinder Singh R/o Kothi Lil Bagh, Patiala

(Transferor)

(2) Smt Rajindei Kaur d/o Shii Gopal Singh R/o 23-B, Model Town, Patiala

(Transferee)

- (3) I Shii Gajja Singh s/o Shii Haidit Singh
 - 2 Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 - 3 Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 - 4 Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 - 5 Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
 - 6 Shri Harindeipal Singh and
 - 7 Shri Jatinderpal Singh Ss./o Shri Sucha Singh

Ss/o Shri Sucha Singh All 1/o Village Galhori, Tch Patiala (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 39 kanals 12 marlas situated at village Galhori. Teh. Patiala

(The property as mentioned in the Registered Deed No 2609 of August 1978 of the Registering Officer, Patrala) Patrala)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/103/78-79 - Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land masuring 20 kanals 18 marlas situated at village Gulhori, Tehsil Patiala

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shii Bhagwinder Singh s/o Shii Chet Singh R/o Kothi Lal Bagh, Patiala.
 - (Transferor)

(Transferee)

- (2) Capt Bhajan Singh 1/0 Shii Jiwan Singh and Smt Baldev Kaur d.o Shri Bhola Singh R.o 72 D. Model Town, Patrala.
- (3) 1 Shii Gajia Singh 5/o Shii Haidit Singh
 - 2. Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 - 3 Shii Guibans Singh s/o Shri Gajja Singh
 - Shu Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 - Shri Chitwant Singh 3/0 Shri Gajja Singh
 - Shir Harinderpal Singh and

Shri Jatinderpal Singh Ss/o Shii Sucha Singh All 1/o Village Galhori, Teh. Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 kanals 18 marlas situated at Village Galhou, Joh Palulu

The property as mentioned in the Registered Deed No. 2610 of August 1978 of the Registering Officer, Patiala)

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Judhiana

Date 15th March 1979

FORM ITNS-----------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CLINTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/104/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - und hearing No Land measuring 40 kanals 3 marlas situated at village Gulhori, 'Tehsil Patada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patiala in August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt Kailash Devi do Maharaja Bhupinder Singh through General Attorney Smt. Dalip Kaur Wd/o Maharaja Bhupinder Singh R/o Kothi Lal Bagh, Patlala.

(Transferor)

(2) Smt. Rajinder Kaur d/o Gopal Singh S/o Gurmukh Singh R/o 23-B Model Town, Patiala.

(Transferce)

- (3) 1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh
 - 2. Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 - 3. Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 - 4. Shri Sukhbans Singh 3/0 Shri Gajja Singh
 - 5. Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
 - 6. Shri Harinderpal Singh and
 - 7. Shri Jatinderpal Singh

Ss/o Shri Sucha Singh

All 1/0 Village Galhori, Teh. Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40 kanals 3 marlas situated at Village Galhori Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2683 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludbiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/105/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 38 kanals 6 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-17—16GI/79

(1) Smt. Krishna Devi d/o Shri R. N. Singh through General Attorney Shri Bhagwinder Singh S/o Capt Chet Singh R/o Kothi Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh Grewal s/o Shri Gurdial Singh R/o 23-B Model Town, Patiala.

(Transferee)

(3) 1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh

2. Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh

3. Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh

4. Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh

5. Sri Sukhbans Singh svo Shri Gajja Singh

6. Shri Harinderpal Singh and

7. Shri Jatinderpal Singh Shri Jatinderpal Singh Ss/o Shri Sucha Singh

All r/o Village Galhori, Teh. Patiala. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the inforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expresions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 38 kanals 6 mails situated at Village Galhori Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2714 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref No PTA/107/78-79 — Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

Land measuring 39 kanals 19 marlas situated at village Gulhou, Tehsil Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Patialia in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Smt Kailash Devi d/o Maharaja Bhupinder Singh through General Attorney Smt Dalip Kaur Wd/o Maharaja Bhupinder Singh R/o Kothi Lal Bagh, Patiala

(Transferor)

(2) Smt Rajinder Kaur d/o Gopal Singh S/o Late Gurmukh Singh R/o 23-B, Model Town, Patrala.

(Transferee)

- $(3) \frac{1}{2}$ Shir Gajja Singh 8/0 Shir Hardit Singh
 - Shii Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 - Shri Gurbans Singh 5/0 Shri Gajja Singh
 - Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajia Singh Shii Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
 - Shii Harinderpal Singh and Shii Jatinderpal Singh

Ss/o Shri Sucha Singh

All r/o Village Galhoii, Teh, Patiala

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publicuation of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

I XPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 39 kanals 19 mailas situated at Village Galhon, Tehsil Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2737 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala). Patiala)

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date 15th March 1979

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I UDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref No PTA/108/78 79 - Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Land measuring 38 kanals 16 marlas situated at village Galhoti Tehsil Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely '--

(1) Smt Krishna Devi d/o Shii R N Singh through General Attorney Shri Ghagwinder Singh S/o Capt Chet Singh R/o Kothi Lal Bagh Patiala

(Transferor)

(2) M/s Guidev Singh Grewal & Co Patiala Through S Guidev Singh, Partner 23-B Model Fown Patnala Model fown Patuala

(Transferce)

(3) 1 Shir Garja Singh 5/o Shir Hardit Singh

Shii Haibans Singh s/o Shii Gajja Singh Shii Guibans Singh s/o Shri Gajja Singh

Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gaija Singh Shri Chitwant Singh s/o Shri Gaija Singh

Shii Haiinderpal Singh and Shii Jatinderpal Singh Ss/o Shri Sucha Singh

All 1/0 Village Galhoii, Tch Patiala

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 38 kanals 16 marlas situated at village Galhori, Teh Patiala

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2738 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala) Patiala)

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Ludhiana

Date · 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/110/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

Land measuring 31 kanals 18 marlas

situated at village Galhori, Tehsil Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908), in the office of the Registering Officer at

Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :

(1) Shri Bhagwinder Singh s/o Shri Chet Singh R/o Kothi Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh Grewal s/o Shri Gurdial Singh R/o 23-B Model Town, Patiala.

(Transferce)

(3) 1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh

Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh

Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
 Shri Harinderpal Singh and
 Shri Jatinderpal Singh

Ss/o Shri Sucha Singh

All r/o Village Galhori, Teh. Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31 kanals 18 marlas, situated at village Galhori, Tehsil Patiala,

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2776 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala.) Patiala.)

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/111/78-79.—Wherens J. NATHU RAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter reterred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Land measuring 28 kanals 10 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to bme disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

 Smt. Krishna Devi d/o Shri R. N. Singh Through General Attorney Shri Bhagwinder Singh S/o Shri Chet Singh R/o Kothi Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Rajinder Kaur d/o Gopal Singh and Sardar Bhajan Singh s/o Jiwan Singh R/o 72-D, Model Town, Patiala.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Gajja Singh s/o Shii Hardit Singh 2. Shii Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh 3. Shii Gurbans Singh s/o Shii Gajja Singh 4. Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh

 - 5. Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
 6 Shri Haunderpal Singh and
 7. Shri Jatinderpal Singh
 - Ss/o Shi Sucha Singh

All 1/0 Village Galhori, Teh. Patiala,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 28 kanals 10 marlas situated at Village Galhori Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2777 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date . 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/112/78-79 -- Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Land measuring 24 kanals 19 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Bhagwinder Singh s/o Capt Chet Singh R/o Kothi I al Bagh, Patiala

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Shii Gurdev Singh Grewal s/o Guidial Singh R/o 23 B Model Town, Patinla

(Transferee)

- (3) 1 Shii Gaija Singh s/o Shri Haidit Singh
 - Shri Haibans Singh s/o Shii Gajja Singh Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajia Singh
 - Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 - Shir Chitwant Singh s/o Shir Gajja Singh
 - Shii Harinderpal Singh and Shii Jatinderpal Singh

55/o Shri Sucha Singh

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein as EXPLANATION are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24 kanals 19 marlas situated at Village Galhoii, Tehsil Patiala

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2795 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date · 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/114/78-79.—Whereas, J, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 39 kanals 14 marlas situated at village Gulhoii, Tehsil Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bhagwinder Singh s/o Shri Chet Singh, R/o Kothi Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

(2) S. Guidev Singh Grewal s/o Gurdial Singh Grewal R/o 23-B Model Town, Patiala.

(3) 1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh

Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh

5. Shri Chitwant Singh s/ Shri Gajja Singh

Shri Harinderpal Singh and
 Shri Jatinderpal Singh Ss/o Shri Sucha Singh

All r/o Village Galhori, Tch. Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 39 kanals 14 marlas situated in Village

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2825 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/113/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing No.

Land measuring 39 kanals 12 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Smt. Kailash Devi d/o Maharai Bhupinder Singh Through General Attorney Smt. Dalip Kaur Wd/o Maharaja Bhupinder Singh, R/o Kothi Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Ranjeet Kaur d/o Shri Gopal Singh R/o 23-B Model Town, Patiala, and Shri Jagrup Singh s/o Shri Inder Singh R/o Patara.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh
 - Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh

 - Shri Chitwant Singh s/ Shri Gajja Singh Shri Harinderpal Singh and Shri Jatinderpal Singh

Ss/o Shri Sucha Singh

All r/o Village Galhori, Tch. Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 39 kanals 12 marlas at Village Galhori, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2796 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

2909

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/115/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing No.

Land measuring 23 kanals 18 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

18--16GI/79

(1) Smt. Krishna Devi d/o Shri R. N. Singh Through General Attorney Shri Bhagwinder Singh S/o Chet Singh R/o Kothi Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Ranjeet Kaur d/o Shri Gopal Singh, 2. Shri Jagrup Singh s/o Shri Inder Singh R/o Patiala 3. S/Shri Jagjit Singh, Inder jeet Singh Ss/o Shri Bhajan Singh, R/o Model Town, Patiala. R/o 23-B Model Town, Patiala.

(Transferee)

(3) 1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh
 Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
 Shri Chitwant Singh s/ Shri Gajja Singh
 Shri Harinderpal Singh and
 Shri Jatinderpal Singh
 Shri Sucha Singh

All r/o Village Galhori, Teh. Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 23 kanals 18 Marlas situated at Village Galhori, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2827 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala.) Patiala.)

NATHU RAM

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. CHD/173/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/arid bearing

House property No. 3025, Sector 27-D, Chandigarh, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Gurbax Singh s/o Shri Hazara Singh
 Smt. Balwant Kaur w/o Shri Gurbax Singh R/o H. No. 3025, Sector 27-D, Chandigarh Permanent resident of V. & P.O. Jaipura, Tchsil Payal, Distt. Ludhiana.

(Transferor

(2) Shri Pritam Singh Sodhi s/o Shri Naranjan Singh Sodhi R/o 537, Sector 16-D, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Shri Harsaran Singh

Shri Balwant Singh
 Shri Ashok Kumar

4. Shri Prem Chand

5. Smt. Mohinder Kaur

6. Shri Shyam Bahadur 7. Shri Dharam Pal

All r/o H. No. 3025, Sector 27-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 3025, Sector 27-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 323 of July 1978).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. CHD/175/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Single Storey Residential House No. 78, Sector 18-A, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (b) facilitating the concealment of any income or any to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

- (1) Mrs. E. Bhanot wd/o Shri P. D. Bhanot, House No. 444, Sector 35, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Harbans Kaur w/o Shri M. S. Bhinder, House No. 93, Sector 18-A, Chandigarh. (Transferce)
- (3) Shri A. S. Nehra, Additional Advocate General, Haryana, House No. 78, Sector 18- Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey residential house No. 78, Sector 18-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 338 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Ludhlana

Date: 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTICCOMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref No CHD/177/78-79—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No

Agricultural land measuring 15 kanals 7 marlas situated at Village Nazampur Kumbra, UT, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigaih in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raila Singh s/o Shii Basawa Singh, R/o Village Kajheri, UT, Chandigarh

(Transferor)

(2) New Central Doaba Tourist Bus Co (Regd), Chandigath, through Shii Mohinder Singh S/o Bhulla Singh, R/o 325 Sector 33-A Chandigath

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 kanals 7 mailes situated in Village Nazampur Kumbia, UT, Chandigarh (The property as mentioned in the Registered Deed No

350 of July 1978 of the Registering Officer, Chandigarh)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 15th March 1979 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. CHD/178/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

Booth site No. 30, Sector 31-D, Chandigarh measuring 58.17 Sq. yds. situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surjit Singh Chawla, R/o H. No. 1554, Sector 20-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Bhatia w/o Shri R. C. Bhatia, R/o 3162, Sector 15-D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booth site No. 30, Sector 31-D, Chandigarh measuring 58.17 Sq. yds.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 352 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. CHD/180/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 194 (New No. 1234), Sector 18-C, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Durga Devi w/o Shri Lok Nath Mehta, Mohan Meaken Breweries, Solan (H.P.). (Transferor)

(2) Shri Vidya Sagar Relan s/o Shri Ram Kishan Relan and Smt. Pritibha Relan w/o Shri Vidya Sagar Relan, S.C.F. 41, Sector 18-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 194 (New No. 1234), Sector 18-C, Chandigarh measuring 500.5 Sq. yds.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 361 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiann

Date: 15th March 1979

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMP TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. (HD/183/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

SCO Site No. 294, Sector 35-D, Chandigarh measuring 121 Sq. Yds.

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in July, 1978

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harcharan Singh s/o Shri Behl Singh, R/o H. No. 1212, Sector 34-C. Chandigarh.

(Transferor)

(1) 1. Smt. Kartar Kaur w/o Shri Kishan Singh

2. Shri Jagdish Singh s/o Shri Darshan Singh, 3. Shri Harvinder Singh s/o Shri Kishan Singh All residents of H. No. 2064, Sector 15-C. Chandigarh.

(Transferee)

(3) Central Bank of India, SCO No. 294, Sector 35-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. SCO site No. 294, Sector 35-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 369 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. CHD/185/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

203, Sector 29 Free hold middle commercial Plot measuring 1535,12 Sq. yds. situated at Sector 29, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Kishan Singh s/o Shri Jagat Singh, R/o House No. 3037, Sector 28-D, Chandigarh.

1. Anital Kumari w/o Shri Ashok Kumar
 2. Santosh Kumari w/o Shri Jai Parkash,
 3. Deepak Mehal, minor s/o Shri Jai Parkash,
 4. Joti Mehal, minor s/o Shri Jai Parkash,

5. Amrit Kumar Mehal minor 8/0 Ashok Kumar Thruogh their futher and Natural Gurdian Shri Jai Parkash and Shri Ashok Kumar respectively All 1/0 H. No. 147, Sector 28-A. Chandigarh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Free hold middle commercial plot No. 203 measuring 1535.12 Sq. yds. situated in Sector 29, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 381 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

> NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date ; 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 S/Shri Matu Ram & Jaswant Singh Sons of Shri Sudama,
 Dadoomana, UT Chandigarh

(Transferor)

(2) Shri Geja Singh & Others, R/o V. Dhanas, UT. Chandigarh

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref No CHD/191/78-79—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 15 kanals 10 marlas situated at Village Dadoomajra U.T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed kereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facultating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19-16GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ohter person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 kanals 10 marlas situated in Village Dadoomajra, UT Chandigarh

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 415 of July, 78 of the Registering Authority Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date . 15th March 1979

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. NBA/67/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Land measuring 9 kanals 10 marlas situated at Nabha Tehsil Nabha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Om Parkash s/o Madan Gopal C/o Jindal Engineering Works,
 23-C, Fokal Point, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Krishan Jindal s/o Jagan Nath 2. Ajay Jindal s/o Shri Krishan Jindal S/o Shri Jagan Nath, R/o Jindal Niwas Cinema Road, Nabha Distt. Patlala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 kanals 10 marlas situated at Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1473 of August 1978, of the Registering Officer, Nabha.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. NBA/68/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 9 kanals 10 marlas situated at Nabha, Teh. Nabha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in August, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—

(1) Shri Amrit Lal s/o Madan Gopal, B-VIII-276, Naya Muhalla, Ludhiana.

(Transferor)

 Smt. Santosh Kumari w/o Shri Krishan Jindal S/o Jagan Nath
 Shri Rajnish Jindal s/o hri Krishan Jindal S/o Jagan Nath R/o Jindal Niwas, Cinema Road, Nabha, Distt. Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 kanals 10 marlas situated at Nabha. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1474 of August, 1978 of the Registering Officer, Nabha.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

(1) Shri Daya Ram s/o Shri Gopal Dass, R/o V. Boorian, Teh. Jagadhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Kuldip Kumar Khanduja & Brothers, Kothi No. 1330, Sector 18-C, Chandigarh. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

Ludhiana, the 15th March 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. DBS/26/78-79,—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 34 bigha 16 biswas situated at Village Kishan Pura, SubTch. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 34 Bigha 16 Biswas situated in Village Kishanpura, Sub-Tch. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 565 of July, 1978 of the Registering Officer, Dera Bassi.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhian

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. AML/74/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 1 Bigha 7 Biswa situated at Village Nasrali Sub-Teh. Amloh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S/Shri Rattan Singh, Daya Ram, Kundan Singh, Jangir Singh, Naurata Singh
 Ss/o Shyama
 R/o Village Nasrali S.-Teh. Amloh, Distt. Patiala.
 (Transferor)
- (2) Smt. Kusum Sharda w/o Shri Pawan Kumar Sharda S/o Shanti Saroop C/o Himalya Iron Traders, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 7 Biswa situated in Nasrali Sub-Tchsil Amloh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 743 of July, 1978 of the Registering Officer, Amloh.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. KHR/1/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 130, Phase I, Mehali, (S.A.S. Nagar), Distt. Ropar situated at Roper

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Saroj Kumari w/o Shri Dharam Vir, R/o Hathrash, Distt. Aligarh (U.P.)

(Transferce)

(2) Shri K. K. Bhatnagar, I.A.S.,
Deputy Secretary to Government, Punjab,
Industries Department,
Room No. 19, 3rd Floor,
Punjab Civil Secretarlat, Chandigarh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 130, Phase I, Mehali (SAS Nagar), Distt. Ropar.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2071 of July, 1978 of the Registering Officer, Kharar,)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/93/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop and House property No. 159-A/3 and 159/3 Dharampura Bazar, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1)1. Shii Gurcharan Singh s/o Shri Chunchal Singh R/o A-212, Defence Colony, New Delhi. 2. Smt. Bhupinder Kaur wd/o Shri Chanchal Singh R/o New Delhi. Shri Inderjit Singh s/o Shri Chanchal Singh R/o New Delhi. 4. Smt. Jashir Kaur d/o Shri Chanchal Singh R/O Ambala Cantt.
 5. Shri Jaspal Singh Jabbi s/o Shri Chanchal Singh R/o Bilaspur (Maharashtra) Through General Attorney S/o Shri Chanchal Singh Shri Gurcharan Singh R/o A-212, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Bhajan Kaur w/o Shri Ripduman Singh
 (2) 1. Smt. Bhajan Kaur w/o Shri Ripduman Singh
 3. Smt. Paramjit Kaur w/o Shri Sardar Singh
 All r/o H. No. 159-A/3, Dharampura Bazar, Patiala.
- (3) 1. Smt. Saran Kaur w/o Shri Sant Singh R/o 159-A/3 Dharampura Bazar, Patiala. 2. Shri Ripduman Singh s/o Shri Sant Singh R/o 159-A/3 Dharampura Bazar, Patiala.
 3. Shri Harnam Singh, Shopkeeper, R/o 159-A/3, Dharampura Bazar, Patiala. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop and House property No. 159-A/3 and 159/3 Dharampura Bazar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2212 of July, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. CHD/188/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Plot measuring 256.70 sq yards bearing No. 3334 (Old No. 8), situated at sector 19-D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Miss Surinder Kaur, Parminder Kaur Daughters of Late Shri Wazir Singh and Shri Jagbir Singh s/o Late Shri Wazir Singh All r/o H. No. 8-D, Ashu Babu Lane, Kidarpur, Calcutta-23.

(Transferor)

(2) Shri Dev Raj Thapar s/o Late Shri Amrit Shah Thapar, R/o H. No. 3048, Sector 27-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 256.70 sq. yards bearing No. 3334 (Old No. 8), Sector 19-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 396 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th March 1979

FORM ITNS - ---

(1) Shri Kirpal Singh vo Shri Gurbax Singh Sector 22, Chandigath, co Your Studio,

(2) Shri Baldev Raj Aggarwal

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACCUTSTITION RANGE, CENTRAL PEVENUT BEDG LUDHIANA

Ludhiana, the 21st March 1979

Ref. No. CHD/189-78-79 -Whereas I. NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential House No. 297, Sector 20-A, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—
20—16GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

s/o Shri Lahori Ram Aggarwal, r'o H No. 297, Sector 20-A. Chundigarh.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Residential House No 297, Sector 20-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No 403 of July, 1978 of the Registering Authority, Chandigarh)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. I udhiana.

Date : 21-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CFNTRAI REVINUE BLDG LUDHIANA

Ludhiana, the 21st March 1979

Ref. No. LDH/121/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Shop No. B-IV-305, measuring 48½ sq. yds. situated at Sarafan Bazar, Iudhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hari Kishan s/o Shri Chhaju Ram, r/o B-IV-1823, Mohalla Naughara, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar s/o Shri Jai Ram, r/o B-II-2921, Shivpuri, Ludhiana.

(Transferee)

(3) Shri Udho Ram, Shop No. B-IV-305, Sarafan Bazar, Ludhiana.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B-IV-305, measuring 481 sq. yds. situated at Sanafan Bazur, Ludhiana).

(The property as mentioned in the Registered dated No. 3067 of November, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 21-3-1979

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 24th March 1979

Ref. No. CHD/172/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House property No. 85, Sector 15-A, Chandigath situated at Chandigath,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Roshan Lal Anand 5/0 Lala Durga Dass Anand, r/0 85, Sector 15-A, Chandigath.

(Transferoi)

(2) Smt. Havoni Bai w/o Shri Radha Kishan, r/o 85, Sector 15-A, Chandigarh.

('Fransferee')

(3) J. Shii Ram Lal, 1/0 H. No. 85, 15-A, Sector, Chandigarh.

2. Shri Jattu Ram r/o H. No. 85, 15-A Sector, Chandigarh.

3. Shri Virender Kumar, 1/0 H. No. 85, 15-A Sector, Chandigath.

4. Shii Mega Singh, r/o H. No. 85, 15-A Sector, Chandigarh.

 Smt. Sutunder Saini, r/o H. No. 85, 15-A Sector, Chandigarh.

[Persons in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 85, Sector 15-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 319 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 24-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTTION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 24th March 1979

Ref. No. CHD/179/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Semi Industrial bay Shop No. 9, Sector 18-D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tox Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the r sue of this motice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagjit Chander Sharma 5'0 Shri Durga Dass Sharma, 1/0 217, Sector 18-A, Chandigath.

(Transferor)

(2) Smt. Brij Mohini Sharma w/o Shri Jagjit Chander Sharma, r/o 217, Sector 18-A, Chandigath.

(Transferee)

(3) Shri Kishan Kumar Verma, S.C.F. 21, Sector 18-D, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Semi Industrial bay Shop No. 9, Sector 18 D. Chandigath on a plot measuring 99,08 sq. vards.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 357 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 24-3-1979

FORM I INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME ΓΛΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BLDG LUDHIANA

Ludhiana, the 28th March 1979

Ref No CHD/190,78-79 - - Whereas, I NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ry 25,000/and bearing No

SCO No 13, Sector 17-F, situated at Chandigath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in July, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '-

- (1) Smt Lila Vati Bansal w/o Shri R D Bansal, i o H No 1221 Sectol 8-C, Chandigarh (Transferor)
- (2) (1) Shii Virsa singh Bhullai 8/0 Shri Bishan Singh Bhullai

(11) Shir Baldev Singh Bhullar s/o Shri Bishan Singh Bhullar,

- (iii) Smt Harbans kauf Bhullar w o Shri Viisa Singh Bhullar all 1/0 Village Fattuwala, PO Jhok Hari Hai, Jeh & Disti Ferozepur (Transferee)
- (3) (i) M/s Remington Rand of India Ltd

Oround floor, SCO 13 17-L, Chandigath
(ii) Shri Bishan Dass,
Prop. New B D Tailors, 1st floor
SCO 13/17 L, Chandigah

(iii) Shri Ashwani Kumar

(iv) \mathbf{M}/s

(iii) Sint Ashwan Kumar
Prop Ashish Lailois 1st floot
SCO 13/17 E, Chandigah
(iv) M/s Sattor Sixteen,
SCO 13-17 E, Chandigah
(v) The XFN, Workshop, Sub Division
Irrigation Deptt, Punjab, 2nd floor,
SCO 13/17-Y Chandigah
(vi) The Director.

(vi) The Director, Punjabi Cell, Language Depit Punjab, 31d floor, SCO 13/17-1 Chandigah

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO 13, Sector 17-L Chandigath (The property as mentioned in the registered deed No. 411 of July 1978 of the Registering Officer, Chandigarh)

> NATHU RAM, Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Ludhiana

Date 28-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th December 1978

Acq, File. Ref. No. 866.—Whereas I, N. K. NAGA-RAIAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

ASST, 400, situated at Narsapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Naisapur on 18-7-1978

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Penumatcha Subbaraju, s/o Bangaru Raju, Jinnuru, W.G. Dist.,

(Transferor)

Tadikonda Naveen Sundar,
 Ti Pratap Sundar,
 c/o Sri T. N. B. Sundaram,
 Royapeta, Narsapur,
 W.G. Dist.,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1559/78 registered before the Sub-Registrar, Narsapur, during the F.N. ended on 31-7-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 14-12-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shii Rao Laxmi Venkata Rangarao, 5/0 Sii Sobhanachala Jugannadha Gopala Laxmana Rao, Chatrai, Tiruvuru Tq, Kiishna Dist

(Transferor)

(2) Shu Bandi Ramahotaiah, 9/0 Su Pakeeraiah, Tallamudi, Eluru Tq, WG, Dist,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGF, KAKINADA

Kakinada, the 23rd January 1979

Ref No Acq File No -871 -Wherens I, B V SUBBA RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing

RS No 112, situated at Chatrai Krishna Dist (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 28-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document. No 1855/78 registered before the Sub-Registrar, Nuzvid, during the FN ended on 31-7-1978

B V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range (i/c),
Kakinada

Date 23-1-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Nimmala Rangarao,

N. Balakrishna Rao,
 N. Gungadhara Rao,
 M/G. Father Sri N. Ranga Rao,
 Kalla, Bhimavaram Tq.,
 W.G. Dist,

(Transferors)

(2) Shrimati Kotha Venkata Satyavathi, w/o Sri Satyanaruyana Murthy, 6th Ward, Bhimavaram, W.G. Dist.,

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 31st January 1979

Ref. No Acq File 874.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing

RS. No. 162/1 & 201, situated at Kalla

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Undi on 3-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire lates.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1063/78 registered before the Sub-Registrar, Undi, during the F.N. ended on 15-7-1978.

B, V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Runge (i/c),
Kakinada

Date: 31-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st January 1979

Ref. No. Acq. File 875.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. Jands, situated at Chatrai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid in July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—16GI/79

 Smt. Inuganti Laxmi Venkayamma, w/o Shri Venkata Narasimha Rao, Chatrai, Tiruvuru Tq., Krishna Dt.,

(Transferor)

(2) Smt. Paladugu Satyavathi, w/o Shri Parasuramaiah, c/o Sri Satyanarayana Swamy Auto Finance Co., Krishnaltanka, Vijayawada.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1854/78 registered before the Sub-Registrar, Nuzvid, during the F.N. ended on 31-7-1978.

B. V. SUBBA RAO, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range (i/c), Kakinada

Date: 31-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th February 1979

Ref. No. Acq. File No. 876,--Whereas I, B. V. SUBBA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS. No. 74, situated at Bommuru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 15-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Sri Ravinutula Subba Rao,

 - Sri R. Venkata Krishna Rao,
 Sn R. Venkata Narasimha Rao
 Sri R. Sreenivasa Rao,

Alcot Gardens, Rajahmundry.

(Transferors)

(2) Shri Garikipati Venkata Krishna, Minor//Guardian Dr. G. Gopalakrishna, Prakashnagar, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2818/78 registered before the Sub-Registrar, Rajamundry during the fortnight ended on 15-7-1978.

B. V. SUBBA RAO Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Runge (1/c), Kakinada

Date: 6-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

KAKINADA

Kakınada, the 6th February 1979

Ref No Acq. File No 877.—Whereas I, B V SUBBA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer red to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

RS No 74, situated at Bommuru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 15-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) 1 Ravinutula Venkata Subbarao 2 R Venkata Krishna Rao,
 - 3 R Venkata Narasimha Rao,
 - 4 R. Sreenivasa Rao, Alcot Gurdens, Rajahmundiv

(Transferors)

(2) Shri Garikipati Pakeeraiah, S/o Krishnaiah Prakashnagar, Rajahmundiy

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2848/78 registered before the Sub Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 15 7 1978

B V SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (1'c),
Kakinada

Date 6 2-1979

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th February 1979

Ref. No. Acq. File No. 880.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 26-16-28, situated at Gandhinagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 25-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri D. Sambasiva Rao,
 C/o Friends Shoc Co.
 Mallikarjuna St. Hanumanpeta,
 Vijayawada-3.
- Sri Ch. Pitchaiah,
 Sri P. Uma Sambasiva Rao,
 Sri U. Venkuteswar Rao,
 Partners of M/s Peoples Shoe Co.,
 Vuyyuru Zamindar St. Gandhinagar,
 Vijayawada-3.
- (3) Pioneer Foot Wear Agencies, Vijayawada-3.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3499/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 31-7-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ronge (i/c),
Kakinada

Date: 8-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMFD KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd January 1979

Ref. No. 442/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 1, situated at May Fair Road Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

(1) Shri Bhaba Sankar Das, 11, Suri Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Ajmera Investment Pvt. Ltd., 2, May Fair Road, Calcutta.

(Transferce)

(3) M/s. Oriental Trading & Investment Co. (Portion)

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of two storied building and outhouses containing an area of land 19 cottahs 10 chittacks 32 sq. 1t. situated at 1, May Fair Road, Calcutta,

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta-16.

Date: 22-1-1979

(1) Mrs. Pushpita Chowdhuri,

(3) Nirlon Synthetic Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Monashi Roy Chowdhury.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd February 1979

Ref. No. Sl. 476/TR-454/C-407/Cal-2/78-79.—Whereas I, V. S. JUNEJA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, situated at Orient Row, Calcutta-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Scaldah, Calcutta on 15-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

[Person in occupation of the property]

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 450 S. ft. being portion of undivided land measuring 3 K 2 Ch along with two storied building, situated thereon at 3, Orient Row, Calcutta-17 and registered with the Sub-Registrar on 15-7-1978.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Ivan Cliford Tyro, Gwendoline Beatrice Coelho.

(Transferor)

(2) M/s. Business Forms Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 9th February 1979

Ref. No. ΛC -56/ $\Lambda cq.R$ -IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10/1, situated at Post Office Road, P.S. Dum Dum, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 31-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or my moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 bigha 8 cottahs together with one storied building thereon, situated at 10/1, Post Office Road, P.S. Dum Dum, Calcutta more particularly us per deed No. I-3788 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 9-2-1979

(1) Dr. Gopi Ranjan Samanta.

(Transferor)

(2) Sri Chandi Charan Dey. Sri Manik Chandra Dey. Sri Raghu Nath Dey. Sri Bhola Nath Dey.

(Transferces)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th February 1979

Ref. No. AC-59/Acg. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7/1, situated at Bonebchari Bose Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Howrah on 27-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 4 chittaks 35 sft. together with two storied building thereon situated at 17/1, Bonbehari Bose Road, Howrah more particularly as per deed No. 1203 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV,
54. Aafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 12-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Swaraj Pauld & Baijinth Singh, 13A, Minore Road, Calcutta

(Tt = 1 ... ot)

(2) Slav Mangdid Baou 8-B, Alipore Road Calcutta

(Transfere.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th February 1979

Ref. No. AC-43/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/ and bearing No.

8-B, situated at Alipote Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 5-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—16GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that the flat on the third floor of premises No. 8-B, Alipore Road, Calcutta, measuring 2145-sq. ft.

S. C. YADAV
Competent Aurigo
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 17-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th February 1979

Ref. No. Ac-44/R-II/Cal/78-79.—Whereas f, S. C. $Y \wedge D \Lambda V$,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sakl Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-B, situated at Alipore Road, Calcutta,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 5-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Swaraj Paul & Baijnath Singh, 13A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Mangilal Bagri, 8-B, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the flat on the third floor of premises No. 8-B, Alipore Road, Calcutta, measuring 2145-Sq. ft.

S. C. YADAV
Competent Authority,
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 17-2-1979

(1) Shri Pradeep Kumar Goenka, 9, Jagmohan Mullick Lane, Calcutta-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Prabhuji Vyapar (P) I.td., 24, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

> ΛCQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th February 1979

Ref. No. AC-45/R-II/Cal/78-79.—Whereas I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6, situated at Ashoka Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 24-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4-cottahs, 1-chittak & 4-sq. ft. being portion from the extreme western side of premises No. 6, Ashoka Road, Alipore, Calcutta-27.

S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 17-2-1979

(1) Shri Debaprasad Garga.

(Transferor)

(2) Woodland Investment (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta the 20th February 1979

Ref. No. SI. 479/ Γ R-382/C-337/Cal-1/78-79.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA.

being the Congress. Authority under Section 269B of the Income tar Art 1961 (43 of 1961), therefulfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable projecty having a fair market value exceeding Rs 25,000 's and bearing No.

78, situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in ...pect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided ‡ share of land measuring 15 K. 1 Ch. 17 Sft. along with structure being premises No. 78, Rafi Ahmed Kidwai Road, registered under Deed No. 1-3698 before the Registrar of Assurance, Calcutta on 26-7-1978.

I. V. S., JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 20-2-1979

PORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 20th February 1979

Ref. No. SI No. 478/TR-381/C-338/Cal-1/78-79,—Whereas I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

78, situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Culcutta on 25-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhupal Prosad Garga & Haraprosad Garga.

(Transferor)

(2) Shii Woodland Investment (P) Ltd.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided ½ share of land measuring 15 K. 1 Ch. 17 Sft. along with structure being premises No. 78, Rafi Ahmed Kidwai Road, registered under Deed No. I-3662 before the Registrar of Assurance, Calcutta on 25-7-1978.

I. V. S., JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 20-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd February 1979

Ref. No. 449/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas I, VAS-KAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

35, situated at Ahiripukur Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Debsaday Dutta & Sm. Arati Dutta, 6/1, Gurusaday Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Lukhi Prosad Gourisaria, 43, Grey Street, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are degned in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same mraning as given m that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land admeasuring 20 cottahs 5 chittacks 27 sq. ft. and structures erected thereon at premises No. 35, Ahiripukur Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-III,
54, Rull Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta-16

Date 22-7-1979

(1) Debsaday Dutta & Sm. Arati Dutta, 6/1, Gurusaday Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Sohanlal Gourisaria, 43, Grey Street, Calcutta,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Culcutta-16, the 22nd February 1979

Ref. No. 450/Acq. R-III/78-79/Cal—Whereas I, VAS-KAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

35, situated at Ahiripukur Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Calcutta on 18-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land admeasuring 20 cottahs 5 chittacks 27 sq. ft. and structures erected thereon at premises No. 35, Ahiripukur Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 22-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd February 1979

Ref No 452/Acq R-III/78 79/Cal —Whereas I, VAS-KAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

35, situated at Ahiripukur Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue off this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Debsaday Dutta & Sm Aratı Dutta 6/1 Gurusaday Road, Calcutta

(Transferor)

(2) Shri Nandalal Gourisaria, 43, Grey Street, Calcutta

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHFDULE

All that undivided 1/5th share of Jand admeasuring 20 cottahs 5 chittacks 27 sq ft and structures erected thereon at premises No 35 Ahmpukur Road, Calcutta

VASKAR SFN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafl Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date 22-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohanlal Goursaria

(Transferor)

43 Grey Street Calcutta

(1) Debsaday Dutta & Sm Aratı Dutta, 6/1, Gurusaday Road Calcutta

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMPTAX,

> ACQUISITION RANGE JII, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta 16, the 22nd February 1979

Ref No 451/Acq R-III/78-79/Cul --- Whereas I VAS-KAR SFN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing

35, situated at Ahiripukui Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been t ansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18 7 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (#1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---23—16GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land admeasure 20 cottahs 5 chittacks 27 sq ft and structures erect thereon at premises No 35 Ahrripukur Road, Calcutta land admeasuring structures erected

> VASKAR SEN Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income tax, Acquisition Range II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor), Calcutta-16

Date 22-2 1979

Scal a

(1) Shri Debsaday Dutta & Sm. Arati Dutt, 6/1, Gurusaday Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Premlata Gourisaria, 43, Grey Street, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd February 1979

Ref. No. 453/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas I, VAS-KAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

35, situated at Ahiripukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 18-7-1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land admeasuring 20 cottahs 5 chittacks 27 sq. ft. and structures erected thereon at premises No. 35, Ahiripukur Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date: 22-2-1979

(1) Shri Anamika Builders Pvt. Ltd. 20, Ganesh Ch. Avenue, Calcutta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Indu Kumar Doshi, 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Culcutta-16, the 22nd February 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 456/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas I, VAS-KAR SEN.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Hat No. 4A, situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta

Flat No. 4A, situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 4A on the fourth floor of the building situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 22-2-1979

NOTICE UNDFR SECTION 269D(1) OF 1HŁ INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGF-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta 16, the 22nd February 1979

Ref No 457/Acq R III/78 79/Cal -- Whereas I, VAS-KAR SEN,

being the competent authority under section 269 of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Flat 3A, situated at 33 Dr Rajendia Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transfeired under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 18-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anamika Builders Pvt, Ltd. 20, Ganesh Ch Avenue, Calcutta

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh Chouhan, 33, Di Rajendia Road, Calcutta,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No 4A on the fourth floor of the building situated at 33, Di Rajendra Road, Calcutta

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date 22 2-1979 Seal ·

(1) Sardar Resham Singh.

(Transferor)

(2) Sardar Kuldip Singh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGΓ-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th February 1979

Ref. AC-60/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas J, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Amrasota Mouza P.S. Raniganj, Dist. Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Raniganj on 31-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objectious, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs being plot No. 1218, situated at Punjabi Moore, Ranigan, Dist. Buildwan, more particularly as per deed No. 3753 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rah Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 24-2-1979

(1) Sardar Resham Singh.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Harpal Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th February 1979

Ref. No. AC-61/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at Amrasota Mouza P.S. Raniganj, Dist. Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raniganj on 31-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objectition, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottans being plot No. 1218, situated at Punjabi Moore, Raniganj, Dist. Burdwan, more particularly as per deed No. 3754 of 1978

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 1V,
54, Rufl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 24-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA 16

Calcutta-16, the 26th February 1979

Ref No 460/Acq R III/78-79/Cal—Whereas I, VASKAR SFN, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1861), (here mafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 474, situated at Rabindia Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Kalipada Chakiavorty, 13, Nathei Bagan Sticet, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shir Bhupati Chandi i Chandi i 136, Rabindia Sarani, Calcutta

(Transferee)

(3) Tenants

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 3 cottahs 7 chittacks 34 sq ft of land together with a three storied building erected theiron at premises No 474, Rabindra Sarani, Calcutta

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Ronge, III,
54, Rafi Ahmed Kidwar Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date 26-2-1979 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA 16

Calcutta-16, the 22nd February 1979

Ref No 458/Acq R-III/78-79/Cal --- Whereas I, VAS-KAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- an bearing No

Flat No 4B, situated at 33, Dr Rajendra Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 18-7-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

(1) Anamika Builders Pvt. Ltd., 20, Ganesh Ch Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Bhupatlal M Parekh, 33 Dr Rajendra Road, Calcutta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No 4B, on the fourth floor of the building situated at 33, Dr Rajendra Road, Calcutta

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, III
54, Rafi Ahmed Kidwai Read (3rd floor),
Calcutta-16

Date 22-2-1979

Scal:

FORM TINS-

(1) Sri Sudarsan Mukherjee.

(Transferor)

(2) Sm Prabit Kumu Ghose

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**COUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta the 1st March 1979

Ref. AC-62/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tex Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the increasable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 - and heating No.

situated at P. S. & Mouza Uttarpara, Dist. Hooghly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandar Nagar on 27-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have read in the believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24- 116GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 11 cottahs 3 Chittaks 2 sft and single storeyed structure thereon at PS. & Mouza Uttarpara, District Hooghly on the western side of 20, Rajkissen Street, Uttarpara as more particularly described in the deed No. 1045 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta-16
54. Rafi Ahmed Kidwai Road.

Date: 1-3-1979

(1) Sri Sudarsan Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt Chandrabati Ghose.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1979

Ref. No. AC-63/Acq. R-IV/Cal/78-79,—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at P.S. & Mouza Uttarpara, Dist. Hooghly

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandan Nagar on 27-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 cottahs 3 chittaks 2 sft and structure thereon at P.S. & Mouza Uttarpara, Dist. Hooghly, on the western side of 20, Raj Kissen Street, Uttarpar as more particularly described in deed No. 1046 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-IV, Calcutta-16
54. Rafi Ahmed Kidwai Road.

Date: 1-3-1979

(1) Sri Sudarsan Mukherjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Haripada Ghose

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE IV CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1979

Ref No AC 64 Acq R-IV/Cal/78-79 —Whereas I, S K DASGUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/ and bearing No

situated at Mouza & P.S. Uttarpara, Dist. Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandan Nagar on 27-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitaing (no concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aftresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 11 cottahs 3 chittaks 2 sft, situated at Mouza & PS Uttarpara, Dist Hooghly on the western side of 20, Raj Kissen Street, Uttarpar as more particularly described in deed No 1047 of 1978

S K DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Acquisition Range-IV, Calcutta-16

Date 1 3-1979

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1979

Ref. No. AC-65/Acq. R-IV/Cal/78-79.-Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at Mouza & P.S. Uttarpara, Dist. Hooghly (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandan Nagar on 27-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : --

(1) Sri Sudarsan Mukhcijec.

(Transferor)

(2) Shii Radhvashyam Ghose.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 cottahs 3 chittaks 2 sit & structure thereon situated at Mouza & P.S. Uttarpara, Dist, Hooghly on the western side of 20, Raj Kissen Street, Uttarpara as more particularly described in deed No. 1048 of 1978.

S. K. DASGUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Acquisition Range-IV, Calcutta-16

Date: 1-3-1979

Seal ·

(1) Sti Sudarsan Mukhetjee.

(Transferor)

(2) Sti Gopal Chandra Chose.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ΛCQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1979

Ref. No. AC-66/Acq. R-IV/Ca1/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As in the Schedule

situated at Mouza & P.S. Uttarpara, Dist. Hooghly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandan Nagar on 27-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expuses later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 11 cottahs 3 chittaks 2 sft. situated at Mouza & P.S. Uttatpara, Distt Hooghly on the western side of 20, Raj Kissen Street, Uttatpara, as more particularly described in deed No. 1049 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 1-3-1979

FORM ITNS----

(1) Shri Nirmal Baran Bhattacharjee.

(Transferor)

(2) Smt. Subhra Dey & Smt. Krishna Dutta,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Culcutta, the 5th March 1979

Ref. No. AC-67, Acq R-IV/Cal/78-79.--Whereas I, S, K DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

19, situated at Surah 31d Lane, Calcutta-10

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 5-7-1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of 5 cottahs 5 chittaks 5 sft. of vacant land, at premises No. 19, Surah Third Lane, Calcutta-10, P.S. Beliaghata, Plot No. 49 of C.I.T. Scheme No. IVM as more particularly described in deed No. 735 for the year 1978

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 5-3-1979

(1) Lakshmi Pitasad Burna.

(Transferor)

(2) Prakash Chandra Patra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 5th March 1979

Ref. No. AC-68/Acq. R-IV/Cal/78-79.--Whereas I, S. K. DASGUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

188/1, situated at Maniktola Main Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 22-7-1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land (vacant) measuring 3 cottans 12 chittaks, situated at 188/1, Maniktola Main Road, Calcutta more particularly as per deed No. 4320 for the year 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 5-3-1979

FORM ITNS----

(1) Shii Panchanan Moulik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Asit Kumai Mozumdet

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1979

Ref. No. AC-69/Acq R-IV Cal/78-79 -- Whereas I, S. K. DASGUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 240, situated at Block-A, Lake Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-7-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasoin of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 10
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other issets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LYPLANATION: -. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 5 cottahs 5 chittaks at plot No. 240, Block-A, Lake Town, Mouza Patipukur, Dist. 24-Pgs. more particularly as per deed No. 3761 for the year 1978.

> S. K. DASGUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date . 5 3-1979 Scal:

(1) Shri Nidhuranjan Majumdar.

(Transferor)

(2) Shri Jiban Krishna Saha & Smt Runu Rani Saha.

may be made in writing to the undersigned-

expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1979

Ref. No. AC-70/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Kh. No 203, situated at Mouza Sodepur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Barackpore on 14-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—25—L16GI/79

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or

a period of 30 days from the service

notice on the respective persons, whichever period

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any other, person exterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 5 cottahs and building thereon at Kh. No. 203, Dag No. 7 of Mouza Sodepur, Panihati Municipality, Dist- 24-Pgs., as more particularly described in deed No. 3085 for the year 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
54. Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 5-3-1979

Scal:

(1) Shri Keshardeo Saraf.

(Transferor)

(2) Shri Pramod Kumar Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Stee Durga Saw Mill.

[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 9th March 1979

Ref. No. AC-71/Acq. R-IV/Cal/78-79.--Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mouza Debgram, situated at Siliguri, Dist. Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 bigha 11 cottahs situated at Mouza Debgram, Siliguri, Dist. Darjeeling more particularly as per deed No. 3459 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 9-3-1979

111- -020. 1

FORM ITNS-

(1) Shri Keshardeo Saraf.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Kumar Agarwal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Sice Durga Saw Mill.

[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 9th March 1979

Ref. No. AC-72/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Mouza Debgram, situated at Siligui, Dist. Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 bigha 1½ cottahs, situated at Mouza Debgram, Siliguri, District Darjeeling more particularly as per deed No. 3458 for the year 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-IV.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 9-3-1979

Scal:

(1) Smt Ranjana Mohanlal Joshi

(Transferor)

- (2) 1 Harnathrai Agarwalla,
 - 2 Basdeo Agarwalla and
 - 3 Chhaganlal Agarwalla

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGL IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1979

Ret No AC 74/Acq R-IV/Cal 78-79 —Whereas I S K DASGUPT 4

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and begging No

172 situated at CIT Scheme VIM, Calcutta-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 17 8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichevel period expites later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece and paicel of land (vacant) measuring 4 cottahs 7 chittaks 41 sft situated at plot No 172 C I T Scheme VIM, Calcutta more particularly as per deen No 4178 of 1978?

S K DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range IV
54 R iff Ahmed Kidwai Road
C deutt-16

D te 14 3-1979 Seal:

(1) Shri Setya Narayan Ram

(Transferor)

(2) Shri Ramanand Prosad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1979

Ref. No. AC 75/Acq. R-IV Cal. 78-79.—Whereus I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C.S. Plot No. 7493, Ward No. II, situated at Khalpara, P.S. Siliguri, Dist. Darjeeling

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1508 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 8-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs situated Khalpara Mouza Siliguri, Pargana Baikunthagur Mumcipality, Ward No. 11 Dist. Darjeeling, more particularly as per deed No 4599 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 14-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dipak Kr. Roy, C/o Late Girlia Sankar Roy, 18C, K. H. Naskar Road Calcutta-40.

(Transferor)

(2) Smt. Lila Rani Chakraborty, w/o Sri Jatish Ch. Chakraborty, 99/100, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-41.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta the 12th March 1979

Ref. No. Ac-50/R-II/Cal/78-79.—Whereas I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

150/10/7, situated at Mahatma Gandhi Road, Behala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Registrar, 24-Parganas, Alipore on 3-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3-cottahs, 9-chittaks & 40-sq. ft. together with one storeyed building at Mouza Haridebpur, P.S. Behala.

S. C. YADAV
Competent Authority,
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Aafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 12-3-1979

Scal:

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th March 1979

Ref. No. AC-76/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing 7/16, situated at Lawrence Street, P.S. Uttarpara, Dist. Hooghly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Serampur on 5-7-1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Nikhil Ranjan Bhattacharjee.

(Transferor)

(2) Shri Amitava Bakshi.

(Transferee)

(3) Shri Nikhil Ranjan Bhattacharjee.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land with building measuring 050 Dec. situated at 7/16, Lawrence Street, Uttarpara, Dist. Hooghly, more particularly as per deed No. 2248 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 17-3-1979

Seal .

(1) Shri Hari Nath Bhattachaijec.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gourt Bala Kumar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGF-IV, CAI CUTTA

Culcutta, the 17th March 1979

Ref. No. A6-77/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

56, situated at Simla Road, Calcutta-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Seeddah on 3-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of pictice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 2 chittaks together with building situated at 56, Simla Road, P.S. Maniktola, Calcutta-6, more particularly as per deed No. 846 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 17-3-1979

(1) Smt. Chanda Bai Suraiya, 23 Theatre Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shi Bishwambhar Lal Shah, 26/1-G, Prasanna Kr. Tagore Street, Culcutta

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th March 1979

Ref. No. 463/Acq. R-III/78-79/Cal.---Whereas I, VASKAR SEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 1/1, situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26-16GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in building together with 10 cottahs 3 chittacks of land situated at premises No. 1/1, Rowland Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date: 8-3-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th March 1979

Ref. No 462/Acq. R-III/78-79/Cal.--Whereas I, VASKAR SEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 1/1, situated at Rowland Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Smt. Chanda Bai Suraiya, 23 Theatre Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Gita Debi Shah, 26/1-G, Prasanna Kr. Tagore Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in building together with 10 cottahs 3 chittacks of land, situated at premises No. 1/1, Rowland Road, Calcutta,

VASKAR SEN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor).

Calcutta-16

Date: 8-3-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th March 1979

Ref. No. 461/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/1, situated at Rowland Road, Calcutta, and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chanda Bai Suraiya, 23 Theatre Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Bimal Kumar Shah, 26/1-G, Prasanna Kr. Tagore Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in building together with 10 cottahs 3 chittacks of land, situated at premises No. 1/1, Rowland Road, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date: 8-3-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 24th March 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/July-9/2774/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shops Nos. 3442-3447 and 3449-3470 situated at Phool Mandi, Hauz Qazi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Behari Lal Jhujhunwala, S/o Late Shri Bisheshwar Dass, 1/o at Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand Jain, S/o Shri P. C. Jain, r/o 1323, Gali Gulian, Dariba Kalan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazeete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

32 shops bearing Nos. 3442-3447 and 3449-3470 measuring 563 sq. yds. situated at Phool Mandi. Hauz Qazi, Delhi and bounded as under :—

East: H.P. 3496-3499 and Jhot & H.P. No. 3880-3891

West: H.P. No. 3430-3433 & 3435 & Gali

North: H.P. No. 3512-3520 & 3428 & Gate of Building.

South: H.P. No. 3433-3441, 3471-3475 & 3481-3484

with common entrance.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tnx.
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 24-3-1979

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

ASSISTANTS GRADE EXAMINATION, 1979

No F 10 4/78 F I (B)

New Delhi, the 14th April 1979

A competitive examination for recruitment to vacancies in the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANG VI ORI BHOPAL BOMBAY, CALCUTIA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), IINDERABAD, IAIPUR JAMMU LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PAISAH (GOA), PATIALA, PAINA, PORI BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, IRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad commencing on 25th September 1979 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 14th April, 1979

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCE-MENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DIS-CRETION OF THE COMMISSION CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE IN-FORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexuse para 11)

- 2 The Services posts to which recruitment is to be made on the results of this extimination and the approximate number of vacancies in the various Services/posts are given below
 - (1) Clade IV Assistants of the General Cadre of the Indian Foleign Service (B)—*
 - (ii) Grade IV (Assistants) of the Railway Board Secretariat Service—3 (includes one vucancies reserved for Scheduled Clastes candidates)
 - (iii) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service—*
 - (iv) Assistants Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service—84 (includes 13 vacuancies reserved for Scheduled Castes candidates and 6 vacancies reserved for Scheduled Tribes candidates)
 - (v) Posts of Assistant in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the LFS (B)/Rialway Board Secretariat Service/Central Secretariat Service/Armed Forces Headquarters (ivil Service—*

The above numbers are liable to alteration Vacancies not intimated by Government

- 3 A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more if the Services/posts mentioned in para 2 above
- It a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 6 below once only and will not be required to pay separate ice for each of the Services/posts for which he applies
- NB—A candidate is required to specify clearly in the Application form the Services/posts for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rink in the order of ment due consideration can be given to his preferences when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services Posts for which he is competing, would be considered unless the request for such afteration is received in the office of the Unital Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the examination

4 \ candidate seeking idmission in the evanuation must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpin House New Delhi 110011, on the prescribed form of application and full

particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs 200 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi 110011, by Money Order or by Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office Cheques of currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs 200 will in no case be refunded.

- NOTE—(\nDidates are warned that they musi submit their applications on the prinied form prescribed for the assistant's grade examination, 1979 applications on forms other than the one prescribed for the assistants' grade examination, 1979 will not be entertained
- 5 The completed application form must reach the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 4th June, 1979 (18th June, 1979 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobir Islands or in Lakshadweep from a date prior to 4th June, 1979) accompanied by necessary documents No application received after the prescribed date will be considered

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobai Islands or in Lakshtalweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 4th June, 1979

6 Candidates seeking admission to the evamination must pay to the Commission with the completed application forms a fee of Rs 28 00 (Rs 7 00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India Mari Blanch, New Delhi

Candidates residing abroad should deposit the prescribed tee in the office of India's High Commissioner, Ambassador of Representative abroad, as the case may be for credit to the account head '051 Public Service Commission—Txamin thon Fees" and attach the account with the application

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED, THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SETKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW

- 7 The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a homa fide displaced person from erstwhile Fast Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a homa fide repatricte of India origin from Burmi and has migrated to India on or after 1st Tune, 1963), or is a homa fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on o) after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee or is an exservicem in as defined below
- Fy Servicement moans a person who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz Naval, Military or Air Forces of the Union) including the Armed Forces of the former Indian States but excluding the Assom Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force Jammu and Kashmir Militia, Lak Sahayak Senja and Territorial Army for a continuous period of not less than six months after attestation as on 4th June 1979
 - (1) has been reliased otherwise than by way of lismisal or discharge on account of nusconduct or inefficiency, or has been transferred to the reserve pending such release, or

- (ii) has to serve for not more than six months as on 4th June, 1979, for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.
- 8. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Iribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHLUWALIA,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HI- WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION ORDINARILY NO REQUEST FOR. A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate torwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees ar., however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (ii) CROSSED Indian Postal Orders or Ban? Draft for the prescribed fee, or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 and 7 of the Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/certified copy of the Certificate of age.
 - (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two indentical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate
 - (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Castes /Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
 - (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).
 - (vii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.

Note: Candidates are required to submit along with their applications only copies of certificates mentioned in items (i), (ii) (iii), (v) and (vi) above, attested by a gazetted officer of government or certified by candidates themselves as correct. Candidates who qualify on the results of the examination will be required to submit the originals of the certificates mentioned above soon after the declaration of the results of the certificates mentioned above soon after the declaration. The results are likely to be declared in the month of march, 1980. Candidates should keep these certificates in readiness and submit them to the commission soon after the declaration of the result of the examination. The candidature of candidates who fail to submit the required certificates in original at that time will be cancelled and the candidates will have no claim for further consideration.

- 4. Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5.
- (i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India. Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondry Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondry Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

Note 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

Note 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (I.c., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them cligible to appear at the Commission's examination but have not been informed to the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be cligible for admission to the Commission's examination.

- (iv) Two coples of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the attendance sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv), 3(v) and 3(vi) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the applications should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving narent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*

son/daughter* of

of village/town*
of the State/Union Territory*

Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories)

Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951th

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*.

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*.

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*.

the Constituiton (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*.

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village*/town—of——District*/Division of the State*/Union Territory of———.

(with seal of office)

State*/Union Territory

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950

- ***Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.
- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Assistant Commissioner.

*(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.
- (5) (a) LDCs/UDCs/Stenographers Grade D claiming age concession under rule 6(b) should submit a certificate in original from the Head of the Department/Office in the following form:—

regular service as L.D.C./U.D.C./Stonographer Grade D* on 1st January, 1979 and he/she continues to be so employed.

Signature	
Designation	
Date	
Ministry/Office	
Office Stamp	

*Strike out whichever is not applicable.

- (b) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(c)(ii) or 6(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:—
 - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
 - D'strict Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
 - Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (c) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(c)(iv) or 6(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.
- (d) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(c)(vi) or 6(c)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (e) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malwai, Zaire and Ethopia claiming age concession under Rule 6(c)(viii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bonafide migrant from the countries mentioned above.
- (f) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 6(c)(ix) or 6(c)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Signature		,						
Designation				ï	٠		٠	
Date	_	_	_	_				

*Strike out whichever is not applicable.

(g) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c)(x) or 6(c) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. Was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....
Designation....
Date....

- (h) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and hes migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (i) An ex-serviceman seeking remission of fee under para 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an exserviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.
- (j) A candidate claiming age concession under rule 6(L) should submit (i) an attested/certified copy of a certificate from the detaining authority under his seal stating that the candidate had been detained under the Maintenance of internal Security Act or (ii) an attested/certified copy of a certificate from the Sub-Divisional Magistrate having jurisidiction in the area stating that the candidate had been atrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules there under specifying the dates between which he was arrested or imprisoned and certifying that the detention or arrest or imprisonment, as the case may be, was in pursuance of the candidate's political affiliations or activities or his association with the cerstwhile banned organisations.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in paras 5(b), (c) and (d) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them not should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earl, a possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. but it a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with the provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against, cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharg Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-110001 and (ii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.
- 13. Communications regarding Applications.—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE,

NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CON-TAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICA-

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO 111M AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13, ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.



